✷ बिहार-झारखंड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सुपौल के बलुआ पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या-चार में बिहार के भूतपूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्र की प्रतिमा का अनावरण कर श्रद्धापूर्वक अर्पित करते सीएम सम्राट चौधरी

✷ रजि. नंबर : 52290/90 ✷ वर्ष : 37 ✷ अंक : 84 ✷ पृष्ठ : 12 ✷ औरंगाबाद, गुरुवार, 20 अगस्त 2026 ✷ मूल्य : 3.00 रुपये ✷ औरंगाबाद, पटना एवं बोकारो से प्रकाशित ✷ www.navbihartime.com

झारखंड के मुख्य सचिव ने की मां जानकी की पूजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सीतामढ़ी। झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार बुधवार को सीतामढ़ी पहुंचे। उन्होंने पुनौरा धाम में मां जानकी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति व खुशहाली की कामना की। इस दौरान उनकी धर्मपत्नी भी उनके साथ थीं। पूजा-अर्चना के बाद अविनाश कुमार ने निर्माणाधीन मंदिर परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य की प्रगति और परिसर में चल रहे कार्यों की जानकारी ली। मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने कहा कि यह ऐसा क्षेत्र है जहां आकर मन प्रसन्न होता है। उन्होंने स्वयं को इसका हिस्सा मानकर गौरवान्वित महसूस करने की बात कही। उन्होंने यह भी बताया कि मां जानकी की जन्मभूमि होने के कारण यह क्षेत्र विशेष महत्व रखता है। अविनाश कुमार ने अपनी कामना व्यक्त करते हुए कहा कि यहां के लोग प्रसन्न रहें, खुशहाल रहें, यही मेरी कामना है। क्षेत्र में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहे, मां जानकी से यही प्रार्थना करता हूं। बता दें कि अविनाश कुमार मूल रूप से सीतामढ़ी जिले के सुरसंड प्रखंड के बघारी गांव के निवासी हैं। वर्तमान में वह झारखंड सरकार में मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत हैं। मुख्य सचिव बनने के बाद यह उनका अपने गृह क्षेत्र का दौरा था।

बिहार कैबिनेट की बैठक में 13 एजेंडों पर लगी मुहर, किसानों के लिए नलकूप और गोदाम योजना को भी हरी झंडी

बक्सर-भागलपुर सिक्स लेन एक्सप्रेसवे को मंजूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में बुधवार को बिहार कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक में कुल 13 एजेंडों पर मुहर लगी। सड़क, सिंचाई, कृषि, भंडारण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। सरकार के फैसलों से एक ओर जहां राज्य में कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है वहीं किसानों के लिए सिंचाई और भंडारण की सुविधाएं भी बढ़ेंगी। बिहार में सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए कैबिनेट ने बड़ा फैसला लिया है। बक्सर से भागलपुर के बीच 336 किलोमीटर लंबे 6 लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के निर्माण के सैद्धांतिक प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। यह एक्सप्रेसवे अरवल, जहानाबाद, नालंदा और जमुई समेत कई जिलों से होकर गुजरेगा। सड़क पूरी तरह नियंत्रित प्रवेश वाली होगी। यानी वाहनों को सिर्फ निर्धारित स्थानों से ही प्रवेश और निकास की सुविधा मिलेगी। परियोजना को पीपीपी मॉडल के तहत बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से विकसित किया जाएगा। इसके बनने से बिहार के कई जिलों के बीच सफर तेज और आसान होने की उम्मीद है। कैबिनेट ने किसानों के लिए भी अहम फैसला लिया है। मुख्यमंत्री निजी नलकूप योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में 11 हजार निजी नलकूप लगाए जाएंगे। इसके लिए सरकार ने 305.60 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृति दी है। योजना का उद्देश्य किसानों को खेतों की सिंचाई के लिए बेहतर जल सुविधा

उपलब्ध कराना है। निजी नलकूपों की संख्या बढ़ने से किसानों को सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बेहतर होने की उम्मीद है। इसका सीधा फायदा खेती पर निर्भर किसानों को मिल सकता है। सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कटिहार में कई नहर प्रणालियों के पुनर्स्थापन को भी मंजूरी दी गई है। सिंचाई प्रमंडल, कटिहार के तहत कटिहार वितरणी, फूलपुर, हसनगंज, बैजनाथपुर और सेमापुर उप-वितरणियों से जुड़ी नहर प्रणालियों के पुनर्स्थापन पर काम होगा। इसके लिए 35.82 करोड़ रुपये की प्रशासनिक और व्यय स्वीकृति दी गई है। नहरों के बेहतर होने से किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। कैबिनेट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी इऋके क्षेत्र में भी कदम बढ़ाया है। राज्य में एआइ से जुड़े अवसर और नई तकनीक विकसित करने के लिए टायो एआइ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और बिहार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के बीच एमओयू करने को मंजूरी दी गई है। इस पहल का उद्देश्य राज्य में एआइ तकनीक और इनोवेशन को बढ़ावा देना है। इससे बिहार को भविष्य की तकनीक के लिए तैयार करने में मदद मिलने की उम्मीद है। सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने के लिए भी कैबिनेट ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 48,200 मीट्रिक टन नई भंडारण क्षमता विकसित की जाएगी। इसके तहत 200, 500 और 1,000 मीट्रिक टन क्षमता वाले गोदाम बनाए जाएंगे। इसके लिए 52 चयनित समितियों को कुल 34.95 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। इस राशि का 50 फीसदी हिस्सा अनुदान और 50 फीसदी चक्रीय पूंजी के रूप में दिया जाएगा। नई भंडारण व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा किसानों को मिलने की उम्मीद है। गांव और पंचायत स्तर पर गोदाम उपलब्ध होने से किसानों को अपनी उपज तुरंत कम कीमत पर बेचने की मजबूरी कम हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

एडीओ परीक्षा की धांधली में बायोमेट्रिक ऑपरेटर गिरफ्तार

पटना(नबिटा ब्यूरो)। आर्थिक अपराध इकाई ने बिहार लोक सेवा आयोग की एडीओ परीक्षा में कदाचार के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए बायोमेट्रिक ऑपरेटर अतुल राज पांडे को गिरफ्तार किया है। इओयू के मुताबिक अतुल राज पांडे कंकड़बाग स्थित रघुनाथ उच्च बालिका विद्यालय में आयोजित परीक्षा में बायोमेट्रिक ऑपरेटर के रूप में तैनात थे। जांच के दौरान अतुल राज पांडे की सहकर्मी दीपिका कुमारी के मोबाइल फोन से एडीओ परीक्षा से संबंधित साक्ष्य मिले थे।

एक लाख का इनामी मनिंद्र मिश्रा धराया

गोपालगंज(नबिटा ब्यूरो)। बिहार और उत्तर प्रदेश में आपराधिक वारदातों को अंजाम देकर लंबे समय से फरार चल रहे एक लाख रुपये के इनामी कुख्यात अपराधी मनिंद्र मिश्रा को बिहार एसटीएफ और उत्तर प्रदेश पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसे उत्तर प्रदेश के पॉली से पकड़ा है। मनिंद्र मूल रूप से जिले के कटेया थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव का रहने वाला है। वह बिहार-यूपी के सीमावर्ती इलाकों में कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित था।

इनामी अपराधी अशरफ गिरफ्तार

भागलपुर(नबिटा ब्यूरो)। भागलपुर रेलवे स्टेशन के एलसी गेट के पास से जीआरपी थाना की टीम ने जिला एसटीएफ के सहयोग से 15 हजार रुपये के इनामी अपराधी अशरफ को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार अशरफ कुख्यात नाड़ा मियां का मुख्य सहयोगी रहा है और कई आपराधिक मामलों में फरार चल रहा था। अशरफ की गिरफ्तारी के लिए आरपीएफ थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर नसीम अहमद की ओर से भी निगरानी और कार्रवाई की जा रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस और एसटीएफ की टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया।

13 हजार करोड़ रुपये से होगा रेल और सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास

मुजफ्फरपुर-सीतामढ़ी-सोनबरसा तक चार लेन राजमार्ग के निर्माण पर 3591 करोड़ होंगे खर्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रेल और सड़क परियोजनाओं के लिए 13,000 करोड़ रुपये से अधिक की नई मंजूरियां दी हैं। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट की बैठक के बाद इन फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि यह निवेश देश के महत्वपूर्ण हिस्सों में कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा और आर्थिक विकास को गति देगा। सरकार ने देश के पूर्वी और दक्षिणी हिस्सों में रेल नेटवर्क को सुदृढ़ करने पर विशेष ध्यान दिया है। विभिन्न रेलवे लाइनों के दोहरीकरण और चौगुनीकरण से माल ढुलाई और यात्री ट्रेनों की गति में तेजी आएगी जिससे यात्रा का समय कम होगा और क्षमता बढ़ेगी। श्री वैष्णव ने बताया

कि कैबिनेट में लिए गये फैसले के अनुसार खड़गपुर-भद्रक (रणिताल) चौथी लाइन को 3,352 करोड़ रुपये की लागत से पूरी की जाएगी। वहीं भद्रक-हरिदासपुर चौथी लाइन के विस्तार पर 1,583 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसी प्रकार दक्षिण भारत में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए गुम्मडिपूंडी-गुडूर तीसरी और चौथी लाइन परियोजना पर 2,229 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। वहीं कटक-पारादीप तीसरी और चौथी लाइन 2,286 करोड़ रुपये की लागत से पूरी होगी, जो ओडिशा के औद्योगिक और बंदरगाह क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रेलवे के साथ-साथ, सरकार ने सड़क अवसंरचना को भी प्राथमिकता दी है। बिहार में मुजफ्फरपुर से सीतामढ़ी होते हुए सोनबरसा तक चार लेन राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना पर 3,591 करोड़ रुपये खर्च होंगे जिससे इस क्षेत्र में सड़क संपर्क में उल्लेखनीय सुधार होगा और व्यापार व पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इन सभी रेल और सड़क परियोजनाओं को मिलाकर कुल निवेश 13,041 करोड़ रुपये से अधिक है। इस बड़े पैमाने पर किया गया निवेश न केवल देश के विभिन्न हिस्सों को बेहतर ढंग से जोड़ेगा बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा और औद्योगिक विकास को गति देगा। यह कदम 'गति शक्ति' जैसे राष्ट्रीय अवसंरचना मास्टर प्लान के अनुरूप है जिसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना और देश की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना है। यह निर्णय देश के आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार तैयार करेगा। इन परियोजनाओं के समय पर पूरा होने से माल और यात्रियों की आवाजाही सुगम होगी जिससे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। सरकार का लक्ष्य अवसंरचना के माध्यम से देश को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर रहना है।

बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं माता-पिता : सुप्रीम कोर्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि सीनियर सिटीजन्स अपने बच्चों को संपत्ति से बेदखल कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि बढ़ती उम्र का मतलब असुरक्षा या अपमान नहीं होना चाहिए। हर व्यक्ति को जीवनभर गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश को भी पलट दिया जिसमें बेटे और बहू को मकान से बेदखल करने के ट्रिब्यूनल कोर्ट के आदेश को रद्द किया गया था। कोर्ट ने कहा कि बुजुर्गों की गरिमा के लिए ट्रिब्यूनल के पास बच्चों को संपत्ति से निकालने का आदेश देने का अधिकार है। यह मामला लखनऊ के विकास नगर निवासी रविकांत गुप्ता की अपील से जुड़ा था। गुप्ता ने 5 जून 2022 को अपने बेटे को मकान से निकालने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के पास आवेदन दिया था। बेटे और बहू ने एसडीएम और जिला मजिस्ट्रेट के आदेश को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट ने कहा था कि 2007 का कानून बुजुर्गों को अपनी संपत्ति से बच्चों को बेदखल करने का अधिकार नहीं देता। इसके बाद दोनों आदेश रद्द कर दिए गए। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि कानून का मकसद बुजुर्गों की गरिमा और सुरक्षा तय करना है। सभ्य समाज का स्तर अक्सर इस बात से तय होता है कि वह अपने बुजुर्गों को कितनी गरिमा, सम्मान और सुरक्षा देता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने ट्रिब्यूनल के आदेश में दखल देकर गलती की। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि भरण-पोषण और सुरक्षा के लिए जरूरी होने पर ट्रिब्यूनल बेदखली का आदेश दे सकता है।

बिजली करंट से मां-बेटे की मौत

अरवल(नबिटा ब्यूरो)। जिले के किंजर थाना क्षेत्र के झुनाठी गांव में बुधवार को बिजली करंट की चपेट में आने से मां-बेटे की मौत हो गई। मृतकों की पहचान सीमा देवी (50 वर्ष) और उनके पुत्र शुभम कुमार (19 वर्ष) के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है। बताया जाता है कि सीमा देवी घर के पास गाय बांधने जा रही थीं। इसी दौरान गाय उनके हाथ से छूटकर ट्रांसफर्मर की ओर भाग गई। गाय को पकड़ने के प्रयास में सीमा देवी ट्रांसफर्मर के समीप पहुंचीं, जहां वह बिजली तार की चपेट में आ गईं। मां को करंट की चपेट में आया देखकर उनका पुत्र शुभम कुमार भी वहां पहुंचा और वह भी बिजली के संपर्क में आ गया। स्पर्शाघात के बाद दोनों को इलाज के लिए सदर अस्पताल अरवल लाया गया जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

सूबे के तीन अनुमंडलों में नए राजस्व अधिकारियों की तैनाती

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बिहार के तीन अनुमंडलों में नए राजस्व अधिकारियों की तैनाती की है। ये सभी अधिकारी बिहार राजस्व सेवा के हैं। विभाग की ओर से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। अधिसूचना के अनुसार पटना के अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी पंकज कुमार झा को समस्तीपुर का अनुमंडल राजस्व पदाधिकारी बनाया गया है। उन्हें अब समस्तीपुर में राजस्व से जुड़े कार्यों की जिम्मेदारी संभालनी होगी। मुंगेर के राजस्व अधिकारी सह कानूनगो पवन कुमार झा को अरेराज का अनुमंडल राजस्व पदाधिकारी बनाया गया है। वहीं बारसोई के अनुमंडल राजस्व अधिकारी विकास कुमार सिंह को अररिया सदर का अनुमंडल राजस्व पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। विभाग ने अधिकारियों को नई जिम्मेदारी के अनुसार कार्यभार संभालने का निर्देश दिया है।

उमानाथ घाट निर्माण का ठेका रद्द

पटना(नबिटा ब्यूरो)। बाढ़ स्थित उमानाथ घाट निर्माण परियोजना में बुडको ने बड़ी कार्रवाई की है। करीब 46.08 करोड़ रुपये के एकरारनामा को रद्द कर दिया गया है। काम की भौतिक प्रगति महज पांच प्रतिशत थी जबकि वित्तीय प्रगति शून्य बताई गई है। उमानाथ घाट निर्माण का काम एए पटना जेवी को सौंपा गया था। परियोजना की प्रशासनिक स्वीकृति राशि 53.85 करोड़ रुपये थी। 450 मीटर लंबाई में घाट का निर्माण होना था। एकरारनामा 18 जुलाई 2025 को हुआ था और काम पूरा करने की समय सीमा 17 अगस्त 2027 निर्धारित थी। बुडको की जांच में सामने आया कि एजेंसी के साझेदार अमित कुमार को ग्रामीण कार्य विभाग पहले ही 10 वर्षों के लिए ब्लैकलिस्ट कर चुका था। आदेश में पथ निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों की कार्रवाई का भी उल्लेख किया गया है।

जादोपुर थानाध्यक्ष समेत चार लोग गिरफ्तार

गोपालगंज(नबिटा ब्यूरो)। जिले में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाने वाले भ्रष्ट अधिकारी समेत चार लोगों पर एसपी विनय तिवारी ने शिकंजा कस दिया है। भ्रष्टाचार, अवैध हिरासत और पैसे लेकर निर्दोषों को छोड़ने के एक बड़े मामले का खुलासा होने के बाद महकमे में हड़कंप मच गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए जादोपुर थानाध्यक्ष समेत चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल घटना के संदर्भ में बताया जाता है कि जादोपुर थाना की पुलिस ने कुछ निर्दोष लोगों को बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के लगभग 36 घंटे तक हिरासत में रखा। उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी गई और छोड़ने के एवज में भारी रकम की मांग की गई। प्रथम दृष्टया पुलिसिया जांच में यह बात सामने आई कि इस दौरान पीड़ितों से अलग-अलग किस्तों में 50 हजार, 75 हजार और 55 हजार रुपये की कथित अवैध वसूली की गई। मामले की पुष्टि होते ही पुलिस विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। इस भ्रष्टाचार कांड में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में तत्कालीन थानाध्यक्ष अनिल राम, चालक राकेश कुमार, चौकीदार महंथ कुमार यादव और कथित दलाल (बिचौलिया) राजू यादव शामिल है।

सीमांचल में होगा सिंचाई का विस्तार : सम्राट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को सुपौल जिले के छातापुर प्रखंड अंतर्गत चैनपुर ग्राम में निर्माणाधीन कोसी-मेची अंतःराज्यीय रिवर लिंक परियोजना स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति, निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति तथा कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को परियोजना का निर्माण कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। स्थल निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री चैनपुर ग्राम स्थित परियोजना के कैम्प कार्यालय पहुंचकर वहां परियोजना की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोसी-मेची अंतरराज्यीय रिवर लिंक परियोजना सीमांचल और बिहार के लिए एक ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके पूरा होने से क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, किसानों की कृषि

उत्पादकता बढ़ेगी और उनकी समृद्धि को नई गति मिलेगी। परियोजना के पूर्ण होने पर 2,14,813 हेक्टेयर कृषि भूमि को अतिरिक्त एवं सुनिश्चित सिंचाई सुविाा उपलब्ध होगी। परियोजना के माध्यम से बाढ़ के दौरान कोसी नदी के अधिशेष जल को लिंक नहर के जरिए मेची नदी तक पहुंचाया जाएगा। इससे महानंदा बेसिन में जल की उपलब्धता बढ़ेगी और कोसी के बाढ़ प्रभाव को कम करने तथा जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिलेगी। परियोजना से अररिया में 69642 हेक्टेयर, पूर्णिया में 69970 हेक्टेयर, किशनगंज में 39548 हेक्टेयर तथा कटिहार में 35653 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को अतिरिक्त सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। परियोजना के अंतर्गत पूर्वी कोसी मुख्य नहर की जल संवहन क्षमता 15,000 क्यूसेक्स से बढ़ाकर 20,000 क्यूसेक्स की जाएगी। मुख्य नहर के विस्तार के साथ चार शाखा नहरों, 6 वितरणियों तथा आवश्यक नहर प्रणालियों का निर्माण किया जाएगा। परियोजना के अंतिम छोर पर लगभग 950 क्यूसेक्स जल मेची नदी में प्रवाहित होगा। परियोजना की अनुमानित कुल लागत 6,282.32 करोड़ रुपये है और इसे मार्च 2029 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने आकिारियों को निर्देश दिया कि परियोजना के निर्माण कार्य के दौरान किसानों को कृषि कार्य में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्माण कार्य में गति, गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने तथा परियोजना से जुड़े सभी कार्यों की लगातार निगरानी करने को कहा। समीक्षा बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, विधायक नीरज कुमार बबलू, विधायक रामविलास कामत, विधायक देवंती यादव, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, जल संसाधन विभाग के सचिव डा. चंद्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी सावन कुमार, पुलिस अधीक्षक शरथ आरएस सहित अन्य अधिकारीगण एवं अभियंतागण उपस्थित थे।

हर घर बिजली पहुंचाने वाला पहला राज्य बना बिहार : मंत्री श्रवण कुमार

ग्रामीण विकास सह जन संपर्क मंत्री को सिमरी बख्तियारपुर में राजग कार्यकर्ताओं ने किया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के तत्वावधान में बुधवार को सिमरी बख्तियारपुर में सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें ग्रामीण विकास मंत्री सह सूचना जनसंपर्क मंत्री व जदयू विधायक दल के नेता श्रवण कुमार को राजग कार्यकर्ताओं ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बिहार में बहुत काम किया है। राज्य के प्रत्येक घर में बिजली पहुंचाने वाला देश का पहला राज्य बिहार है। यहां के सभी गरीबों के घर में बिजली मिलने लगी है। राज्य सरकार ने सभी व्यक्तियों के लिए 125 यूनिट बिजली मुफ्त कर दिया है। अब 90 फीसदी परिवारों को बिजली का बिल जमा नहीं करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सात निश्चय-3 के तहत हर घर नल का जल और हर नाली गली पक्कीकरण योजना शुरू की। इस योजना के तहत सभी कार्य दलितों के घर से शुरू किए गए। ग्रामीण विकास मंत्री ने रायपुरा हाई स्कूल की चहारदिवारी का निर्माण, मटेश्वर स्थान के पास स्थित पोखरा के चारों तरफ पेवर ब्लॉक लगाने और ग्रामीण हाट बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को हर तरह की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके लिए सरकार कार्य कर रही है। इस मौके पर आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सादा, विधायक संजय सिंह, विधायक निरंजन मेहता, पूर्व विधायक सह सहरसा के जिलाध्यक्ष गुंजेश्वर साह, जदयू नेत्री मृदुला कुमारी, भाजपा के जिला मंत्री गौरव, जदयू के जिला उपाध्यक्ष रघुनंदन सिंह, सर्वेश साह, सुनील सिंह, भीम नारायण महतो, यशवंत सिंह पटेल, शैलेन्द्र सिंह, मुरारी सिंह, विपिन गुप्ता, आनंदी प्रसाद मेहता, अरविंद भगत, सुधीर सिंह, दिलीप साह, अरूण सिंह, परशुराम सिंह, गणेश गौरव, अरूण यादव, फुलेश्वर रजक सहित जदयू और भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बेंगलुरु में 'बिहार इंडस्ट्री बी2 जी मीट 2026' का आयोजन

मंत्री श्रेयसी सिंह ने निवेशकों को दिया भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेंगलुरु/पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के मार्गदर्शन एवं उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह के नेतृत्व में बिहार में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और देश के प्रमुख निवेशकों एवं उद्योग प्रतिनिधियों से प्रत्यक्ष संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से बेंगलुरु में 'बिहार इंडस्ट्री बी2 जी मीट 2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा किया गया। बैठक में बिहार की निवेश संभावनाओं, औद्योगिक आधारभूत संरचना, निवेश-अनुकूल नीतियों, उपलब्ध औद्योगिक भूमि तथा विभिन्न क्षेत्रों में विकसित की जा रही सुविधाओं के बारे में निवेशकों को जानकारी दी गई। निवेशकों के साथ विशेष रूप से ई-कॉमर्स, फार्मास्युटिकल्स, ऊर्जा, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग एवं अन्य उभरते क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। बी2जी, फ्लीपकार्ट, रिलायंस , फुटप्रिंट, निरानी ग्रुप, ड्रोल्स, निंजा कार्ट, सेंटनर सेनसेंस फर्मा, इनोटेक सोल्युशन सहित विभिन्न संस्थानों के एक्स्प एवं निर्णयकर्ताओं से महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ। निवेशकों ने बिहार में उद्योग स्थापना एवं विस्तार की संभावनाओं को लेकर अपने सुझाव, अपेक्षाएं और आवश्यकताओं को विभाग के समक्ष रखा। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार सरकार राज्य को एक आकर्षक, प्रतिस्पर्धी एवं निवेश-अनुकूल औद्योगिक गंतव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार निवेशकों की आवश्यकताओं और सुझावों के अनुरूप नीतिगत सहयोग, बेहतर औद्योगिक आधारभूत संरचना तथा आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं और राज्य सरकार देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों एवं निवेशकों के साथ निरंतर संवाद के माध्यम से इन अवसरों को निवेश में बदलने के लिए प्रयासरत है। उद्योग निदेशक मुकुल कुमार गुप्ता ने कहा कि बिहार में निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है।

केवाइपी केंद्रों के अस्तित्व को बचाने के लिए आज नियोजन भवन परिसर में जुटेंगे केंद्र संचालक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कुशल युवा प्रोग्राम के पुराने एवं लंबे समय से संचालित केंद्रों के भविष्य को लेकर केंद्र संचालकों में चिंता बढ़ती जा रही है। केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी, वैशाली के अध्यक्ष डॉ. आनंद रंजन झा ने सभी केवाईपी केंद्र संचालकों एवं सहयोगियों से अपील की है कि वे 20 अगस्त 2026 को सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक नियोजन भवन परिसर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हों। डॉ. झा ने कहा कि यदि वर्तमान केवाईपी केंद्रों के हित में समय रहते प्रभावी आवाज नहीं उठाई गई और पुनः री-टेंडर की प्रक्रिया शुरू होती है तो वर्षों से संचालित पुराने केंद्रों के अस्तित्व पर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने सभी साथियों से एकजुट होकर शांतिपूर्ण एवं प्रभावी प्रदर्शन के माध्यम से अपनी मांगों और अधिकारों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि केवाईपी केंद्रों को बचाने के लिए सभी केंद्र संचालकों की एकजुटता और सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। केवाईपी वेलफेयर सोसाइटी ने केंद्र संचालकों से निर्धारित समय पर नियोजन भवन परिसर पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आहवान किया है।

धनबाद से कोयम्बत्तूर के लिए एक नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर रेलवे द्वारा गोमो-गया-डीडीयू-प्रयागराज छिवकी-जबलपुर-नागपुर-बल्लारशाह-वरंगल-विजयवाड़ा-गुडुर-काटपाडी-जोलारपेट्टै-ईरोड के रास्ते धनबाद और कोयम्बत्तूर के मध्य एक नई अमृत भारत एक्सप्रेस का परिचालन प्रारंभ किया जा रहा है। यह अमृत भारत एक्सप्रेस धनबाद से 22 अगस्त, 2026 से सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को तथा कोयंबत्तूर से 25 अगस्त, 2026 से प्रत्येक मंगलवार को किया जायेगा। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 08, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 11, पेंट्रीकार का 01 तथा एल.एस.एल.आर.डी के 02 कोचों सहित कुल 22 कोच होंगे।

किसानों की आर्थिक मजबूती के लिए कृषि ऋण पर अतिरिक्त एक प्रतिशत ब्याज अनुदान

हर किसान को सुलभ संस्थागत ऋण उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा की उपस्थिति में कृषि भवन, मीठापुर, पटना में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य सरकार द्वारा संचालित कृषि ऋण पर 1% अतिरिक्त ब्याज अनुदान योजना के अंतर्गत कृषि विभाग एवं नाबार्ड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। कृषि विभाग की ओर से कृषि निदेशक मुकेश कुमार लाल तथा नाबार्ड की ओर से उप महाप्रबंधक भोला प्रसाद सिंह के द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। मंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा कृषि ऋण पर पहले से 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त बिहार सरकार द्वारा अपनी राज्य योजना मद से किसानों को 1 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा पांच करोड़ रुपये की राशि उपलब्ध कराई जा रही है। योजना के कार्यान्वयन के लिए नाबार्ड को राज्य एजेंसी नामित किया गया है। कृषि मंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत वाणिज्यिक बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों एवं सहकारी बैंकों से लिए गए 3 लाख तक के फसल ऋण, किसान क्रेडिट कार्ड ऋण एवं अल्पावधि कृषि उत्पादन ऋण पर 1 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान दिया जाएगा। 3 लाख से अधिक के ऋण की स्थिति में भी ब्याज अनुदान का लाभ अधिकतम 3 लाख की ऋण राशि तक ही देय होगा। योजना का लाभ उन्हीं पात्र किसानों को मिलेगा जो निर्धारित अवधि के भीतर अपने ऋण का भुगतान करेंगे। योजना का उद्देश्य किसानों पर कृषि ऋण के ब्याज के बोझ को कम करना तथा उन्हें अधिक से अधिक संस्थागत कृषि ऋण प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि योजना के दायरे में लघु, सीमांत एवं अन्य सभी श्रेणी के किसान शामिल होंगे। सभी प्रकार की फसलों को भी योजना में समान रूप से शामिल किया गया है।

समकालीनता का रोचक आख्यान रचती हैं लेखिका रूबी भूषण : डॉ शिवनारायण

चर्चित लेखिका रूबी भूषण के कहानी-संग्रह 'गंडकी धीरे बहो' का लोकार्पण एवं कथापाठ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। 'गंडकी धीरे बहो' की ग्यारह कहानियों में स्त्री का तेज, परम्परा से संघर्ष का द्वंद्व, मूल्यों से टकराव, आम आदमी का जीवन संघर्ष, मनुष्य की आंतरिक दुष्प्रवृत्तियों से टकराव आदि का जीवंत कथात्मक चित्रण है जो हमें समकाल की परिस्थितियों से कहीं गहरे जोड़ता है। रूबी भूषण सामाजिक संतुलन के साथ समकालीनता का आख्यान रचने में सिद्धहस्त हैं। ये विचार उन लेखकों के हैं जो रूबी भूषण के कहानी संग्रह 'गंडकी धीरे बहो' के लोकार्पण संगोष्ठी को संबोधित करते हुए व्यक्त कर रहे थे। सृजन संगति द्वारा आयोजित लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता प्रसिद्ध लेखक एवं नयी धारा के संपादक डा शिवनारायण ने की जबकि संचालन चर्चित लेखक-पत्रकार एवं शिक्षाविद डा. ध्रुव कुमार ने किया। लोकार्पण करते हुए मुख्य अतिथि बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा ने कहा कि चर्चित लेखिका रूबी भूषण की कहानियां मुझे झकझोर गयीं इनकी कहानियों से समाज का मानस बदलेगा और वो भौतिकता की जगह सामासिक समरसता के लिए प्रेम को ही सर्वोपरि महत्व देंगे। प्रेम ही है जो मनुष्य और समाज को बदलने की क्षमता रखता है। प्रसिद्ध कवि प्रेम किरण ने कहा कि रूबी भूषण की कहानियों में छीजते रिश्तों का दर्द है, जो देश-दुनिया में हो रहे थोथे विकास की परतों को उघारता है। शोध, संघर्ष और संवेदना से बुनी गयी इनकी कहानियों में मनुष्य की गरिमा की इकाई सत्ता को स्थापित किया गया है। लेखक-पत्रकार एवं शिक्षाविद डा ध्रुव कुमार ने कहा कि रूबी भूषण की कहानी नदी संस्कृति से उपजी पीड़ा और संत्रास की सीमाहीन व्यथा कथा बांटते हैं।

बी.डी. कॉलेज में तुलसी जयंती समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बी.डी. कॉलेज के हिन्दी विभाग में बधवार को तुलसी जयंती समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य प्रो. दिवाकर प्रसाद के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत गोस्वामी तुलसीदास के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। विभाग के प्रोफेसर शत्रुघ्न शरण सिंह ने हिन्दी साहित्य में तुलसीदास की कृतियों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी कालजयी रचना 'रामचरितमानस' की लोकप्रियता के कारणों को रेखांकित किया। उन्होंने 'सरसों के कलियां सिया' एवं 'सून-सून हो कृपालु दीनानाथ' गीतों की मधुर प्रस्तुति भी दी। इस अवसर पर हिन्दी विभाग की छात्रा सुरुचि ने गणेश वंदना पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। दीपा कुमारी ने राम विवाह पर नृत्य प्रस्तुत किया। सिमरन और सुरुचि ने श्रीरामचंद्र के पदों से संबंधित स्तुति प्रस्तुत की। पाटलिपुत्र विश्विवद्यालय के शोध छात्र प्रभात कुमार ने तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के अंत में हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. लाड़ली कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सहायक प्राध्यापक डॉ. अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रबंध निदेशक ने सोनपुर में बिल सुधार शिविर, विद्युत उपकेंद्र में स्थापित सौर संयंत्रों का किया निरीक्षण

बिल संबंधी शिकायतों के त्वरित निष्पादन के निर्देश

पीएम सूर्य घर योजना से अधिक उपभोक्ताओं को जोड़ने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना/सोनपुर। नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार (भा. प्र. से.) ने सोनपुर का दौरा कर विद्युत उपभोक्ताओं की सुविधाओं एवं विभागीय कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सोनपुर सब डिविजन में आयोजित बिल सुधार शिविर का निरीक्षण किया। प्रबंध निदेशक ने शिविर में पहुंचे उपभोक्ताओं की शिकायतों एवं बिल संबंधी मामलों की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को उपभोक्ताओं की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिल सुधार से जुड़े मामलों के निपटारे में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और उपभोक्ताओं को बेहतर सेवा उपलब्ध कराई जाए। इसके बाद उन्होंने सोनपुर विद्युत उपकेंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, उपकेंद्र की कार्यप्रणाली एवं उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा उपभोक्ता सेवाओं में निरंतर सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान प्रबंध निदेशक ने विद्युत उपकेंद्र परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। दौरे के क्रम में प्रबंध निदेशक ने पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के परिसरों में स्थापित सौर संयंत्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन तथा अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने पर जोर दिया।

'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' से समाप्त होगी छात्र-छात्राओं की समस्या

शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शी और जवाबदेही तय करने के लिए शुरू हुई पहल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के छात्र-छात्राओं की समस्या का निदान करने के लिए राज्य सरकार ने 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' शुरू किया है। विद्यार्थी इस पोर्टल के माध्यम से अपनी शैक्षणिक समस्या और सुझाव ऑन-लाइन दर्ज करा सकते हैं। परिवाद दर्ज कराने की तिथि से 30 दिनों के अंदर उसका निष्पादन कर लिखित सूचना आवेदक को दी जाएगी। विदित हो कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक आधुनिक, पारदर्शी, जवाबदेह और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। वहीं बिहार के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' शुरू किया है, ताकि विद्यार्थी अपनी और छात्रावास से संबंधित समस्याओं को ऑन-लाइन दर्ज करा सकें। शिकायत दर्ज कराने वाले छात्र-छात्राओं की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। इसके साथ ही हर महीने के चौथे मंगलवार को शिक्षण संस्थानों में 'विद्यार्थी सहयोग शिविर' का आयोजन किया जाएगा जहां छात्र-छात्राएं अपनी-अपनी समस्या और सुझाव रख सकेंगे। विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के माध्यम से छात्र-छात्राएं कभी भी अपनी शिकायतें और सुझाव दर्ज करा सकते हैं। वहीं विद्यार्थी छात्रावास से जुड़ी शिकायतें और सुझाव पोर्टल या टोल-फ्री हेल्पलाइन 1100 पर दर्ज करा सकते हैं। छात्रों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' पर शिकायत दर्ज करने की तिथि से 30 दिनों के अंदर उसका निष्पादन किया जाएगा। उसके बाद आवेदक को उसकी लिखित सूचना दी जाएगी। बताया जाता है कि छात्रों की शिकायतों पर 10 दिनों में कार्रवाई शुरू न होने पर 11वें दिन मुख्यमंत्री कार्यालय से स्वतः नोटिस जारी होगा और अधिकतम 30 दिनों के भीतर हर हाल में समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। इसको लेकर सरकार ने सख्त निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया है। राज्य सरकार ने सभी स्कूलों और छात्रावासों की समस्याओं का निदान करने के लिए 25 अगस्त से विद्यार्थी सहयोग अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है जिससे कि विद्यार्थियों की समस्याओं को सुनी जाए और उनका सुझाव लेकर समस्याओं का निष्पादन किया जा सकें। राज्य सरकार के स्तर से छात्र-छात्राओं के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। इसकी लगातार निगरानी भी की जा रही है, लेकिन उनकी समस्याओं का ससमय निष्पादन नहीं हो रहा था। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने 'विद्यार्थी सहयोग पोर्टल' शुरू की है ताकि विद्यार्थियों की समस्याओं का शीघ्र निष्पादन किया जा सके।

कलश यात्रा के बाद अब योजनाओं की बारी, रविदास समरसता अभियान में अनुसूचित जाति टोलों की होगी मैपिंग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। संत श्री गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर शुरू हुए संत श्री गुरु रविदास समरसता संकल्प अभियान का पहला चरण अब गांव-गांव तक पहुंचने लगा है। 18 अगस्त से शुरू हुई तीन दिवसीय कलश यात्रा के माध्यम से सामाजिक समरसता और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता का संदेश देने के बाद अब अभियान का फोकस अनुसूचित जाति आबादी वाले टोलों की वास्तविक जरूरतों की पहचान और पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर रहेगा। बुधवार को मुंगेर, खगड़िया, शिवहर, सीतामढ़ी, पूर्णिया, कैमूर, भागलपुर, औरंगाबाद, सहरसा, मधेपुरा, नालंदा, सारण, नवादा, भोजपुर समेत कई जिलों में कलश यात्राएं आयोजित की गईं। इन यात्राओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में अभियान के उद्देश्य और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई गई। अब कलश यात्रा के बाद प्रशासनिक स्तर पर अनुसूचित जाति टोलों की मैपिंग और परिवारवार जरूरतों का आकलन अभियान की अगली महत्वपूर्ण कड़ी होगी। 18 से 20 अगस्त तक चलने वाली कलश यात्रा को अभियान के जनजागरूकता चरण के रूप में देखा जा रहा है। इसके बाद चिहिनत अनुसूचित जाति टोलों में यह पता लगाया जाएगा कि कितने परिवार सरकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं और कितने परिवार अभी भी किसी योजना या बुनियादी सुविधा से वंचित हैं। परिवारवार स्तर पर राशन कार्ड, आवास, बिजली, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और रोजगार जैसी सुविधाओं की स्थिति की पहचान की जाएगी। यह भी देखा जाएगा कि किस परिवार को आयुष्मान कार्ड की जरूरत है, कौन आवास योजना से वंचित है, किन युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जा सकता है तथा किन परिवारों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन या अन्य योजनाओं का लाभ मिलना बाकी है। अभियान की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता केवल योजनाओं के प्रचार-प्रसार तक सीमित न रहकर शत-प्रतिशत संतुष्टि का लक्ष्य निर्धारित करना है। अनुसूचित जाति आबादी वाले चिहिनत टोलों में पात्र परिवारों को योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ यह सुनिश्चित करने का प्रयास होगा कि बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी कोई महत्वपूर्ण कमी न रह जाए।

पितृपक्ष मेला-2026 में निर्बाध बिजली आपूर्ति को लेकर विद्युत विभाग की तैयारियां तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला-2026 के सफल एवं सुगम संचालन को लेकर विद्युत विभाग ने निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने की तैयारियां तेज कर दी हैं। मेले के दौरान देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को विद्युत संबंधी परेशानी न हो, इसके लिए विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, गया ग्रामीण की ओर से व्यापक स्तर पर अनुरक्षण एवं विद्युत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, गया ग्रामीण के कार्यपालक अभियंता बिनोद कुमार तैयारियों और अनुरक्षण कार्यों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में अभियंताओं और तकनीकी कर्मियों की टीम विभिन्न विद्युत प्रतिष्ठानों एवं मेला क्षेत्र का नियमित निरीक्षण कर रही है। विभाग की ओर से जर्जर विद्युत तारों, पोल, ट्रांसफॉर्मर, फीडर एवं उपकेंद्रों की जांच कर आवश्यक मरम्मत और रखरखाव का कार्य तेजी से किया जा रहा है। मेला क्षेत्र एवं आसपास के इलाकों में लगातार बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बैकअप और वैकल्पिक व्यवस्था भी तैयार की जा रही है। अभियंताओं और तकनीकी टीमों द्वारा लगातार गश्त एवं निरीक्षण कर संभावित विद्युत समस्याओं की पहचान की जा रही है, ताकि उनका समय पर समाधान किया जा सके। किसी आकस्मिक विद्युत समस्या की स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए भी विभागीय स्तर पर आवश्यक व्यवस्था की जा रही है।

सभी जिलों में दंगा निरोधक दस्ता का गठन

राज्य के सभी जिलों में जिला स्तरीय एंटी रायट फोर्स के गठन का आदेश पुलिस मुख्यालय ने किया जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में किसी तरह के दंगा या हंगामा या उग्र प्रदर्शन को रोकने के लिए जिला स्तर पर दंगा निरोधी दस्ता के गठन का फैसला लिया गया है। पुलिस मुख्यालय के स्तर से जिला एंटी राइट फोर्स (डीएआरएफ) के गठन से संबंधित आदेश जारी कर दिया गया है। इसमें चयनित सभी स्तर के पुलिस कर्मियों का खासतौर से प्रशिक्षण कराया जाएगा। सभी जिलों में गठित इस दस्ता का कार्य विधि-व्यवस्था को स्थापित करने से लेकर संवेदनशील परिस्थितियां, सांप्रदायिक तनाव, हिंसात्मक प्रदर्शन, सड़क जाम, सरकारी संपत्ति पर हमला, भीड़ नियंत्रण समेत ऐसी अन्य आकास्मिक परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए जिला और अनुमंडल स्तर पर इस विशेष दंगा निरोधी दस्ता की तैनाती रहेगी। इस विशेष दंगा निरोधी दस्ता का एक महीने का विशेष प्रशिक्षण प्रत्येक जिले की पुलिस केंद्र में कराया जाएगा। प्रशिक्षण देने के लिए पुलिस निरीक्षक या सार्जेंट मेजर या पुलिस अवर निरीक्षक सार्जेंट या सहायक अवर निरीक्षक का चयन किया जाएगा। सभी चयनित ट्रेनर का टीओटी मेरठ स्थित प्रशिक्षण रैपिड एक्शन फोर्स एकेडमी फॉर पब्लिक ऑर्डर में कराया जाएगा। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये ट्रेनर अपने-अपने जिलों में गठित विशेष प्रशिक्षण जिला दंगा निरोधी दस्ता के लिए चयनित पदाधिकारी एवं सिपाही को देंगे। प्रत्येक तीन महीने पर प्रत्येक प्लाटून का एक सप्ताह का रिफ्रेशर कोर्स पुलिस केंद्र में पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) के नेतृत्व में आयोजित कराया जाएगा। संबंधित जिलों के एसपी या एसएसपी जिला दंगा निरोधी बल के संदर्भ में प्रशिक्षण, साजो-समान, उपकरण, आवासन समेत अन्य की समुचित व्यवस्था करेंगे। इस दंगा निरोधी दस्ता में प्रभारी पदाधिकारी के अतिरिक्त प्रशिक्षित पुलिस पदाधिकारी या कर्मी, प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी, आवश्यकतानुसार चिकित्सा या एंबुलेंस सहायता दल, वीडियोग्राफी करने वाले कर्मी, संचार एवं रिजर्व बल और लाठी दस्ता में ट्रेंड सिपाही शामिल होंगे। इस विशेष दस्ते की प्रत्येक कंपनी में तीन प्लाटून होंगे और प्रत्येक प्लाटून में अश्रु गैस दस्ता, लाठी दस्ता, सशस्त्र बल, चालक, वायरलेस ऑपरेटर समेत कुल 47 कर्मी होंगे। प्रत्येक प्लाटून में दो वाहन (1 बस एवं 1 ट्रक) शामिल होंगे। जिलों के स्तर पर गठित होने वाले दंगा निरोधी दस्ता के प्रभारी पुलिस उपाधीक्षक (रक्षित) होंगे। दस्ता प्रभारी अपने अधीन बल की तैनाती, अनुशासन, संचार, सुरक्षा उपकरणों की उपलब्धता तथा कार्रवाई के अभिलेख के लिए उत्तरदायी होंगे।

CMYK

एसपी रौशन कुमार के तबादले की खबर से जनता में मायूसी

जनता दरबार में फरियादियों ने कहा 'रउरा चल जाईब तो हमरा कौन मदद करी'

मदन कुमार / नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार के तबादले की खबर सामने आने के बाद आम लोगों में मायूसी देखी जा रही है। जनता दरबार में पहुंचे कई फरियादियों ने एसपी के कार्यशैली की सराहना करते हुए भावुक होकर कहा 'रउरा चल जाईब तो हमरा कौन मदद करी।' फरियादियों का कहना था कि एसपी रौशन कुमार आम लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते थे और जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई का निर्देश देते थे। इसी क्रम में बुधवार को एसपी रौशन कुमार द्वारा आयोजित जनता दरबार में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। एसपी ने एक-एक कर लोगों की शिकायतें सुनीं और संबंधित थाना प्रभारियों एवं पुलिस अधिकारियों को त्वरित, निष्पक्ष और नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में सोनू कुमार उर्फ संजीव कुमार, पिता ललन पासवान, निवासी नारायणपुर, थाना अगिआंव बाजार, जिला भोजपुर ने आवेदन देकर कहा कि धर्मपुरा थाना कांड संख्या 99/25, दिनांक 17 नवंबर 2025 में उन्हें गलत तरीके से अभियुक्त बनाया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में 12 जून 2026 को उनके नाम को हटाने के संबंध में एसपी द्वारा कार्रवाई का निर्देश दिया जा चुका है। इसकी जानकारी से संबंधित आवेदन भी उन्होंने एसपी के समक्ष प्रस्तुत किया। फरियादी ने बताया कि उन्होंने सैनिक स्कूल अमरावतीनगर, तमिलनाडु से 10+2 की पढ़ाई की है तथा वर्तमान में स्नातकोत्तर की शिक्षा पूरी कर चुके हैं और बिहार बीएड में नामांकन कराया है। उन्होंने मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की गुहार लगाई। जनता दरबार में पांच दर्जन से अधिक मामलों का निष्पादन किया गया। अन्य फरियादियों की शिकायतों को भी एसपी ने गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। एसपी रौशन कुमार ने कहा कि आम लोगों को न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है। प्रत्येक शिकायत पर निष्पक्षता के साथ कार्रवाई करते हुए समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। जनता दरबार में फरियादियों की भीड़ और उनके बीच एसपी के प्रति दिखी भावनात्मक प्रतिक्रिया ने उनके कार्यकाल के दौरान आम लोगों से बने जुड़ाव को भी सामने रखा।

प्रखंड कार्यालयों में लगेंगे प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के विशेष शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विक्रमगंज (रोहतास)। सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिलाधिकारी रोहतास के निर्देश पर 20, 21 एवं 22 अगस्त को जिले के सभी प्रखंड कार्यालयों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ई. ब्रवीम ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ना और योजना से जुड़ी संपूर्ण जानकारी उनके घर के नजदीक उपलब्ध कराकर आवेदन एवं पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाना है। शिविर में विभागीय अधिकारियों और तकनीकी टीम द्वारा रूफटॉप सोलर पैनल की स्थापना की प्रक्रिया, केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे अनुदान व वित्तीय सहायता, पात्रता की शर्तें, ऑनलाइन आवेदन और पंजीकरण के चरणों के साथ-साथ योजना से मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता घर की छत पर सोलर पैनल लगाकर अपनी बिजली की आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी कर सकते हैं जिससे लंबे समय में बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत होगी। साथ ही स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित होगा। ईई ने बताया कि सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही वित्तीय सहायता से उपभोक्ताओं पर प्रारंभिक आर्थिक बोझ कम होगा जिससे योजना से जुड़ने वाले लोगों की संख्या बढ़ेगी। विद्युत विभाग ने सभी घरेलू उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों को अपने नजदीकी प्रखंड कार्यालय में लगने वाले शिविर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें, योजना की पूरी जानकारी प्राप्त करें और पात्रता के अनुसार आवेदन कर योजना का लाभ उठाएं। ताकि जिले में सौर ऊर्जा को अपनाकर ऊर्ज़ा संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों को तेजी से प्राप्त किया जा सके।

मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन, हथियार बनाते एक गिरफ्तार

छह निर्मित व अर्द्धनिर्मित हथियार समेत हथियार बनाने के उपकरण बरामद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सासाराम। रोहतास जिले के शिवसागर थाना क्षेत्र के डिहरा गांव में पुलिस ने बुधवार को छापेमारी कर एक मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन किया। पुलिस ने मौके से हथियार बनाते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। उसके घर से छह निर्मित एवं अर्धनिर्मित देसी हथियारों के साथ हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। छापेमारी के दौरान एक अन्य व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर मौके से फरार हो गया। एसपी रौशन कुमार ने बुधवार शाम इसकी जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि डिहरा गांव में अवैध रूप से मिनी गन फैक्ट्री संचालित की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद प्रभारी सदर डीएसपी गौरव कुमार के नेतृत्व में शिवसागर थानाध्यक्ष, जिला एसटीएफ और तकनीकी शाखा की टीम गठित कर छापेमारी की गई। पुलिस टीम के मौके पर पहुंचते ही एक व्यक्ति भाग निकला जबकि हथियार बना रहे नागेंद्र शर्मा उर्फ नन्हक शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित के घर की तलाशी के दौरान एक देसी राइफल का बट व बैरल, अर्धनिर्मित देसी कट्टे, लोहे के बैरल समेत कुल छह निर्मित एवं अर्धनिर्मित हथियार बरामद किए गए। इसके अलावा हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाले लोहे के विभिन्न पुर्जे, बट, पिन, ट्रिगर, पिस्टल की बॉडी, मशीन और अन्य उपकरण भी पुलिस ने बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ में गिरफ्तार आरोपित ने कथित तौर पर बताया कि वह कई वर्षों से अवैध हथियार बनाने का काम कर रहा था। तैयार हथियारों को मांग के अनुसार बेचने की बात भी सामने आई है। पुलिस अब इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और हथियारों के संभावित खरीदारों की जानकारी जुटा रही है। फरार आरोपित की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस की ओर से लगातार छापेमारी की जा रही है। मामले में शिवसागर थाना में संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

अकोढ़ीगोला में जनगणना डीसीएचबी कार्यों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। जनगणना विभाग, पटना से पहुंचे रोहतास जिला नोडल पदाधिकारी राधेश्याम कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को अकोढ़ीगोला प्रखंड में जनगणना डीसीएचबी से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जनगणना से जुड़े कार्यों की प्रगति, अभिलेखों और आंकड़ों की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। नोडल पदाधिकारी ने संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरा करने पर जोर दिया। अधिकारियों ने जनगणना से संबंधित सभी कार्यों को समयबद्ध एवं व्यवस्थित तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ. रवि रंजन सहित संबंधित कर्मी मौजूद रहे।

बाइक की ईएमआई के नाम पर 18 हजार की ठगी, प्राथमिकी दर्ज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। डिहरी मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बाइक की ईएमआई बकाया होने का हवाला देकर 18 हजार रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में औरंगाबाद जिले के बारुन थाना क्षेत्र के धुरिया गांव निवासी पवन कुमार ने डिहरी मुफस्सिल थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस के अनुसार पवन कुमार अपनी बाइक (बीआर 26जेड 5843) से आवश्यक कार्य से सासाराम जा रहे थे। इसी दौरान पहलेजा मोड़ के पास आकाश कुमार समेत चार अज्ञात लोगों ने उनकी बाइक रोक ली। आरोप है कि आकाश कुमार ने बाइक पर 48 हजार रुपये की ईएमआई बकाया होने की बात कहते हुए छह हजार रुपये रेपो चार्ज के रूप में तत्काल भुगतान करने को कहा। भुगतान नहीं करने पर बाइक जब्त करने की धमकी दी गई। पवन कुमार द्वारा संबंधित व्यक्ति से एजेंट होने का प्रमाण-पत्र मांगने पर कथित रूप से गाली-गलौज की गई और उसके साथ मौजूद लोगों ने बाइक छीनने का प्रयास किया। इसके बाद उन्होंने 18 हजार रुपये का भुगतान कर दिया। आरोप है कि आकाश कुमार ने अगले दिन राशि की प्राप्ति रसीद भेजने की बात कही, लेकिन अब तक रसीद नहीं दी गई। रसीद मांगने पर कथित रूप से धमकी दी जा रही है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कैमूर प्रशासन ने कलेक्ट्रेट से निकाली कलश यात्रा

संत रविदास की जयंती पर संकल्प अभियान के अंतर्गत कलश यात्रा का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भभुआ। संत रविदास जी की 650 वीं जयंती के पावन अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा कैमूर में बुधवार की शाम भव्य कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा कलेक्ट्रेट से आरंभ हुआ और मेन रोड होते हुए अखलासपुर तक सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कलश यात्रा का शुभारंभ उप विकास आयुक्त सह प्रभारी डीएम दिव्या शक्ति और मोहनियां विधायक संगीता कुमारी के द्वारा सयुंक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया गया। प्रभारी डीएम ने कहा कि इस कलश यात्रा का मुख्य उद्देश्य जिले के सभी अनुसूचित जाति टोलों के सदस्यों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से शत-प्रतिशत आच्छादित कराना है। ताकि सामाजिक समरसता और समावेशी विकास को और मजबूती मिले। उन्होंने यह भी कहा कि यह आयोजन सामाजिक सद्भाव, एकता और विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कलश यात्रा में एडीएम अनिल कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी मुकेश कुमार, वरीय कोषागार पदाधिकारी एनके सिंह, जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी, भभुआ बीडीओ, सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, विकास मित्र तथा अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

पंचायत समिति की बैठक में विभिन्न योजनाओं पर विस्तृत चर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विक्रमगंज/दावथ (रोहतास)। प्रखंड स्तरीय पंचायत समिति के प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुधवार को प्रखंड कार्यालय स्थित मनरेगा भवन में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी दावथ विकास कुमार ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न लाभकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करना तथा पंचायत प्रतिनिधियों से जमीनी स्तर की समस्याओं एवं मांगों को सुनकर उनका समाधान निकालना था। बैठक में प्रखंड के सभी विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे और उन्होंने अपने-अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। विद्युत विभाग के सहायक अभियंता ने सौर ऊर्जा योजना के लाभ और आवेदन प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया, वहीं शिक्षा विभाग के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने दावथ क्षेत्र में मध्य विद्यालय को हाई स्कूल में उत्क्रमित करने की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया और इसके लिए आवश्यक प्रक्रिया पर चर्चा की। पंचायती राज विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए पदाधिकारी ने प्रतिनिधियों से सुझाव मांगे जबकि पुलिस विभाग के अधिकारी ने कांड दर्ज करने की प्रक्रिया, आपसी विवादों के त्वरित निपटारे और कानून व्यवस्था बनाए रखने पर बल दिया। स्वास्थ्य विभाग एवं पशु चिकित्सा पदाधिकारी ने विभिन्न टीकाकरण अभियान, स्वास्थ्य जांच शिविर और पशुओं की बीमारियों की रोकथाम एवं उपचार से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। इसी क्रम में अंचल कार्यालय के राजस्व पदाधिकारी ने भूमि अधिग्रहण, राजस्व वसूली और दाखिल-खारिज से जुड़े मामलों पर विस्तार से चर्चा की और लंबित मामलों को जल्द निपटाने का आश्वासन दिया। बैठक में पंचायत समिति के प्रमुख, उप प्रमुख सहित सभी पंचायतों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं रखीं और योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की मांग की। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे आपसी समन्वय बनाकर योजनाओं को समय पर धरातल पर उतारें ताकि आम जनता को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। बैठक में पंचायती राज पदाधिकारी सहित सभी संबंधित पदाधिकारी और बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एटीएम से फ्रॉड, 23 हजार रुपये निकाले, प्राथमिकी दर्ज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। एटीएम से रुपये निकालने के दौरान फ्रॉड कर 23 हजार रुपये निकालने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार जमुहार गांव निवासी प्रकाश मिश्रा नारायण मेडिकल कालेज के पास पीएनबी एटीएम से दो हजार रुपये निकालने गए थे। पहली बार दो हजार रुपये निकल गए, लेकिन दूसरी बार कार्ड लगाने पर रुपये नहीं निकले। इसी बीच एक अन्य व्यक्ति भी आया और उसका भी कार्ड नहीं निकला। एटीएम पर लगे एक पर्चे पर लिखे हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करने को कहा गया। फोन करने पर उधर से कहा गया कि किसी से कार्ड लेकर रुपये निकलवाएं, लेकिन कार्ड नहीं निकला।

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एमसी-ईएनएचएम-एचडब्ल्यूएच-ओल्डकॉम्प-26, दिनांक: 13.08.2026, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर/पर्यावरण और रखरखाव प्रबंधन एवं एफआरटी), पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा, पश्चिम बंगाल-711101 द्वारा निविदा सं.: **एमसी-ईएनएचएम-एचडब्ल्यूएच-ओल्डकॉम्प-26** के प्रतिपक्ष निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। **कार्य का नाम:** 650 दिनों के लिए परिणाम के आधार पर हावड़ा स्टेशन (ओल्ड कॉम्प्लेक्स) - प्लेटफॉर्म (1-15) और उससे जुड़े क्षेत्रों की यंत्रचालित सफाई, जिसमें रैग पिकिंग, निर्दिष्ट कचरा पेटी में कचरे का उठाया जाना शामिल है। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 6,52,17,789.57, **बयाना राशि:** रु. 4,76,100/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 10,000/-, **बोली प्रणाली :** दो पैकेट। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 12.08.2026 को 20.02 बजे। **समापन अवधि:** 650 दिन। **प्रस्ताव की वैधता :** 90 दिन। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** दिनांक 20.08.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 03.09.2026 को 11.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

HWH-284/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अंतिम सोमवारी पर झारखंडी बाबा धाम में होगा भव्य महोत्सव

वीएचपी-बजरंग दल ने जिला प्रशासन से श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा की व्यवस्था की मांग की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर 24 अगस्त सोमवार को झारखंडी बाबा धाम परिसर में विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल के संयुक्त तत्वावधान में भव्य झारखंडी बाबा धाम महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के दौरान श्रद्धालु बाबा के दर्शन, पूजा-अर्चना एवं जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और शांति की कामना करेंगे। महोत्सव को लेकर वीएचपी और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन को आवेदन देकर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आग्रह किया। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा तथा सुचारू आवागमन के लिए आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है। नगर संयोजक अमर कुमार सिन्हा ने कहा कि झारखंडी बाबा धाम आस्था और सनातन संस्कृति का महत्वपूर्ण केंद्र है। सावन की अंतिम सोमवारी पर बाबा के दर्शन और पूजन का विशेष महत्व है। उन्होंने डिहरी-डालमियानगर सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर महोत्सव में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि महोत्सव शांतिपूर्ण एवं भक्तिमय वातावरण में आयोजित किया जाएगा। श्रद्धालुओं से भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है। इस अवसर पर वीएचपी के प्रांत सह मंत्री विकास कुमार, धर्म प्रसार प्रांत परियोजना प्रमुख अर्जुन प्रसाद केशरी, बजरंग दल के प्रांत सुरक्षा प्रमुख दीपक कुमार जायसवाल, जिला संयोजक चंदन कुमार गुप्ता, डिहरी नगर संयोजक अमर कुमार सिन्हा सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला के गले से सोने की लॉकेट झपटकर बाइक सवार बदमाश फरार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

डिहरी ऑन-सोन। डिहरी नगर थाना क्षेत्र के झारखंडी मंदिर के पास बाइक सवार दो बदमाश 70 वर्षीय महिला के गले से सोने का लॉकेट झपटकर फरार हो गए। घटना के बाद महिला ने शोर मचाकर बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे भागने में सफल रहे। पुलिस के अनुसार ब्लॉक कॉलोनी निवासी लीलावती कुंवर ने डिहरी नगर थाना में दिए आवेदन में बताया कि वह झारखंडी मंदिर के बाहर टहल रही थीं। इसी दौरान बाइक सवार दो अज्ञात युवक उनके पास पहुंचे और गले में पहना करीब 10 ग्राम वजन का सोने का लॉकेट झपटकर फरार हो गए। महिला के अनुसार लॉकेट की कीमत करीब एक लाख रुपये है।

बीईओ कार्यालय और प्रेम नगर स्कूल के सामने जलजमाव

गंदे पानी में होकर गुजरने को मजबूर हैं छात्र-शिक्षक, बीमारियों का खतरा बढ़ा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अकोढ़ी गोला (रोहतास)। प्रखंड क्षेत्र में बीईओ कार्यालय सह बीआरसी और उच्च माध्यमिक विद्यालय तथा खेल मैदान प्रेम नगर जाने वाले मुख्य रास्ते पर जलजमाव की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। लगातार हो रही बारिश और जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण यहां सड़क पर पानी जमा हो गया है। इसी रास्ते से रोजाना सैकड़ों की संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं और शिक्षक विद्यालय आते-जाते हैं। वहीं सुबह में मॉर्निंग वॉक करने वाले लोग एवं अभ्यास करने वाले युवकों को जलजमाव के कारण उन्हें गंदे पानी और कीचड़ से होकर गुजरना पड़ रहा है। इससे न सिर्फ कपड़े और किताबें खराब हो रही हैं, बल्कि गिरकर चोटिल होने का डर भी बना हुआ है। छात्राओं ने बताया कि बारिश होने के बाद रास्ते पर पानी भर जाता है जिसके कारण जूते-चप्पल हाथ में लेकर पानी पार करना पड़ता है। कई बार फिसलकर गिर भी जाते हैं। बीआरसी में ट्रेनिंग, बैठक और अन्य कार्यों के लिए आने वाले शिक्षकों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वाहन लेकर आना मुश्किल हो गया है और पैदल चलना भी खतरे से खाली नहीं है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने चिंता जताई है कि कई दिनों से जमा इस गंदे पानी के कारण डेंगू, मलेरिया, टाइफाइड और चर्म रोग जैसी मौसमी बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ गई है। मच्छरों का प्रकोप भी तेजी से बढ़ रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता सह माले नेता कामता यादव ने प्रशासन से मांग की है कि जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान किया जाए। नाली की सफाई कराकर रास्ते को आवागमन योग्य बनाया जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई बाधित न हो और बीमारियों से बचाव हो सके।

लापता नाबालिग लड़कियां 5 घंटे में बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अकोढीगोला (रोहतास)। जिले के अकोढीगोला थाना क्षेत्र से घर से लापता हुईं 2 नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने महज 5 घंटे के अंदर बरामद कर लिया। साथ ही इस मामले में संलिप्त 2 नाबालिग लड़कों को भी विधि से संघर्षरत बालक के रूप में अभिरक्षा में लिया गया है। यह मामला अकोढीगोला थाना क्षेत्र का है। अकोढीगोला थानाध्यक्ष राकेश गोसाई ने बुधवार को बताया कि बीते रात्रि लगभग 1 बजे थाना क्षेत्र के एक गांव के 2 अभिभावकों ने अपनी नाबालिग पुत्रियों के लापता होने की लिखित सूचना दी। आवेदन में उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 10 बजे उनकी पुत्रियां सिलाई सीखने के लिए अकोढीगोला बाजार गई थीं, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटीं। आवेदन में उन्होंने पुत्रियों की सकुशल बरामदगी और आवश्यक कार्रवाई की मांग की थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने त्वरित अनुसंधान कर दोनों नाबालिग लड़कियों को सासाराम से सकुशल बरामद कर लिया। वहीं इस मामले में संलिप्तता के आरोप में अकोढी गांव से 2 नाबालिग लड़कों को भी अभिरक्षा में लिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि बरामद दोनों नाबालिग लड़कियों और दोनों विधि से संघर्षरत बालकों को नियमानुसार सासाराम स्थित माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। न्यायालय में उनके बयान दर्ज होने के बाद आगे की विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू।

(जिला बाल संरक्षण इकाई) (सामाजिक सुरक्षा कोषांग

Email ID – dcpspalamu2024@gmail.com (Office-06562-299971)

आम सूचना

विज्ञापन संख्या-03 / 2026

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के संकल्प संख्या 912, राँची, दिनांक 22.03.2018 के आलोक में एतद द्वारा यह सूचित किया जा रहा है कि मिशन वात्सल्य बाल संरक्षण सेवाएँ योजना के अन्तर्गत झारखण्ड सरकार द्वारा एक कार्यक्रम के रूप में फोस्टर केयर (पालन-पोषण देख-रेख) संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परिवार से वंचित बच्चों को पारिवारिक वातावरण में उचित देखभाल, स्नेह, अपनापन, पहचान एवं भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करना है। यह एक अस्थायी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत ऐसे बच्चों जिन्हें देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता है। और जिनकी आयु 06-18 वर्ष हो और जिनके माता-पिता नहीं है या होते हुए किसी कारणवश उनकी देखभाल करने में सक्षम नहीं है, या ऐसे बच्चे जिन्हें दत्तक ग्रहण (गोद लेने) में नहीं भेजा जा सकता। ऐसे बच्चों को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक किसी अन्य परिवार में पालन-पोषण हेतु रखा जाता है।

पालक परिवार की पात्रता:-

1. पति-पत्नी दोनों का भारतीय नागरिक होना।
2. पति-पत्नी दोनों का बच्चे की पालन-पोषण देख-रेख प्रदान करने के लिए इच्छुक होना।
3. पति-पत्नी दोनों का आयु 35 वर्ष से अधिक होना तथा उनका शारीरिक, भावनात्मक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना।
4. आमतौर पर पालन-पोषण देख-रेख प्रदान करने वाले परिवार की कोई आय होनी चाहिए, जिससे वो बच्चे की जरूरतों को पूना करने में सक्षम हों।
5. किसी प्रकार का आपराधिक रिकॉर्ड न हो एवं किसी भी प्रकार के बाल अधिकार उल्लंघन में संलिप्त न हों।
6. उपयुक्त जगह एवं आधारभूत सुविधाऐं होनी चाहिए।

बच्चों की पत्रता:- देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे

1. जो 06 से 18 वर्ष आयु वर्ग के हों।
2. जिनके माता-पिता नहीं है।
3. या जिनके माता-पिता उनकी समुचित देखभाल करने में असमर्थ है।

आवेदन :- फोस्टर केयर योजना के अन्तर्गत आवेदन जिला बाल संरक्षण इकाई, पलामू (निचला तल्ला, पुराना आयुक्त कार्यालय) में जमा किया जा सकता है।

जनसंपर्क :- 9507657679, 9471565002, 9199629611

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, पलामू।

PR 387906 District(26-27)D

कार्यालय, उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, पलामू।

(जिला बाल संरक्षण इकाई) (सामाजिक सुरक्षा कोषांग

Email ID – dcpspalamu2024@gmail.com (Office-06562-299971)

आम सूचना

विज्ञापन संख्या-03 / 2026

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग के संकल्प संख्या 912, राँची, दिनांक 22.03.2018 के आलोक में एतद द्वारा यह सूचित किया जा रहा है कि मिशन वात्सल्य बाल संरक्षण सेवाएँ योजना के अन्तर्गत झारखण्ड सरकार द्वारा एक कार्यक्रम के रूप में फोस्टर केयर (पालन-पोषण देख-रेख) संचालित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परिवार से वंचित बच्चों को पारिवारिक वातावरण में उचित देखभाल, स्नेह, अपनापन, पहचान एवं भावनात्मक सुरक्षा प्रदान करना है। यह एक अस्थायी व्यवस्था है जिसके अन्तर्गत ऐसे बच्चों जिन्हें देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता है। और जिनकी आयु 06-18 वर्ष हो और जिनके माता-पिता नहीं है या होते हुए किसी कारणवश उनकी देखभाल करने में सक्षम नहीं है, या ऐसे बच्चे जिन्हें दत्तक ग्रहण (गोद लेने) में नहीं भेजा जा सकता। ऐसे बच्चों को 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक किसी अन्य परिवार में पालन-पोषण हेतु रखा जाता है।

पालक परिवार की पात्रता:-

1. पति-पत्नी दोनों का भारतीय नागरिक होना।
2. पति-पत्नी दोनों का बच्चे की पालन-पोषण देख-रेख प्रदान करने के लिए इच्छुक होना।
3. पति-पत्नी दोनों का आयु 35 वर्ष से अधिक होना तथा उनका शारीरिक, भावनात्मक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ होना।
4. आमतौर पर पालन-पोषण देख-रेख प्रदान करने वाले परिवार की कोई आय होनी चाहिए, जिससे वो बच्चे की जरूरतों को पूना करने में सक्षम हों।
5. किसी प्रकार का आपराधिक रिकॉर्ड न हो एवं किसी भी प्रकार के बाल अधिकार उल्लंघन में संलिप्त न हों।
6. उपयुक्त जगह एवं आधारभूत सुविधाऐं होनी चाहिए।

बच्चों की पत्रता:- देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे

1. जो 06 से 18 वर्ष आयु वर्ग के हों।
2. जिनके माता-पिता नहीं है।
3. या जिनके माता-पिता उनकी समुचित देखभाल करने में असमर्थ है।

आवेदन :- फोस्टर केयर योजना के अन्तर्गत आवेदन जिला बाल संरक्षण इकाई, पलामू (निचला तल्ला, पुराना आयुक्त कार्यालय) में जमा किया जा सकता है।

जनसंपर्क :- 9507657679, 9471565002, 9199629611

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, पलामू।

PR 387906 District(26-27)D

डीएम ने अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न योजनाओं की ली जानकारी

50,193 के लक्ष्य के विरुद्ध 55,453 राशन कार्ड आवेदन हुए जमा, 406 कार्ड बने

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बुधवार को टीबी मुक्त भारत अभियान, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी), प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, राजस्व महा-अभियान, डिग्री कॉलेज एवं राशन कार्ड निर्माण समेत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा में बताया गया कि नालंदा जिले में अब तक 7,30,979 लोगों की टीबी स्क्रीनिंग की जा चुकी है। जिला पदाधिकारी ने शेष लक्षित आबादी तक स्क्रीनिंग पहुंचाने और संभावित मरीजों की समय पर पहचान कर उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। राशन कार्ड निर्माण की समीक्षा में बताया गया कि जिले को 50,193 का लक्ष्य मिला था, जबकि इसके विरुद्ध 55,453 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 24,299 आवेदन यानी 43.82 प्रतिशत स्मार्ट पीडीएस पोर्टल पर अपलोड किए जा चुके हैं और अब तक 406 नए राशन कार्ड बनाए गए हैं। कतरीसराय प्रखंड में सभी आवेदनों की शत-प्रतिशत अपलोडिंग पूरी कर ली गई है। डीएम ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को अपलोडिंग कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत पंचायत स्तर तक जागरूकता अभियान चलाकर अधिक से अधिक पात्र परिवारों को लाभ दिलाने को कहा गया। वहीं, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं अन्य परियोजनाओं के लिए उपयुक्त सरकारी भूमि की पहचान और सत्यापन जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया।राजस्व महा-अभियान तथा डिग्री कॉलेज से संबंधित कार्यों की भी समीक्षा हुई। डीएम ने सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय से निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूरा करने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का निर्देश दिया।

प्राकृतिक खेती की संभावनाएं तलाशने पहुंचा सीआरआइएसपी और आरबीएसएस का दल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नगरनौसा। प्रखंड में जीविका से जुड़ी सामुदायिक संस्थाओं के माध्यम से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की संभावनाओं का आकलन करने के लिए सीआरआईएसपी (सेंटर फॉर रिसर्च ऑन इनोवेशन एंड साइंस पॉलिसी) एवं आरबीएसएस (रयथु साधना समिधा), आंध्र प्रदेश की टीम ने बुधवार को नगरनौसा क्षेत्र का भ्रमण किया। इस दौरान अधिकारियों ने जीविका दीदियों और स्थानीय किसानों से संवाद कर क्षेत्र में अपनाई जा रही कृषि पद्धतियों, किसानों की समस्याओं तथा प्राकृतिक खेती की संभावनाओं की जानकारी ली। भ्रमण के दौरान नगरनौसा के प्रखंड परियोजना प्रबंधक अजय कुमार ने टीम का स्वागत किया। उन्होंने जीविका की ओर से संचालित विभिन्न गतिविधियों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नगरनौसा प्रखंड में जीविका दीदियों के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों और ग्राम संगठनों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।बीपीएम ने कहा कि राज्य के दो प्रखंडों, नगरनौसा और पूसा में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की पहल की जानी है। रासायनिक खाद एवं अन्य बाहरी इनपुट पर निर्भरता कम कर पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य के अनुकूल कृषि पद्धति अपनाने की ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं हैं।

जीविका की सामुदायिक संस्थाएं इस बदलाव को गांव-गांव तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। सीआरआईएसपी एवं आरबीएसएस के अधिकारियों ने जीविका के सामुदायिक नेटवर्क और स्थानीय प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि किसानों और जीविका दीदियों की सक्रिय भागीदारी से नगरनौसा में प्राकृतिक खेती का प्रभावी मॉडल विकसित किया जा सकता है। इससे खेती की लागत कम करने और किसानों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।इस अवसर पर हेड नेशनल रिसोर्स ऑर्गेनाइजेशन के कृष्ण राव, ह्यूनयं, तरुण आदित्य, जीविका के क्षेत्रीय व सामुदायिक समन्वयक, कर्मी, जीविका दीदियां एवं बड़ी संख्या में प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

एक नजर

मनरेगा व लघु सिंचाई योजनाओं की जांच की मांग

नगरनौसा। काछियावां पंचायत में मनरेगा एवं लघु सिंचाई विभाग से संबंधित संचालित और पूर्ण कराई गई योजनाओं को लेकर सवाल उठने लगे हैं। काछियावां गांव निवासी जवाहर प्रसाद ने सहयोग शिविर में आवेदन देकर पंचायत क्षेत्र में मनरेगा एवं लघु सिंचाई विभाग से कराई गई विभिन्न योजनाओं की जांच कराने की मांग की है।आवेदन में उन्होंने संबंधित योजनाओं की स्थलीय जांच, कार्य की गुणवत्ता, योजना की वास्तविक स्थिति तथा खर्च की गई राशि की निष्पक्ष तरीके से जांच कराने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि योजनाओं की जांच होने से यह स्पष्ट हो सकेगा कि सरकारी राशि का उपयोग निर्धारित मानकों और उद्देश्य के अनुरूप हुआ है या नहीं।जवाहर प्रसाद ने संबंधित अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर तथ्यों को सार्वजनिक करने और अनियमितता पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करने की मांग की है।

मध्याह्न भोजन खाने के बाद छात्र बीमार, दूसरे दिन भी बवाल

बिहारशरीफ। नूरसराय प्रखंड के मध्य विद्यालय परासी में मध्याह्न भोजन खाने के बाद 40 से अधिक बच्चों के बीमार पड़ने का मामला दूसरे दिन बुधवार को भी गरमाया रहा। आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कूल परिसर में जमकर हंगामा करते हुए दोषी शिक्षकों और रसोइया के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सूचना पर नूरसराय पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाकर मामला शांत कराया। बीमार बच्चों की हालत अब ठीक बताई जा रही है।मामले में रसोइया शारदा देवी ने सफाई देते हुए कहा कि वह करीब 20 वर्षों से स्कूल में खाना बना रही है। मंगलवार को दो पंक्तियों के बच्चों को भोजन परोसने के बाद वह सब्जी लेने चली गई। इसी दौरान कुछ बच्चों ने नमक मांगा। उसने हमेशा की तरह नमक के डिब्बे से नमक निकालकर दिया। रसोइया का कहना है कि उसे जानकारी नहीं थी कि डिब्बे में नमक के साथ किसी ने कपड़े धोने वाला सर्फ मिला दिया है। उसने बताया कि उसके साथ पोते-पोतियां भी इसी स्कूल में पढ़ते हैं और घटना में उसकी पोतियां भी बीमार हुई थीं।वहीं, आठवीं कक्षा के छात्रों धनराज कुमार और पीयूष कुमार ने स्कूल में पुराने और नए प्रधानाध्यापक के बीच विवाद की बात कही। ग्रामीणों ने भी आरोप लगाया कि बाहर से आया भोजन ठीक था, गड़बड़ी नमक के डिब्बे में हुई। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। प्रशासन अब जांच कर रहा है कि नमक में सर्फ कैसे और किसने मिलाया।

आधा दर्जन से अधिक घरों में चोरी का खुलासा, चार गिरफ्तार

बिहारशरीफ। हरनौत थाना क्षेत्र में पिछले दो-तीन महीनों के दौरान हुई आधा दर्जन से अधिक गृहभेदन की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर चोरी का लैपटॉप, आइफोन मोबाइल, सोने-चांदी जैसे आभूषण और छह हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। वहीं, गिरोह में शामिल दो अन्य आरोपित फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि नियामतपुर, माधोपुर सबनहुआ, अंबेदकर नगर और सेंट्रल बैंक के पीछे समेत अन्य इलाकों में रात के समय घरों में घुसकर चोरी की घटनाएं हुई थीं। मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटनाओं के उद्भेदन के लिए सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्य और सूचना संकलन के आधार पर कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को पकड़ा।गिरफ्तार आरोपितों में नियामतपुर निवासी जितु बिंद का पुत्र कुंदन कुमार उर्फ कुंदन राज, नियामतपुर का 17 वर्षीय विधि-विरुद्ध बालक, माधोपुर सबनहुआ का 16 वर्षीय विधि-विरुद्ध बालक तथा सबनहुआडीह निवासी दिलीप पासवान का पुत्र गोलू कुमार शामिल हैं। पुलिस ने डेल कंपनी का लैपटॉप, आईफोन, सोने जैसा मंगलसूत्र लॉकेट, कान के दो टॉप, चांदी जैसी पायल व बिछिया की एक-एक जोड़ी तथा छह हजार रुपये बरामद किए हैं।

डीएम ने जन-सुनवाई में 21 फरियादियों की समस्याएं सुनीं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। जिलाधिकारी उदिता सिंह ने बुधवार को आयोजित जन-सुनवाई में जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे 21 फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक आवेदक की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित मामलों की वस्तुस्थिति की जानकारी ली और त्वरित, निष्पक्ष एवं नियमानुसार कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की।जन-सुनवाई में स्वास्थ्य विभाग में परिचारी के पुनर्नियोजन, फर्जी वंशावली रद्द करने, अनुपस्थिति से संबंधित जांच तथा भूमि के रजिस्टर्ड बंटवारे, राजस्व अभिलेख, कब्जे और दर्ज रकबे की नए सिरे से निष्पक्ष जांच से जुड़े मामले सामने आए। इन मामलों में आवश्यक कार्रवाई के लिए अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, नालंदा को निर्देश दिया गया। वहीं, विद्युत बिल में सुधार से संबंधित शिकायत के त्वरित निष्पादन के लिए कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, बिहारशरीफ ग्रामीण को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन-शिकायतों के निष्पादन में पारदर्शिता, निष्पक्षता, संवेदनशीलता और जवाबदेही का विशेष ध्यान रखें। प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करते हुए आवेदक को की गई कार्रवाई एवं उसके परिणाम से अवगत कराने को कहा। उन्होंने कहा कि जन-सुनवाई में प्राप्त शिकायतों को औपचारिकता नहीं माना जाए, बल्कि समस्याओं के स्थायी और प्रभावी समाधान की दिशा में कार्रवाई की जाए। इससे आमजनों का प्रशासन के प्रति विश्वास और मजबूत होगा।

नहरों में पानी की स्थिति का सांसद ने लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। नालंदा के किसानों को पटवन की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से सांसद कौशलेंद्र कुमार ने बुधवार को उदेरा स्थान बराज का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता, अभियंताओं एवं अन्य पदाधिकारियों के साथ बराज से निकलने वाली विभिन्न नहरों में पानी की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद बराज कार्यालय में सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर नहरों से जुड़ी समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। सांसद ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों के खेतों तक सुगमता से नहर का पानी पहुंचाया जाए, ताकि वे सिंचाई के लिए इसका समुचित उपयोग कर सकें।सांसद ने कहा कि नालंदा के पश्चिमी क्षेत्र में उदेरा स्थान बराज से निकलने वाली नहरें किसानों के लिए सिंचाई का महत्वपूर्ण जलस्रोत हैं। जिले में इस वर्ष कम बारिश को देखते हुए

नहर का पानी किसानों के लिए काफी उपयोगी है। उन्होंने इस्लामपुर-औंगारीधाम नहर में पानी पहुंचने में आ रही बाधाओं को दूर करने तथा तेल्हाड़ा नहर में पर्याप्त पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।हिलसा एवं करायपरसुराय प्रखंडों में अत्यधिक पानी के कारण बाढ़ की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए भी आवश्यक कदम उठाने को कहा। सांसद ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता और कर्तव्य है।मौके पर जदयू नेता वीरेंद्र प्रसाद, संजय साहू, अजय चंद्रवंशी, कुमार मंगलम, अमित कुमार अधिवक्ता, विजय प्रसाद सहित कई लोग एवं सिंचाई विभाग के अधिकारी-कर्मी मौजूद थे।

स्टेट हाइवे किनारे मवेशी खा गए हरियाली, विभागों के पास जिंदा पेड़ों का हिसाब नहीं

बिहटा-सरमेरा समेत तीन प्रमुख एसएच मार्गों पर बिना गैबियन के लगाए गए पौधे, 40 फीसदी से अधिक सूखे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। जिले से गुजरने वाले स्टेट हाईवे के किनारे हरियाली बढ़ाने का विभागीय दावा जमीनी हकीकत में कमजोर नजर आ रहा है। बिहटा-सरमेरा एसएच-78, जहानाबाद-पार्वती एसएच-71और एकंगरसराय-दनियावां एसएच-04 मार्ग के किनारे कई हिस्सों में पेड़ों की भारी कमी है। मीलों तक सड़क किनारे वीरानगी दिखाई देती है।बिहटा-सरमेरा मार्ग पर पौधारोपण जरूर किया गया, लेकिन सुरक्षा के लिए गैबियन नहीं लगाए जाने के कारण सैकड़ों पौधे लावारिस मवेशियों का चारा बन गए। हालांकि, कुछ स्थानों पर स्थानीय लोगों की पहल से लगाए गए पौधे अब पेड़ का रूप ले चुके हैं।वन विभाग और मनरेगा की ओर से हर साल चार से पांच लाख पौधे लगाने का दावा किया जाता है। बावजूद इसके एसएच किनारे कितने पौधे लगाए गए और उनमें से कितने जीवित हैं, इसका स्पष्ट लेखा-जोखा सामने नहीं है। नियमित सिंचाई और देखभाल के अभाव में 40 फीसदी से अधिक पौधों के सूखने की बात भी सामने आ रही है।जानकारों का कहना है कि पौधारोपण के साथ सुरक्षा, सिंचाई और नियमित निगरानी जरूरी है। यदि लगाए गए पौधों की सही तरीके से देखभाल हो तो जिले के हरित क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। पर्यावरणविदों के अनुसार पेड़ कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ऑक्सीजन उपलब्ध कराने के साथ तापमान संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में बड़े पेड़ों के साथ कम पानी में पनपने वाली झाड़ियों और फूलदार पौधों का भी बड़े पैमाने पर रोपण जरूरी है। पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकारी प्रयासों के साथ आम लोगों की भागीदारी भी आवश्यक है।

नवादा

जहल प्रसाद की दसवीं पुण्यतिथि पर 250 से अधिक पौधों का रोपण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिला परिषद के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय जेहल प्रसाद की दसवीं पुण्यतिथि बुधवार को उनके पैतृक आवास पथरा इंग्लिश ग्राम में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके परिजनों, शुभचिंतकों एवं जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने स्वर्गीय जेहल प्रसाद की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया। स्वर्गीय जेहल प्रसाद के पुत्र एवं पूर्व श्रम राज्यमंत्री राजबल्लभ प्रसाद ने अपने पिता की आदमकद प्रतिमा पर माला एवं फूल चढ़ाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 250 से

अधिक पौधों का रोपण भी किया गया। पूर्व श्रम राज्यमंत्री राजबल्लभ प्रसाद की पत्नी एवं नवादा की विधायक विभा देवी ने अपने परिजनों के साथ कार्यक्रम में पहुंचकर स्वर्गीय जेहल प्रसाद को श्रद्धांजलि दी। वहीं, उनके पौत्र एवं एमएलसी अशोक यादव ने भी अपने परिजनों के साथ आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दादा जेहल प्रसाद को नमन किया। कार्यक्रम में स्नेहल राय, एकलव्य प्रसाद, जेहल प्रसाद डिग्री कॉलेज के दशरथ प्रसाद यादव, मथुरा यादव, नंदकिशोर बाजपेयी, पूर्व मुखिया अरविंद मिश्रा, अनिल प्रसाद सिंह, बृजेंद्र कुशवाहा, रविंद्र यादव, अजय महतो , उमेश हरि , सोनू सिन्हा, कुंदन राय सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धांजलि के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। समाहरणालय सभागार में जिलाधिकारी रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तृत समीक्षा हुई। बैठक में डीएम ने लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति और लंबित कार्यों का जायजा लेते हुए अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण में कमी पर डीएम ने कड़ा रुख अपनाया। हिसुआ और पकरीबरावां में धीमी प्रगति पर डीपीओ (आईसीडीएस) व सीडीपीओ को नियमित निगरानी के निर्देश मिले। कन्या उत्थान योजना में पिछड़ रहे रजौली, सिरदला, रोह और नवादा प्रखंडों को तत्काल प्रपत्र संकलित कर पोर्टल

पर एंट्री कराने को कहा गया। मातृ वंदना योजना में शत-प्रतिशत निबंधन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। भवन निर्माण की समीक्षा में बताया गया कि स्वीकृत 23 केंद्रों में से 12 पर कार्य जारी है, जबकि शेष के लिए भूमि सीमांकन का आदेश दिया गया। परवरिश योजना के तहत नारदीगंज, मेसकौर, काशीचक, कौआकोल, सिरदला व गोविंदपुर में विशेष सर्वेक्षण कर पात्र बच्चों के आवेदन सृजित करने के निर्देश सहायक निदेशक रीतेश कुमार को दिए गए। साथ ही कुष्ठ कल्याण योजना के लाभुकों को भी संबल योजना से जोड़ने तथा पर्यवेक्षण गृह में विज्ञान शिक्षक की प्रतिनियुक्ति कराने को कहा गया। बैठक में डीडीसी, सहायक समाहर्ता सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

दो पक्षों के बीच विवाद, चलीं गोलियां

नारदीगंज,नवादा। नारदीगंज बाजार में दो पक्षों के बीच हुए विवाद में गोलियां चली, हालांकि इस घटना में किसी को गोली नहीं लगी। नारदीगंज बाजार मेन रोड में फलमंडी के समीप बदमाशों ने घटना का अंजाम दिया। गोली चलते ही आसपास अफरा तफरी मच गई। दिन दहाड़े इस तरह की घटना मेन रोड पर होने से लोग दशहत के साये में हैं। घटना की सूचना पर थानाध्यक्ष राजेश कुमार, एसआई दिनेश कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे, तबतक हमलावर सभी भाग गए। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया घटनास्थल पर से स्थानीय लोगों ने एक जिंदा कारतूस पुलिस को सुपुर्द किया। वही दूसरी गोली फंस जाने की बात कही गई है। उन्होंने कहा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और मामले की तहकीकात की जा रही है। घटना के पीछे मोबाइल छीनने का विवाद बताया जा रहा है। यह विवाद बिक्कू निवासी प्रशांत कुमार और पंडपा निवासी आयुष कुमार के बीच हुआ है। इस मामले में पंडपा निवासी अरविन्द सिंह के पुत्र आयुष कुमार के लिखित शिकायत दर्ज की गई है। जिसमे बिक्कू निवासी प्रशांत कुमार समेत पांच नामजद और 15 अज्ञात व्यक्ति पर मामला दर्ज कराई है। कहा है कि प्रशांत कुमार ने गोली चलाया है। बाल बाल बच गए हैं। पुलिस मामले के हर बिंदु की जांच कर रही है। आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

संत रविदास की 650वीं जयंती पर निकली समरसता संकल्प कलश यात्रा

कौआकोल। संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को कौआकोल प्रखंड मुख्यालय से समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा को बीडीओ डॉ. अखिलेश कुमार, बीसीओ सह प्रभारी बीइओ अजित कुमार एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा के जिलाध्यक्ष विनय कुशवाहा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कलश यात्रा प्रखंड कार्यालय परिसर से शुरू होकर कौआकोल जेपी चौक पहुंची,जहां से पुनः वापस प्रखंड मुख्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान संत गुरु रविदास के विचारों, सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विकास मित्र जितेंद्र मांझी, चमेली कुमारी, ललिता, शकुंतला, राधा, ललन, रिंकू सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सामाजिक समरसता एवं संत रविदास जी के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

संत शिरोमणि रविदास की जयंती पर कलश यात्रा

नवादा। संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर समरसता संकल्प अभियान के तहत नवादा सदर प्रखंड के अनुसूचित जाति टोलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम के माध्यम से गुरु रविदास के विचारों एवं उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। इसी क्रम मे नवादा सदर प्रखंड क्षेत्र में कलश यात्रा का आयोजन किया गया। उप विकास आयुक्त नीलिमा साहू ने कलश यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कलश यात्रा साहब कोठी से प्रारंभ होकर भगत सिंह चौक तक निकाली गई। संत रविदास ने अपने विचारों एवं संदेशों के माध्यम से समाज में समानता, मानवता और सामाजिक एकता की भावना को प्रबल किया। उनकी 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता संकल्प अभियान का उद्देश्य उनके आदर्शों एवं विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचाना है।

संत रविदास की निकली कलश यात्रा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। सदर प्रखंड कार्यालय द्वारा संत रविदास के समरसता संकल्प अभियान के तहत बुधवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान संत रविदास जी के सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कलश यात्रा में सदर प्रखंड के बीडीओ दुनिया लाल यादव, कल्याण पदाधिकारी प्रतिमा सहित प्रखंड के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। वहीं बीस सूत्री उपाध्यक्ष शिवरानी केशरी एवं सदस्य राहुल सिन्हा ने भी यात्रा में सहभागिता निभाई।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने अपने विचारों और संदेशों के माध्यम से समाज में समानता, प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव की भावना को मजबूत करने का कार्य किया। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। कलश यात्रा के माध्यम से लोगों को सामाजिक भेदभाव

से ऊपर उठकर एकजुटता एवं समरसता के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया गया।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। लोगों ने संत रविदास जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने तथा समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लिया।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की जय!

सामाजिक समरसता—हमारा संकल्प, हमारा दायित्व।

स्टूडियो श्याम में केक काटकर मनाया गया विश्व फोटोग्राफी दिवस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। विश्व फोटोग्राफी दिवस पर बिहार फोटोग्राफर्स एसोसिएशन, नवादा द्वारा स्टूडियो श्याम में बुधवार को हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान केक काटकर एवं एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर विश्व फोटोग्राफी दिवस की खुशियां मनाई गईं। उपस्थित फोटोग्राफरों ने एक-दूसरे को दिवस की शुभकामनाएं देते हुए फोटोग्राफी के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष नवीन कुमार, उपाध्यक्ष नवीन निश्चल, सचिव रविशंकर कुमार, जॉइन्ट सचिव प्रिंस कुमार, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, मीडिया प्रभारी सौरव कुमार एवं संरक्षक रौशन कुमार दुबे उपस्थित रहे। वहीं कोर कमिटी के सम्मानित सदस्य मुकेश कुमार, शिवशंकर पाण्डेय, आशीष कुमार, राहुल कुमार, अभिषेक कुमार, नीतीश कुमार, विक्की कुमार एवं विकास कुमार ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

नवादा में केक काटकर मनाया गया विश्व फोटोग्राफी दिवस

नवादा। विश्व फोटोग्राफी दिवस के अवसर पर बुधवार को नवादा के ओ0 डी 0 फिल्म्स , लाइनपार मिर्जापुर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नवादा के कई फोटोग्राफर और फोटोग्राफी से जुड़े लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में केक काटकर विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया गया। इस मौके पर फोटोग्राफरों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और फोटोग्राफी के क्षेत्र में बेहतर काम करने का संकल्प लिया। बता दें कि हर साल 19 अगस्त को विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है। 19 अगस्त 1839 को फ्रांस की सरकार ने डागेरियोटाइप फोटोग्राफी प्रक्रिया को दुनिया के सामने सार्वजनिक किया था। इसी ऐतिहासिक अवसर की याद में 19 अगस्त को फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है। फोटोग्राफी सिर्फ तस्वीर खींचने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह यादों, इतिहास, संस्कृति और समाज के महत्वपूर्ण पलों को सुरक्षित रखने का जरिया भी है। इस अवसर पर नवादा के कई फोटोग्राफर मौजूद रहे। कार्यक्रम में शामिल फोटोग्राफरों के नाम दीपक कुमार दीपू, विशाल राज, रिशु बरनावल, सनी कुमार, दीपक कुमार, तौहीद,दानिश, राजेंद्र, सूरज, आनंद, कौशल शामिल थे |

गाजर घास के दुष्प्रभावों से किसानों को किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कौआकोल। कृषि विज्ञान केंद्र, ग्राम निर्माण मंडल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा के प्रांगण में 16 से 22 अगस्त 2026 तक 'गाजर घास (पार्थेनियम) जागरूकता सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान किसानों एवं आम जनमानस को गाजर घास से होने वाले दुष्प्रभावों तथा इसके प्रभावी नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने बताया कि गाजर घास एक अत्यंत हानिकारक खरपतवार है,जो फसलों की पैदावार को प्रभावित करने के साथ-साथ मानव एवं पशु स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदायक है। इसके संपर्क में आने से त्वचा रोग, एलर्जी और दमा जैसी स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी कि गाजर घास को फूल आने से पहले ही उखाड़कर नष्ट कर दें,ताकि इसके बीजों के फैलाव को रोका जा सके। साथ ही इसके जैविक एवं रासायनिक नियंत्रण के उपायों की जानकारी देते हुए गाजर घास के उचित व्यावसायिक उपयोग, जैसे जैविक खाद निर्माण, को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। जागरूकता सप्ताह के तहत किसानों एवं आम लोगों के बीच अभियान चलाकर गाजर घास के दुष्प्रभावों और इसके नियंत्रण के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक डॉ. जयवंत कुमार सिंह, रविकांत चौबे, अंगद कुमार, शशांक शेखर सिंह सहित अन्य वैज्ञानिक, विषय वस्तु विशेषज्ञ एवं क्षेत्र के प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

पितृपक्ष मेला की तैयारियों को लेकर डीएम ने वैतरणी, ब्रह्मसत और अक्षयवट वेदी स्थलों का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। पितृपक्ष मेला-2026 की तैयारियों को लेकर जिला पदाधिकारी गया शशांक शुभंकर ने बुधवार को वैतरणी तालाब, ब्रह्मसत वेदी स्थल एवं अक्षयवट वेदी स्थल का निरीक्षण किया। इस वर्ष पितृपक्ष मेला 25 सितंबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित होगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता एवं मूलभूत सुविधाओं को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। वैतरणी तालाब के निरीक्षण में तालाब का पानी काफी गहरा पाया गया। डीएम ने लगभग तीन फीट पानी के बाद चारों ओर बैरिकेडिंग कराने और उसके ऊपर लाल झंडे लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने सीढ़ियों पर जमी काई को सफाई, पानी की स्वच्छता, टूटे टाइल्स की मरम्मत, चेंजिंग रूम व पेयजल की व्यवस्था कराने को कहा। खराब लाइटों को दुरुस्त कराने तथा घाट के खाली स्थानों पर टेंट-पंडाल लगाने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त को सभी घाटों पर नियमित और बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने को कहा। ब्रह्मसत वेदी स्थल पर डीएम ने बंद पड़े लाइट एंड साउंड प्रोजेक्ट को शीघ्र चालू कराने का निर्देश दिया, ताकि मेले में गया जी की धार्मिक-ऐतिहासिक महत्ता, पिंडदान एवं भगवान विष्णु से संबंधित कथाओं का प्रसारण हो सके। संवास सदन में पर्याप्त रोशनी, बिजली, पानी, शौचालय व पेयजल की व्यवस्था तथा वेदी स्थलों के समीप नालों के टूटे ढक्कनों की मरम्मत कराने को कहा। जलजमाव वाले स्थानों पर आवश्यक कार्रवाई कर रास्ते सुगम बनाने का निर्देश दिया। अक्षयवट वेदी स्थल पर उन्होंने आवागमन के रास्तों को समतल कराने, नालियों के टूटे ढक्कनों की मरम्मत, रंगाई-पुताई एवं शौचालयों की सफाई कराने को कहा। रुक्मिणी तालाब की गाद हटाने, पानी की स्वच्छता और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने तथा श्रद्धालुओं के लिए टेंट-पंडाल लगाने का निर्देश दिया। संवास सदन में साफ-सफाई, पेयजल, निर्बाध बिजली, लाइट और पंखे सहित सभी सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा। डीएम ने सभी विभागों को आपसी समन्वय से समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सीमा पर नक्सलियों की गतिविधियों को लेकर बिहार-झारखंड पुलिस अलर्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डुमरिया। बिहार-झारखंड के सीमावर्ती जंगलों में नक्सली गतिविधियों की आशंका को लेकर दोनों राज्यों की पुलिस ने सुरक्षा रणनीति को मजबूत करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में पलामू के छतरपुर एसडीपीओ कार्यालय में अंतरराज्यीय समन्वय बैठक हुई। बैठक में इमामगंज एसडीपीओ अब्दुल रहमान दानिश सहित गया, औरंगाबाद, पलामू और चतरा के सीमावर्ती क्षेत्रों के पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में नक्सली गतिविधियों पर अंकुश लगाने के साथ सीमावर्ती इलाकों में संयुक्त कार्रवाई और आपसी समन्वय बढ़ाने पर चर्चा हुई। पुलिस के अनुसार बरसात के दिनों में जंगलों में हरियाली और घनत्व बढ़ जाता है। इसका फायदा उठाकर नक्सली गयाजी, औरंगाबाद और झारखंड से लगे जंगलों में शरण ले सकते हैं। गुप्त सूचनाओं के आधार पर सीमावर्ती क्षेत्रों में नक्सलियों की टुकड़ियों के पहुंचने की आशंका को देखते हुए जंगलों में निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

योजनाओं की प्रगति की अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने बुधवार को गयाजी जिला अतिथि गृह सभागार में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर जिले में संचालित विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से पहुंचाने का निर्देश दिया। बैठक में जिला पशुपालन पदाधिकारी और जिला गव्य विकास पदाधिकारी से विभागवार योजनाओं, उनकी प्रगति तथा लाभुकों को मिल रहे लाभ की जानकारी ली गई। जिला पशुपालन पदाधिकारी ने बकरी पालन की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। 20+1 बकरी पालन योजना की लागत करीब 2.42 लाख रुपये है जिसमें पांच कट्ठा जमीन की आवश्यकता और लाभुक को 50 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। इसके अलावा 40+2, 100+5 एवं 500+25 बकरी पालन योजनाएं भी संचालित हैं। अधिकारियों ने बताया कि तीन बकरी एवं तीन सुअर पालन योजना की कुल लागत करीब 20 हजार रुपये है जिसमें 90 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है। मुर्गी पालन के लिए ब्रॉयलर एवं लेयर योजना में 50 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान है। जिला गव्य विकास पदाधिकारी ने गाय खरीद पर सरकार की ओर से दिए जा रहे 50 प्रतिशत अनुदान की जानकारी दी। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि किसान, पशुपालक और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में इन योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही नहीं बरतने और निर्माणाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में पप्पू चंद्रवंशी, राजनंदन गांधी, कौशलेंद्र कुमार, धीरेंद्र धीरू, विकास कुमार, जितेंद्र कुमार, मुकेश चंद्रवंशी सहित अन्य मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ऑफ गया युवा ने लगाया मानसिक स्वास्थ्य शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। रोटरी क्लब ऑफ गया युवा की ओर से सुमर्थ केंद्र, धनीबिगहा में ग्रामीण पुरुषों एवं महिलाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में निरवाना क्लिनिक, गयाजी की कंसल्टेंट साइकियाट्रिस्ट डॉ. कृतिका अग्रवाल ने करीब 100 मरीजों की जांच की। शिविर के दौरान मरीजों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को समझते हुए उन्हें व्यक्तिगत परामर्श और आवश्यक चिकित्सकीय मार्गदर्शन दिया गया। जरूरतमंद मरीजों के बीच आवश्यक दवाओं का निःशुल्क वितरण भी किया गया।आयोजकों ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदायों में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, मानसिक समस्याओं से जुड़ी झिझक और भ्रांतियों को दूर करना तथा जरूरतमंद लोगों को समय पर विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना था। शिविर में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं पर विशेषज्ञ से जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में सभी मरीजों के बीच जलपान का वितरण किया गया। आयोजकों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों के आयोजन से मानसिक स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ेगी और जरूरतमंद लोगों को समय पर उपचार एवं परामर्श प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

नशा मुक्ति कार्यशाला में विद्यार्थियों को स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। अनुग्रह मेमोरियल महाविद्यालय, गया में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना एवं ब्रह्माकुमारी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के विवेकानंद सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. प्रवीण कुमार सिंह ने कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नजीर अख्तर ने नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों एवं युवाओं से नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का आहवान किया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्था की प्रतिनिधि सुनीता ने संस्था का परिचय देते हुए नशा मुक्ति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्प्रभावों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। साथ ही आत्मसंयम, सकारात्मक चिंतन और ध्यान के माध्यम से नशामुक्त जीवन जीने का संदेश दिया। कार्यशाला के दौरान रक्षाबंधन के महत्व पर भी संक्षिप्त चर्चा की गई। इसके बाद उपस्थित प्रतिभागियों को तीन मिनट का प्लेज कराया गया तथा दो मिनट का मेडिटेशन कराया गया। प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उमा शंकर सिंह ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राकेश राय ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. धनेश्वर राम, डॉ. मोहन सिंह, डॉ. पूनम गुप्ता, डॉ. धनंजय कुमार, डॉ. सहदेव कुमार, डॉ. रंजना, डॉ. सरोज कुमारी, डॉ. निधि त्रिपाठी, डॉ. मीनाक्षी कुमारी, डॉ. विनोद कुमार सिंह, डॉ. अजय कुमार चौरसिया, डॉ. लालदेव यादव, डॉ. रीना कुमारी, डॉ. मोनिका, डॉ. नागेंद्र सिंह, ईशा साईं, सोनाली सहित अन्य शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

पितृपक्ष मेला में बैंकों की सहभागिता से तीर्थयात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला-2026 को सुगम, सुरक्षित बनाने के लिए जिला प्रशासन की तैयारियां तेज हैं। इसी क्रम में अपर समाहर्ता (राजस्व) परितोष कुमार की अध्यक्षता में जिले के विभिन्न बैंकों के पदाधिकारियों के साथ बैठक हुई। बैठक में देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में बैंकिंग संस्थानों की सहभागिता पर चर्चा हुई। परितोष कुमार ने कहा कि पितृपक्ष मेला गया की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है। लाखों तीर्थयात्री यहां पहुंचते हैं। उन्होंने बैंकों से सेवा भावना के साथ मेला क्षेत्र में सक्रिय सहभागिता निभाने और उपलब्ध सुविधाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की अपील की। बैठक में बैंकों ने अपनी प्रस्तावित व्यवस्थाओं की जानकारी दी। भारतीय स्टेट बैंक हरियाणा भवन के समीप स्वास्थ्य जांच केंद्र और 10 ई-रिक्शा, बैंक ऑफ बड़ौदा चार वाटर कूलर व 10 मजिस्ट्रेट जैकेट तथा दक्षिण बिहार ग्रामीण बैंक 100 मजिस्ट्रेट जैकेट उपलब्ध कराएगा। बैंक ऑफ इंडिया 10 और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया पांच ई-रिक्शा देगा। केनरा बैंक विष्णुपद मंदिर परिसर में लाउंज, तीन ई-रिक्शा और विष्णु भवन में मोबाइल चार्जिंग केंद्र उपलब्ध कराएगा। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया 100 मजिस्ट्रेट जैकेट देगा। पंजाब नेशनल बैंक मोबाइल एटीएम, चांदचौरा में सिक्का वेंडिंग मशीन, मेला क्षेत्र में सजावट और 50 मजिस्ट्रेट जैकेट उपलब्ध कराएगा। एचडीएफसी बैंक 50 तथा एक्सिस बैंक 30 मजिस्ट्रेट जैकेट देगा। अपर समाहर्ता ने सभी बैंकों को व्यवस्थाएं समय पर पूरा करने और मेला अवधि में नियमित निगरानी रखने का निर्देश दिया।

बारिश के बीच सरकार का सहयोग शिविर बना ग्रामीणों का सहारा, एक ही जगह सुनी गईं समस्याएं

ग्रामीणों ने सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों का जताया आभार, जरूरतमंदों को मिला योजनाओं का लाभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

इमामगंज। झमाझम बारिश के बीच इमामगंज प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत दुबहल, सिद्धपुर और झिकटिया कला पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर ग्रामीणों के लिए उम्मीद और सहारे की किरण बनकर सामने आया। खराब मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में ग्रामीण शिविर में पहुंचे और अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। अधिकारियों ने भी ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और मौके पर ही कई आवेदनों का निष्पादन किया। शिविर में सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने से ग्रामीणों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। शिविर का उद्घाटन एडीएम विभागीय जांच रविशंकर शर्मा, बीडीओ संजय कुमार और सीओ सुकेश कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों की ओर से मुख्य अतिथियों को बुके और शॉल देकर सम्मानित किया गया। इस संबंध में प्रखंड बीडीओ संजय कुमार ने बताया कि सीडीपीओ सीता कुजूर की ओर से प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत सीमा कुमारी और पुष्पा कुमारी को पांच-पांच हजार रुपये के डमी चेक दिए गए। दुबहल पंचायत में 14 लाभुकों को मोटर चालित ट्राई साइकिल, 24 को राशन कार्ड और 12 लाभुकों को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए। वहीं मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत फहीम प्रवीण को दो हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया। वहीं उन्होंने बताया कि दुबहल पंचायत में प्राप्त 88 आवेदनों में से 58, झिकटिया में 55 में से 18 और झिकटिया कला में 118 में से 32 आवेदनों का निष्पादन किया गया। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन, राशन कार्ड, शौचालय, मनरेगा तथा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए। बारिश के बीच भी शिविर में पहुंचे ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के पंचायत स्तर पर पहुंचने से गरीब और जरूरतमंद लोगों को प्रखंड कार्यालय के चक्कर लगाने से राहत मिल रही है।

मगध जीविका विकास स्वावलंबी सहकारी समिति की वार्षिक बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुरारू। बुधवार को बाजार स्थित रेखा मैरेज हॉल में मगध जीविका विकास स्वावलंबी सहकारी समिति की वार्षिक आम बैठक समारोह हुआ। बैठक समारोह में सैकड़ों जीविका दीदियों के साथ-साथ बीपीएम प्रवीण कुमार, पीएनबी मटुक बिगहा के शाखा प्रबंधक शाहिन अख्तर, गुरारू शाखा के पीएनबी एवं स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी संभव कुमार सिंह, एम.जी.आर. सनोद कुमार एवं धर्मेन्द्र कुमार के अलावे जीविका एवं प्रखण्ड के कर्मचारी एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। बीपीएम प्रवीण कुमार ने बताया कि प्रखण्ड क्षेत्र में मंगलवार, बुधवार एवं गुरूवार को जीविका दीदियों की यह वार्षिक आम बैठक समारोह चलेगा जिसमें विभिन्न जीविका संगठनों द्वारा वर्ष, 2025-26 का लेखा जोखा प्रस्तुत किया जा रहा है। आगे बताया कि गुरारू बाजार में अर्चना जीविका दीदी द्वारा जीविका के माध्यम से बैंक से ॠण प्राप्त कर 'टेंशन फ्री' नाम से सेनेटरी पैड का प्रोडक्शन यूनिट लगाया गया है। यह यूनिट दो माहों से पैड का निर्माण कर बिक्री कर रहा है। यह यूनिट प्रखण्ड एवं जीविका दीदियों के लिए सौभाग्य एवं स्वरोजगार के लिए साहसिक कदम है।

गया में धूमधाम से मनाया गया विश्व फोटोग्राफी दिवस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। बिहार फोटोग्राफर्स एसोसिएशन, गया की ओर से विश्व फोटोग्राफी दिवस का आयोजन राजमहल रिजॉर्ट, शिखर मोड़, मानपुर में उत्साह और धूमधाम के साथ किया गया। कार्यक्रम में गया जिले के करीब 100 फोटोग्राफर्स एवं वीडियोग्राफर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान निकोन कंपनी के वर्कशॉप टेक्नीशियन मयूरेश ने कैमरा और नई तकनीक से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। अमित सर ने सिनेमैटिक वीडियो एवं सिनेमैटिक शूटिंग की तकनीकों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए फोटोग्राफर्स को प्रशिक्षित किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष बैजू शर्मा ने कहा कि बिहार फोटोग्राफर्स एसोसिएशन की ओर से प्रत्येक वर्ष विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष आयोजन का उद्देश्य फोटोग्राफर्स को नई और उपयोगी तकनीकों की जानकारी देना तथा उनके व्यवसाय को बेहतर बनाने में सहयोग करना था। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नई कैमरा तकनीक, सिनेमैटिक शूटिंग और आधुनिक एडिटिंग की जानकारी फोटोग्राफर्स के लिए आवश्यक हो गई है। ऐसे प्रशिक्षण से काम की गुणवत्ता बढ़ाने के साथ व्यवसाय के नए अवसर भी मिलेंगे। कार्यक्रम के संयोजक विजय कुमार और जोनल पदाधिकारी अमित कुमार उर्फ मुन्ना ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों ने केक काटकर विश्व फोटोग्राफी दिवस मनाया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष गौतम कुमार, सचिव अवनीत कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष रौबिन कुमार, सह-सचिव सुमित कुमार उर्फ गुड्डू, मीडिया प्रभारी मनीष सहित कोर कमिटी के सदस्य राजू, बादल, पवन, राकेश, सुरेश, विशाल, रवि रंजन, विकास और अखिलेश तथा अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। फोटोग्राफर्स ने भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण एवं कार्यशालाएं आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

70 लीटर महुआ शराब के साथ आरोपित गिरफ्तार, गया जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेरघाटी। शेरघाटी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के चांपि गांव के समीप से 70 लीटर महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से शराब लदी बाइक भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान समदा गांव निवासी संटू कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ निषेधात्मक कार्रवाई करते हुए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। जानकारी देते हुए शेरघाटी थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि एक व्यक्ति बाइक से महुआ शराब लेकर चांपि गांव की ओर जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चांपि गांव के समीप वाहन जांच शुरू की। पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने का प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान बाइक पर लदी हुई शराब बरामद की गई। पुलिस के अनुसार बरामद शराब की मात्रा करीब 70 लीटर है। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर थाना लाया गया।

महिलाओं ने उत्साह के साथ मनाया सावन मिलन समारोह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गया। गया शहर में सशक्त स्थायी समिति सदस्य सारिका वर्मा के नेतृत्व में महिलाओं के साथ सावन मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सावन की पारंपरिक खुशियों को साझा किया। समारोह के दौरान महिलाओं ने हाथों में मेहंदी लगाई और संगीत के बीच विभिन्न मनोरंजक खेलों में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सशक्त स्थायी समिति सदस्य सारिका वर्मा मौजूद रहीं। उनके साथ वार्ड पार्षद मुन्नी देवी, मधु शर्मा, इंदु प्रजापति, बिंदु बाला सिंह, राखी अग्रवाल तथा महिला मानवाधिकार समिति की महिलाएं उपस्थित रहीं। काजल गुप्ता सहित अन्य महिलाओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।समारोह के दौरान महिलाओं के बीच आपसी सौहार्द और उत्साह का माहौल रहा। सावन की परंपरा और संस्कृति को ध्यान में रखते हुए आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने गीत-संगीत और खेलों का आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी महिलाओं को सुहाग का सामान देकर विदाई दी गई।

विशेष छापेमारी अभियान में वारंटी गिरफ्तार, गया जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोंच। कोंच थाना क्षेत्र में बुधवार को पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाकर एक एनबीडब्लू वारंटी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार वारंटी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष आलोक रंजन ने बताया कि कोंच गांव निवासी मनीष पासवान, पिता नरगिस पासवान के खिलाफ न्यायालय से एनबीडब्लू जारी था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। बुधवार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कोंच गांव में छापेमारी की। इस दौरान मनीष पासवान को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया।

डुमरिया में सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कार्य पूरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डुमरिया (गया)। डुमरिया प्रखंड मुख्यालय आने-जाने वाले आम लोगों, यात्रियों और स्थानीय राहगीरों को लंबे समय से हो रही शौच एवं स्नान की समस्या से अब मुक्ति मिल गई है। बिहार सरकार के योजना एवं विकास विभाग द्वारा संचालित 'मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना' (वर्ष 2025-26) के अंतर्गत डुमरिया प्रखंड की मंझौली पंचायत स्थित डुमरिया ब्लॉक के बगल में (खाता सं.-318, प्लॉट-979) सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो चुका है। यह महत्वपूर्ण परियोजना मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन द्वारा अनुशंसित योजना के तहत स्वीकृत की गई थी जिसकी प्राक्कलित राशि सात लाख सैंतालीस हजार सात सौ रुपये है। इस परियोजना को धरातल पर उतारने में पूर्व मुखिया मनोज पासवान एवं प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. कैलाश प्रसाद का विशेष प्रयास व सराहनीय योगदान रहा। कार्यपालक अभियंता, स्थानीय क्षेत्र अभियांत्रिकी संगठन (कार्य प्रमंडल-02, शेरघाटी) की देखरेख में निर्माण कार्य को पूरा किया गया है।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-07ए-26, दिनांक 14.08.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (क.वि.), पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नवर्णित कार्य के लिए निविदा सं. ईएलडी-125-डब्ल्यूसी-ओटी-07ए-26 के प्रतिपक्ष ई-निविदा सूचना आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम एवं स्थान :** पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल में ड्रॉप जंपर और आइसोलेटर के लिए जंपर का प्रतिस्थापन। **कार्य की अनुमानित लागत :** रु.3,97,67,329.95, **बयाना राशि/बोली सुरक्षा जमा की जानी है:** रु. 7,95,400/- **निविदा प्रपत्र की लागत :** शून्य। **कार्य समाप्ति की अवधि :** एलओए जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। **प्रस्ताव की वैधता:** 60 दिन। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 27.08.2026, **निविदा समापन तिथि और समय:** दिनांक 10.09.2026 को 15.00 बजे। **निविदा का खुलना:** निविदा के बंद होने के बाद किसी भी समय निविदा खोली जाएगी। निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा।

HWH-278/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कांवरियों को अंगवस्त्र व माला पहना मुखिया ने दी विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

इमामगंज। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत दुबहल के प्रणचक गांव से बोल-बम यात्रा पर रवाना हो रहे कांवरियों के सम्मान में पंचायत की मुखिया गीता देवी और मुखिया प्रतिनिधि राजदेव राम ने भावपूर्ण पहल की। दोनों ने सभी कांवरियों को अपने स्तर से अंगवस्त्र व फूलों की माला पहनाकर सम्मानित किया और उनकी सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए विदा किया। मुखिया की इस आत्मीय पहल से कांवरियों में खुशी दिखी। ग्रामीणों ने भी श्रद्धालुओं के प्रति सम्मान और सहयोग की इस भावना की सराहना की।

पलुहड़ पैक्स में पहले दिन अध्यक्ष पद पर एक नामांकन, चिरैली में खाता नहीं खुला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

टिकारी। नगर पैक्स चिरैली एवं पलुहड़ में पैक्स चुनाव को लेकर बुधवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। नामांकन के पहले दिन पलुहड़ पैक्स में अध्यक्ष पद के लिए जलालपुर निवासी राजेश कुमार ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। वहीं, सामान्य सदस्य पद के लिए संतोष कुमार, लालमनी देवी, अनिल राम, अजीत कुमार, सविता देवी, प्रदीप कुमार और श्यामदेव यादव सहित सात उम्मीदवारों ने नामांकन किया। पिछड़ा वर्ग (बीसी) कोटि से पिंटू कुमार एवं शीला कुमारी ने सदस्य पद के लिए पर्चा दाखिल किया। अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) कोटि से उपेंद्र प्रसाद और मो. मूसा ने नामांकन किया जबकि एससी/एसटी कोटि से विनय दास ने सदस्य पद के लिए नामांकन किया। इधर, चिरैली पैक्स में नामांकन के पहले दिन अध्यक्ष या सदस्य पद के लिए किसी भी उम्मीदवार ने पर्चा दाखिल नहीं किया। नामांकन दाखिल करने का आज अंतिम दिन है। ऐसे में अंतिम दिन दोनों पैक्स में नामांकन को लेकर उम्मीदवारों की सक्रियता बढ़ने की संभावना है।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: 47-एसडीएसटीई-एएसएन-2026-27, दिनांक 14.08.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम/स्थान:** "आसनसोल मंडल - सीतारामपुर-झाझा खंड में लूप लाइनों की लंबाई का विस्तार"। **निविदा मूल्य:** रु. 1,96,21,753.96, **बयाना राशि:** रु. 3,92,400/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 07.09.2026 को 14.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in/**

ASN-220/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 (**वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा** के कार्यक्षेत्र हेतु) निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित करते हैं: **एनआईटी सं.184_2026-27, कार्य का विवरण :** हावड़ा मंडल-वरिष्ठ डीईएन/1/हावड़ा के अधिकार क्षेत्र में एईएन/लिलुआ के तहत सेवड़ाफुली, आरामबाग और गोघाट में 03 अदद और नालिकुल एवं तारकेश्वर में 02 अदद तथा एईएन/ट्रैक के अधीन हावड़ा में 01 अदद ट्रैक मशीन साइडिंग (पीआई) का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य:** रु.4,15,51,005.60, **बयाना राशि:** रु. 8,31,000/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.)** शून्य। **समापन अवधि:** 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय :** दिनांक 03.09.2026 को 14.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps. gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान : ई-निविदा प्रणाली के मामले में बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।।

HWH-288/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संपादकीय

तमिलनाडु और कर्नाटक : फिर टकराव

तमिलनाडु और कर्नाटक पड़ोसी राज्य होने के बाद दोनों के बीच किसी न किसी मुद्दे पर टकराव जारी रहता है और यह अक्सर राजनीतिक रूप ले लेता है। फिर चाहे सरकार किसी भी पार्टी की हो। इसी श्रृंखला में ताजा मामला कर्नाटक के जंगलों में वन कर्मियों और शिकारियों के बीच हुई मुठभेड़ है। इस हिंसक मुठभेड़ में तीन लोगों की मौत हो गई। इस गंभीर घटना के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने दावा किया कि मृतक तमिल थे और घटना की गहन जांच की जानी चाहिए। वहीं, कर्नाटक सरकार ने इसकी मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं और परिवारों को मुआवजा देने की बात कही है। गौरतलब है कि कर्नाटक के चामराजनगर जिले में शनिवार को वनकर्मियों को सूचना मिली थी कि संदिग्ध शिकारी कथित तौर पर वन्यजीवों का शिकार करने के इरादे से जंगल में दाखिल हुए हैं। इस सूचना के बाद वन विभाग के अधिकारी वहां पहुंचे तो संदिग्ध शिकारियों ने वनकर्मियों पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाब में वनकर्मियों ने भी गोलियां चलाईं। इस मुठभेड़ में तीन लोगों की गोली लगने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान एंटनी स्वामी, जॉन रोज़ पीटर और कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। वन विभाग ने मौके से बंदूकों के अलावा कुछ दस्तावेज और अन्य सामान भी जब्त किया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के मुताबिक, संदिग्ध शिकारियों के पास से जंगली जानवरों के मांस से भरे दो बैग भी बरामद किए गए हैं। तीनों शवों का पोस्टमार्ट्म कराया जा रहा है, ताकि मौत की परिस्थितियों को लेकर जरूरी तथ्य सामने आ सकें। उधर तमिलनाडु के सीएम विजय ने कहा कि 'एंटनी स्वामी, जॉन रोज पीटर और कुमार जो कर्नाटक के चामराजनगर जिले के हनूर तालुक के गांवों में रहने वाले तमिल थे को 15 अगस्त, 2026 की सुबह कावेरी वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र में कर्नाटक वन विभाग के अधिकारियों ने गोली मारकर मार डाला। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं।' उन्होंने कर्नाटक वन विभाग की ओर से दी गई सफाई को 'अस्वीकार्य' बताते हुए मामले की गहन जांच की मांग की। ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आखिर किन परिस्थितियों में तीनों लोगों की जान गई। उधर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि उन्हें मुठभेड़ की जानकारी शनिवार सुबह करीब 5 बजे मिली। शिवकुमार के मुताबिक, मौके से शिकारियों की बंदूकें और जंगली जानवरों के मांस से भरे दो बैग बरामद किए गए हैं। इस मुठभेड़ में एक व्यक्ति भाग निकला...। शिवकुमार के मुताबिक उन्होंने हमारे वनकर्मियों पर गोली चलाई थी, जो वहां मौजूद थे।' मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मृतकों के परिवारों को मुआवजा दिया जाएगा। इस बीच राज्य में भाजपा के नेता प्रतिपक्ष अशोक ने इस घटना को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कमिश्नर पर गलत रिपोर्ट देने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा इस मामले में न्यायिक जांच की मांग करती है। इस मामले से बड़ा सवाल यह है कि जंगल में हुई इस कथित मुठभेड़ में गोलीबारी किन परिस्थितियों में हुई और क्या वन कर्मियों की कार्रवाई नियमों के मुताबिक थी। एक ओर वन विभाग और सरकार इसे संदिग्ध शिकारियों के साथ हुई मुठभेड़ बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विजय और विपक्ष ने घटना की निष्पक्ष जांच की मांग कर मामले को राजनीतिक और प्रशासनिक बहस के केंद्र में ला दिया है। खास बात यह भी है कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है और तमिलनाडु में भी टीवीके की सरकार में कांग्रेस शमिल है। बावजूद इसके दोनों सरकारों में तल्खी में कहीं कोई कमी नहीं है।

प्राकृतिक संपदा को मानव संपदा में बदलने की चुनौती

एमएमडीआर संशोधन विधेयक, 2026 संसद से पारित हो गया। सरकार के लिए यह खनिज क्षेत्र में सुधार, निवेश को प्रोत्साहन, कानूनी अनिश्चितता की समाप्ति और खनन की लागत को तर्कसंगत बनाने का कानून है। उसका कहना है कि राज्यों की अलग-अलग लेवी, कर और उपकर से खनन क्षेत्र में अनिश्चितता पैदा होती है और इसका असर निवेश तथा अंततः उपभोक्ता पर पड़ता है। तर्क सुनने में ठीक है। मगर लोकतंत्र में किसी कानून का अर्थ केवल सरकार की व्याख्या से तय नहीं होता। यह भी देखना पड़ता है कि कानून के बाद अधिकार किसके पास जाते हैं, संसाधन पर किसकी पकड़ मजबूत होती है और लाभ का भूगोल किस दिशा में बदलता है।खनिज जमीन के नीचे होता है, लेकिन उसका राजनीतिक अर्थ जमीन के ऊपर तय होता है। कोयला, लौह अयस्क, बॉक्साइट या कोई दूसरा खनिज केवल बाजार में बिकने वाली वस्तु नहीं है। उसके साथ जमीन है, जंगल है, पानी है, आदिवासी समाज है, विस्थापन है और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य है। इसलिए खनिज नीति को केवल उत्पादन, निवेश और कंपनियों की लागत के आंकड़ों से नहीं समझा जा सकता।

झारखंड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। जिस राज्य की धरती देश के औद्योगिक विकास को कोयला और लौह अयस्क देती है, उसी राज्य का युवा नौकरी और प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर सड़क पर है। जमीन के नीचे देश की औद्योगिक अर्थव्यवस्था के लिए जरूरी खनिज हैं और उसी जमीन के ऊपर रोजगार की तलाश में भटकता युवा। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी?

झारखंड, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य देश के खनिज मानचित्र में महत्वपूर्ण हैं। दशकों से इनकी धरती से निकला कच्चा माल देश के दूसरे हिस्सों के उद्योगों को गति देता रहा है। बिजली बनती है, इस्पात बनता है, कारखाने चलते हैं, शहर बढ़ते हैं और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था आगे जाती है। लेकिन खनिज-स्रोत क्षेत्रों से पूछिए कि इस विकास का स्थानीय हिसाब क्या है।

कितने स्थानीय युवाओं को स्थायी रोजगार मिला? कितने उद्योग खनिज के साथ वहीं लगे? कितनी प्रसंस्करण इकाइयां बनीं? कितने स्थानीय उद्यम खड़े हुए? विस्थापित परिवारों का जीवन कितना सुधरा? और क्या खनिज-संपदा ने वहां के युवा को इतना सक्षम बनाया कि उसे रोजगार के लिए अपने घर से बाहर जाने की जरूरत न पड़े?

यदि इन प्रश्नों का उत्तर संतोषजनक नहीं है तो केवल उत्पादन बढ़ने को विकास कहना अपने आप को धोखा देना है।

भारत में लंबे समय से एक आर्थिक प्रवृत्ति दिखाई देती है—कच्चा माल एक जगह से जाता है और उसका अधिक मूल्यवर्धन दूसरी जगह होता है। संसाधन-स्रोत प्रदेश को खनन से जुड़ी गतिविधियां, कुछ रोजगार और राजस्व मिलता है; दूसरी ओर उसे विस्थापन, पर्यावरणीय दबाव और सामाजिक बदलाव की कीमत भी चुकानी पड़ती है। इसीलिए सवाल उठता है कि क्या बिहार, झारखंड और ओडिशा जैसे राज्यों की भूमिका कच्चा माल और श्रम उपलब्ध कराने तक सीमित होती जा रही है?

बिहार की स्थिति अलग है, लेकिन कहानी का दूसरा हिस्सा वही है। उसके पास झारखंड जैसी खनिज संपदा नहीं, लेकिन विशाल श्रमशक्ति है। स्थानीय रोजगार पर्याप्त नहीं है, इसलिए युवा दूसरे राज्यों की ओर जाता है। कोई निर्माण मजदूर बनता है, कोई कारखाने में काम करता है, कोई सुरक्षा गार्ड बनता है, कोई चालक। राज्य की सबसे बड़ी संपदा—उसकी युवा आबादी—दूसरे राज्यों की अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करती है।

झारखंड खनिज देता है, बिहार श्रम देता है। सवाल है कि दोनों अपने संसाधनों का पूरा आर्थिक मूल्य क्यों नहीं हासिल कर पाते? यही प्रश्न बेरोजगारी तक पहुंचाता है। आज का युवा पढ़ रहा है, वर्षों प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। लाखों आवेदन होते हैं और नियुक्तियां सीमित रहती हैं। उम्र निकलती जाती है। ऊपर से परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठें, धांधली या अनियमितता के आरोप लगें, परिणाम और नियुक्ति में देरी हो तो युवा का भरोसा टूटना स्वाभाविक है।

फिर उसी युवा से कहा जाता है—नौकरी मत मांगो, उद्यमी बनो। उद्यमिता भाषण से नहीं पैदा होती। उसके लिए पूंजी, बाजार, बिजली, भूमि, तकनीक, कौशल और प्रशासनिक भरोसा चाहिए। जिस राज्य में छोटा उद्योग लगाने वाला व्यक्ति वित्त, बाजार और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के बीच फंसा रहे, वहां युवाओं से उद्यमी बनने की अपेक्षा अधूरी नीति है।

नौकरी नहीं, उद्यम नहीं, तो पलायन। यही वह त्रिकोण है जिसमें बिहार और झारखंड का युवा फंसा हुआ है। इसलिए झारखंड के छात्र आंदोलन को केवल कानून-व्यवस्था का मामला मानना भूल होगी। छात्र पूछ रहा है—पढ़ाई के बाद क्या होगा? परीक्षा निष्पक्ष होगी? नियुक्ति कब होगी? नौकरी मिलेगी या उम्र निकल जाएगी? और अगर नौकरी नहीं मिली तो अपने ही राज्य में मेरे लिए क्या अवसर है?

इन सवालों का उत्तर लाठी या मुकदमे से नहीं दिया जा सकता। युवा आंदोलन लोकतंत्र का तापमान बताता है।

इसके पीछे किसके हित हैं, यह जांच और समय बताएगा। मगर यह सवाल पूछना जायज है कि जब एक राज्य का युवा रोजगार के लिए सड़क पर है, उसी समय उसी राज्य के प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े अधिकारों में बड़ा बदलाव हो रहा है, तो क्या दोनों प्रश्नों को एक साथ नहीं देखा जाना चाहिए? क्यों खनिज-संपदा का अधिक मूल्यवर्धन उसी राज्य में न हो जहां से वह निकलता है? खनिज के साथ उद्योग क्यों न आए? उद्योग के साथ कौशल और स्थानीय रोजगार क्यों न आए? यदि कोयला झारखंड से निकलता है तो झारखंड का युवा केवल खदान के आसपास का मजदूर क्यों बने? यदि लौह अयस्क ओडिशा से निकलता है तो उससे बनने वाली औद्योगिक श्रृंखला में स्थानीय युवाओं की भागीदारी क्यों सीमित रहे? यहीं एमएमडीआर संशोधन का संघीय प्रश्न सामने आता है। सरकार खनिज क्षेत्र में एकरूपता चाहती है। उद्योग के लिए स्पष्ट नियम जरूरी भी हैं। लेकिन एकरूपता का अर्थ केंद्रीकरण नहीं होना चाहिए। भारत का संघवाद केवल अधिकारों का संवैधानिक बंटवारा नहीं, बल्कि संसाधनों और जिम्मेदारियों का संतुलन भी है। यदि खनिज राज्य की जमीन से निकलता है, पर्यावरणीय दबाव राज्य झेलता है, विस्थापन स्थानीय समाज सहता है और बुनियादी ढांचे पर दबाव राज्य सरकार उठाती है, तो राज्य की वित्तीय और नीतिगत क्षमता को कितना सीमित किया जा सकता है? सर्वोच्च न्यायालय ने 2024 में खनिज अधिकारों और खनिज-युक्त भूमि पर राज्यों की कराधान शक्ति को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया था। अब संसद का नया कानून उस संवैधानिक और वित्तीय स्थिति को नए सिरे से प्रभावित कर रहा है। संसद को कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन कानून की अंतिम कसौटी संविधान है। इसलिए यह बहस केवल राजनीतिक नहीं, संवैधानिक भी है। यह सवाल भाजपा या किसी एक सरकार के लिए ही नहीं है। आज सत्ता में एक दल है, कल दूसरा होगा। यदि व्यवस्था में केंद्रीकरण बढ़ता है तो उसका इस्तेमाल कोई भी सरकार कर सकती है। इसलिए सवाल दलगत कम और संघीय ज्यादा है।

केंद्र मजबूत होना चाहिए, लेकिन मजबूत केंद्र का अर्थ कमजोर राज्य नहीं हो सकता। राष्ट्रीय खनिज नीति होनी चाहिए, लेकिन स्थानीय समाज की कीमत पर नहीं। निवेश आना चाहिए, लेकिन स्थानीय रोजगार के बिना नहीं। खनिज उत्पादन बढ़ना चाहिए, लेकिन खनिज-स्रोत क्षेत्रों की गरीबी बढ़ाकर नहीं। गांधी का विकास-विचार यहां फिर याद आता है। वे विकास के विरोधी नहीं थे, लेकिन ऐसी व्यवस्था के विरोधी थे जिसमें साधन मनुष्य से बड़े हो जाएं। ग्राम स्वराज का अर्थ स्थानीय समाज को अपने जीवन और संसाधनों पर सार्थक अधिकार देना था। सामाजिक कार्यकर्ताओं और आदिवासी अधिकार आंदोलनों की लंबी परंपरा भी यही पूछती रही है—विकास किसके लिए और किसकी कीमत पर?

भारत के विकास की एक असुविधाजनक सच्चाई यह है कि कुछ राज्य पूंजी और उद्योग के केंद्र बनते गए और कुछ कच्चे माल या श्रम के स्रोत। यदि यह अंतर बढ़ता रहा तो राष्ट्रीय विकास के आंकड़े चाहे जितने सुंदर दिखें, संघीय असमानता बनी रहेगी। भारत माता की जय कहना आसान है। लेकिन भारत माता की धरती से निकली संपदा का न्यायपूर्ण हिस्सा उसके बच्चों तक पहुंचाना कठिन काम है। भारत माता वह आदिवासी भी है जिसका जंगल छूटता है, वह किसान भी है जिसकी जमीन जाती है, वह खनिक भी है जो जोखिम में काम करता है, वह छात्र भी है जो वर्षों परीक्षा की तैयारी करता है और वह मजदूर भी है जो हजार किलोमीटर दूर जाकर काम करता है। इसलिए देशभक्ति केवल नारा नहीं है।

अध्यात्म

आप जीवन में अपने साथ क्या लेते है आशा या निराशा?

एक दिन दो भिक्षु एक गांव की ओर एक साथ यात्रा कर रहे थे तभी उन्हें रास्ते में एक नदी के तट पर एक महिला रट हुए दिखाइ दी। तभी वह दोनों भिक्षु उस महिला के पास गए।

दोनों भिक्षुओं में से एक भिक्षु ने महिला से पूछा, आप क्यों रो रही हो और क्यों इतनी परेशान हो। महिला ने भिक्षुओं से कहा की मुझे नदी पार कर अपने घर जान है पर में नदी पार नहीं कर सकती हूँ और मुझे दर है की में कही डूब न जाऊँ।

बिना किसी हिचकिचाहट के उस महिला को अपने गोद में उठा लिया और उस महिला को नदी के दूसरी ओर ले गया। उस भिक्षुने महिला को ध्यान पूर्वक निचे उतारा तभी महिला ने भिक्षु को अपनी मदत करने के लिए धन्यवाद कहा।

कुछ देर बाद दोनों भिक्षु चल पड़े तभी दूसरे भिक्षुने उस भिक्षु से सवाल पूछा, आप यह कैसे कर सकते है? हमने भिक्षु बनते वक्त ही गरीबी और शुद्धता की शपथ ली है और हमे एक महिला से बात करना भी मना है और आपने उस महिला को अपनी गोद में उठा लिया।

पहले भिक्षु ने चुपचाप सूना और जवाब दिया, जब में नदी के दूसरी तरफ आया तो मैंने उस महिला को निचे रखा और तुम अब भी उस महिला को अपने साथ क्यों ले जा रहे हो?

सीख

हमेशा आदर्शवादी सोच रखना यह हमारे हाथ में है और इस पर ही निर्भर होता है की आप जीवन में अपने साथ क्या लेते है आशा या निराशा?

'चिप्स' के चक्कर में फंसा किसान

एक जमाने में जो किसान बोनी, बखरनी और चैत जैसे कामों भर से खेती कर लिया करते थे, आज उन्हें पेचीदे कृषि कानूनों की भारी-भरकम किताबों का सहारा लेना पड़ रहा है। वजह है, खेती-किसानी में बहुराष्ट्रीय कॉरपोरेट कंपनियों का प्रवेश। मसलन, हाल में किसानों के बीज पर आलू-चिप्स बनाकर भारी मुनाफा कूटने वाली कंपनी 'पेप्सिको' की नजर लगी है। उसने अपने धंधे के लिए आलू के विशेष बीज को कानूनी रूप से अपने कब्जे में करवा लिया है। कैसे निपटेंगे, इस गोरखधंधे से किसान? क्या हैं, इसकी पेचीदगियों? बता रहे हैं, राजकुमार सिन्हा। 'पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स' और किसान अधिकार कार्यकर्ता कविता कुरुगंती के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद में सुप्रीमकोर्ट के हालिया फैसले ने भारत में किसानों के बीज के अधिकार और पौध की किस्मों पर कॉरपोरेट अधिकार के बीच जारी बहस को एक बार फिर केंद्र में ला दिया है।

'पेप्सिको' और कुछ आलू किसानों के बीच कानूनी विवाद तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके केंद्र में भारत की कृषि व्यवस्था से जुड़ा एक बुनियादी सवाल है कि बीज पर अंतिम अधिकार किसका है? उस किसान का जिसने पीढ़ियों से बीज को बचाया, बोया और विकसित किया है या उस कंपनी का जिसने किसी विशेष पौध की किस्म का पंजीकरण कराया है?

सुप्रीम कोर्ट की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन शामिल थे, ने 'पेप्सिको' की आलू की किस्म का पंजीकरण रद्द करने से इनकार करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप नहीं किया। हालांकि, अदालत ने यह स्पष्ट किया कि 'पेप्सिको' द्वारा किसी किसान के खिलाफ कार्रवाई किए जाने पर संबंधित किसान 'पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001' के तहत अपने अधिकारों का दावा कर सकता है, बशर्ते किसान साबित कर सके कि वह उस प्रावधान के दायरे में आता है।

यहीं से कविता कुरुगंती की आपत्ति का महत्वपूर्ण बिंदु सामने आता है। उनका तर्क है कि कानून ने किसानों को अधिकार तो दिए हैं, लेकिन जब कोई कॉरपोरेट कंपनी किसानों पर मुकदमा करती है, तब किसानों को ही अदालत के सामने यह साबित करना होता है कि वे इन अधिकारों के पात्र हैं। यदि किसानों के खिलाफ मुकदमेबाजी का इस्तेमाल प्रतिस्पर्धियों को नियंत्रित करने या किसानों पर दबाव बनाने के लिए किया जाता है, तो इसे केवल निजी कानूनी विवाद के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक जनहित के सवाल के रूप में देखा जाना चाहिए।

यह मामला 'पेप्सिको' द्वारा आलू की एक विशेष किस्म के पंजीकरण से जुड़ा है। इस किस्म का इस्तेमाल 'लेज' चिप्स के उत्पादन के लिए किया जाता है। 'पेप्सिको' ने इस किस्म का पंजीकरण 2016 में कराया था। इसके बाद वर्ष 2018 और 2019 में कंपनी ने गुजरात के कम-से-कम नौ किसानों के खिलाफ कथित बौद्धिक संपदा अधिकार के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए मुकदमे दायर किए थे और किसानों से भारी-भरकम क्षतिपूर्ति की मांग की थी।

व्यापक विरोध के बाद 'पेप्सिको' ने मई 2019 में ये मुकदमे वापस ले लिए, लेकिन इस घटनाक्रम ने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया कि यदि किसी किसान के खेत में संरक्षित किस्म पाई जाती है, तो उसके पारंपरिक खेती और बीज संबंधी अधिकारों की कानूनी स्थिति क्या होगी? कविता कुरुगंती ने इस पूरे प्रकरण को केवल किसानों के खिलाफ दायर मुकदमों के रूप में नहीं देखा। उन्होंने इसे किसानों के वैधानिक अधिकारों और कॉरपोरेट बौद्धिक संपदा अधिकारों के बीच टकराव के रूप में उठाया और 'पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001' के तहत 'पेप्सिको' के पंजीकरण को रद्द करने की मांग की।

दिसंबर 2021 में 'पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण' ने 'पेप्सिको' के पंजीकरण को रद्द कर दिया। इसके बाद मामला दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचा। एकल न्यायाधीश ने जुलाई 2023 में प्राधिकरण के निर्णय को कुछ आधारों पर बरकरार रखा, लेकिन जनवरी 2024 में दिल्ली हाईकोर्ट की खंडपीठ ने उस निर्णय को पलट दिया और 'पेप्सिको' का पंजीकरण बहाल हो गया। इसके बाद कविता कुरुगंती ने सुप्रीमकोर्ट का दरवाजा खटखटाया जिसके हालिया फैसले ने अब इस विवाद को एक नए कानूनी और सामाजिक संदर्भ में खड़ा कर दिया है।

'पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2001' भारत के महत्वपूर्ण कृषि कानूनों में से एक है। इसका उद्देश्य नई किस्मों को कानूनी संरक्षण प्रदान करना, अनुसंधान एवं विकास में निवेश करने वाले प्रजनकों को प्रोत्साहित करना और उनके अधिकारों की रक्षा करना तथा किसानों के पारंपरिक बीज बचाने, उपयोग करने और खेती करने के अधिकारों को सुरक्षित रखना है। इस कानून के तहत संरक्षित किस्मों के उत्पादन, बिक्री, विपणन, वितरण, आयात और निर्यात पर (खासतौर पर कंपनियों को) विशेष अधिकार प्रदान किए जाते हैं। दूसरी ओर, इसी कानून में किसानों को अपनी उपज और बीज को सहेजने, उपयोग करने, बोने, दोबारा बोने, आदान-प्रदान करने, साझा करने या बेचने का कानूनी अधिकार है। इस कानून का संचालन 'पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण' द्वारा किया जाता है, जो 'केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय' के अधीन है। सुप्रीमकोर्ट के ताजा फैसले से किसान संगठनों और बीज अधिकार आंदोलनों की लड़ाई समाप्त नहीं हुई है। अब संघर्ष का केंद्र किसान के व्यक्तिगत अधिकारों को जमीन पर लागू कराने और कानून की स्पष्ट व्याख्या कराने पर आ सकता है। किसान को यह समझना जरूरी है कि संरक्षित किस्म के संबंध में उसके पास कौन-कौन से अधिकार हैं और किन परिस्थितियों में ये अधिकार लागू होते हैं। कानून की जानकारी केवल वकीलों या विशेषज्ञों तक सीमित रहने से किसान अपने अधिकारों का प्रभावी इस्तेमाल नहीं कर पाएगा। इसलिए किसान संगठनों को गांव स्तर तक बीज अधिकारों से संबंधित कानूनी जानकारी पहुंचाने की व्यवस्था करनी होगी। भारत में बीजों पर नियंत्रण का सवाल आने वाले वर्षों में और महत्वपूर्ण होने वाला है। कृषि में जैव-प्रौद्योगिकी, संकर बीज, नई पौध किस्मों और कॉरपोरेट निवेश का विस्तार हो रहा है। ऐसे में किसान समुदाय की पारंपरिक बीज प्रणालियां और स्थानीय जैव-विविधता भी दबाव में हैं। किसान के सामने चुनौती है कि उसके अधिकारों को केवल कानून की किताब में दर्ज प्रावधान न रहने दिया जाए, बल्कि खेत और गांव के स्तर पर उसका वास्तविक इस्तेमाल सुनिश्चित किया जाए। 'पेप्सिको'-किसान विवाद का अगला अध्याय शायद सुप्रीमकोर्ट में नहीं, बल्कि खेतों, किसान संगठनों, कानूनी सहायता समूहों और संसद के भीतर लिखा जाएगा। आने वाले समय में असली कसौटी यही होगी कि भारत का किसान अपने वैधानिक बीज अधिकारों का इस्तेमाल कितनी स्वतंत्रता से कर पाता है और राज्य इन अधिकारों की रक्षा के लिए कितनी प्रभावी व्यवस्था बनाता है। सुप्रीमकोर्ट का फैसला भले ही 'पेप्सिको' की पंजीकृत किस्म के संबंध में तत्काल विवाद को एक सीमा तक स्पष्ट करता हो, लेकिन किसान के बीज अधिकार और कॉरपोरेट बौद्धिक संपदा अधिकार के बीच व्यापक बहस अभी समाप्त नहीं हुई है। असली सवाल यह है कि भारत की कृषि व्यवस्था में किसान की स्वतंत्रता और बीज पर उसका अधिकार कितना सुरक्षित रहेगा। यदि किसान का अधिकार सुरक्षित रहता है, तो यह केवल किसान की स्वतंत्रता की रक्षा नहीं होगी, बल्कि देश की खाद्य सुरक्षा, कृषि जैव-विविधता और आने वाली पीढ़ियों की कृषि स्वतंत्रता की भी रक्षा होगी। यही कारण है कि 'पेप्सिको' और कविता कुरुगंती का विवाद एक व्यक्तिगत या कॉरपोरेट विवाद से कहीं आगे भारत में बीज संप्रभुता और किसान अधिकारों की दिशा तय करने वाली बहस बन चुका है। (सप्रेस)

आज का कार्टून

राशिफल

मेष
आज बातचीत से समाधान और काम में नरमी बरते। आज आपकी आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक बनी रहेगी। बेफिजूल के खर्चों से दूर रहें।

वृषभ
आज बचत पर ध्यान और दफ्तर में प्रशंसा के प्राप्त होंगे। सही योजना बनाकर चलने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। घर की जरूरतों पर खर्च हो सकता है।

मिथुन
आज खर्चों में सावधानी और योजना से सफलता मिलेगी। जल्दबाजी में फैसले भी हो सकते हैं। कहीं भी पैसा लगाने या देने से पहले सोचें।

कर्क
आज पारिवारिक बचत और दफ्तर में सहयोग मिलेगा। पैसों की सही योजना बनाने में मदद करेगी। आपका ध्यान अपने और परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने पर रहेगा।

सिंह
आज दिखावे से बचाव और सोच-समझकर फैसले ले। कुछ वजह से जरूरतों को लेकर उलझन हो सकती है। दूसरों पर प्रभाव जमाने के चक्कर में पैसे खर्च न करें।

कन्या
आज पैसों के मामलों में सावधानी रखें। आराम या सुख-सुविधाओं पर खर्च करने का मन हो सकता है। कोई भी सामान खरीदने से पहले अपना बजट देख लें।

तुला
आज संतुलित फैसले और टीम के साथ तालमेल बना रहेगा। आप खर्च और बचत के बीच सही संतुलन बनाना चाहेंगे। किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करने पर नया रास्ता सूझेगा।

वृश्चिक
आज गोपनीय योजना और काम में गहराई रहेगी। विवरण- गोपनीय योजना और काम में गहराई रहेगी। आज आप अपनी पैसों से जुड़ी योजनाओं को गुप्त रखना पसंद करेंगे।

धनु
आज नए विचारों की परख और नेटवर्क से लाभ मिलेगा। आप नए मौकों से अपनी कमाई बढ़ाने के बारे में सोच सकते हैं। हर विचार फायदेमंद नहीं होगा।

मकर
आज जिम्मेदारी का अहसास और पुरानी योजना की समीक्षा करे। पैसों की जिम्मेदारियों पर ज्यादा ध्यान देना होगा। आप लंबी अवधि के वादों या परिवार के खर्चों के बारे में सोच सकते हैं।

कुंभ
आज नए विचारों से फायदा और सही बजट लाभ होगा। जल्दी आत्मनिर्भर बनने की इच्छा जागेगी। आप कुछ नया करने की कोशिश कर सकते हैं।

मीन
आज पुरानी वित्तीय आदतों को सुधारने की सीख देते हैं। बेफिजूल के वादों को कम करें और रुका हुआ काम पूरा करें। अगर पुराना पैसों का मामला सामने आता है।

संक्षिप्त समाचार

कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस में मेहंदी प्रतियोगिता संपन्न

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कॉलेज ऑफ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस में आज सावन परंपरा के अंतर्गत वार्षिक मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 48 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। निर्णायक मापदंडों और रचनात्मक प्रस्तुति के आधार पर ईशा रानी को प्रथम पुरस्कार, अंजली कुमारी एवं

अंजली रानी को द्वितीय पुरस्कार तथा रितिका कुमारी और दीपाली कुमारी को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह प्रमुख अतिथि एवं प्रधानाचार्या प्रोफेसर सुनीता राय ने किया। कार्यक्रम में आर्ट एंड कल्चरल कमेटी की समन्वयक प्रोफेसर सान्त्वना रानी तथा कमेटी के सदस्य डॉ. वन्दना, डॉ. रश्मि, डॉ. विद्या, डॉ. आकांक्षा प्रिया, डॉ. अनिता, डॉ. स्मिता, अन्य शिक्षकगण डॉ. रेणु, डॉ. विनीता, डॉ. जेबा, डॉ. इंदिरा और डॉ. सुषमा उपस्थित रहीं। आयोजकों ने कहा कि यह प्रतियोगिता सांस्कृतिक संवर्धन व पारंपरिक कलाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से हर वर्ष सावन के अवसर पर आयोजित की जाती है।

पेड़ की टहनी काटने के दौरान गिरने से युवक की मौत

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सिंगोड़ी थाना क्षेत्र के करहारा गांव में मंगलवार को बरगद के पेड़ की टहनी काटने के दौरान गिरने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान करहारा डिबरा गांव निवासी सतेंद्र बिंद के 21 वर्षीय पुत्र चंदन कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, चंदन करहारा गांव में बरगद के पेड़ पर चढ़कर उसकी टहनी काट रहा था। टहनी काटने के दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह पेड़ से नीचे गिर गया। इसी दौरान काटी गई टहनी भी उसके ऊपर गिर गई, जिससे वह गंभीर रूप से दब गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सिंगोड़ी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, पालीगंज भेज दिया गया।

जमीन रजिस्ट्री के नाम पर करोड़ों की ठगी, दो भाई गिरफ्तार

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मोकामा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जमीन रजिस्ट्री के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले दो सहोदर भाइयों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।पुलिस ने मंगलवार देर रात दानापुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर दोनों आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोकामा निवासी बमबम सिंह के पुत्र समित कुमार और नमित कुमार के रूप में हुई है।बताया जा रहा है कि यह मामला करीब 3 माह पुराना है। दोनों भाइयों पर मोकामा के रितेश कुमार उर्फ कन्हैया सिंह के साथ जमीन रजिस्ट्री के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी का आरोप है।पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों भाइयों पर पहले से ही लगभग 10 से अधिक फर्जीवाड़े के मामले में कोर्ट में केस चल रहे हैं और कई मामलों में वे जमानत पर बाहर थे। मोकामा के दर्जनों लोगों से मोटी रकम लेकर फर्जीवाड़ा करने का भी इन पर आरोप है।इस संबंध में मोकामा थानाध्यक्ष कुणाल कुमार ने बताया कि "जमीन रजिस्ट्री के नाम पर करोड़ों की ठगी के मामले में दानापुर से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले के अन्य बिंदुओं पर गहनता से जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जाएगी।"फिलहाल पुलिस दोनों भाइयों से पूछताछ कर रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

जानलेवा हमला मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुनपुन थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक पर जानलेवा हमला मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार व्यक्तियों में राजकुमार पिता रोहन महतो और रोहन महतो पिता मिस्त्री महतो रसूलपुर से पुलिस ने गिरफ्तार किया है इस घटना के पीड़ित अनिल कुमार सहनी पिता जयराम महतो उम्र 32 वर्ष, निवासी रसूलपुर ने पुनपुन थाने में 16 अगस्त 2026, आवेदन दिया था जिसमें बताया गया था कि सुबह करीब 11:30 बजे वह अपने गांव में मसोमात पिंकी देवी के घर जा रहे थे।इसी दौरान गांव के ही रोहन महतो पिता स्व. मिस्त्री महतो उम्र 55 वर्ष, उनके बेटे राजकुमार उम्र 18 वर्ष, बिट्टू कुमार उम्र 21 वर्ष और पत्नी जानकी देवी ने रास्ते में उन्हें घेर लिया। आरोप है कि सभी गाली-गलौज करने लगे। मना करने पर राजकुमार, बिट्टू, रोहन और जानकी देवी ने लोहे के रॉड से उनके पैर पर हमला कर दिया, जिससे पैर में फ्रैक्चर हो गया। हमला कर आरोपी गाली देते हुए फरार हो गए।चक्कर आने पर ग्रामीणों ने अनिल को अस्पताल पहुंचाया था,अनिल की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राजकुमार पिता रोहन महतो और रोहन महतो पिता मिस्त्री महतो को रसूलपुर गांव से गिरफ्तार कर लिया है।थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। मामले में अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

हत्या मामले में फरार अपराधी गिरफ्तार

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मोकामा पुलिस इन दिनों लगातार एक्शन मोड में है। इसी क्रम में पुलिस ने बुधवार को हत्या के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे अप्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।गिरफ्तार अपराधी की पहचान बरहपुर निवासी विष्णु कुमार के रूप में हुई है।मोकामा थानाध्यक्ष कुणाल कुमार ने बताया कि सुल्तानपुर दियारा क्षेत्र में कुछ महीने पहले मछुआरों पर गोलीबारी की घटना हुई थी। इस गोलीबारी में महेंद्र सहनी की मौत हो गई थी। इसी मामले में विष्णु कुमार फरार चल रहा था।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अपराधी कुख्यात नीरज सिंह गिरोह का सक्रिय सदस्य है।थानाध्यक्ष ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अपराधी बरहपुर इलाके में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस को देखते ही अपराधी मक्के के खेत में भागने लगा, जिसे पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ लिया। हालांकि इस दौरान उसके तीन अन्य साथी मौके से भागने में सफल रहे।पुलिस अन्य फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

महिला से मारपीट और छेड़खानी का आरोप

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी के छाताओपी क्षेत्र के बुद्धूचक गांव में बीती रात घर में घुसकर एक महिला से मारपीट और छेड़खानी का मामला सामने आया है। पीड़िता ने कुल 8 लोगों को नामजद करते हुए छाता ओपी में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता रिंकी देवी पति अर्जुन कुमार, निवासी बुद्धूचक ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि वह घर पर बैठी थी। इसी दौरान राजदेव यादव और अशोक यादव पिता रामबाबू यादव, अमन कुमार पिता अशोक यादव, पवन कुमार पिता राजदेव यादव, सोनी देवी पति अशोक कुमार, गोल्डन यादव, डेजी कुमारी पति गोल्डन यादव और रूपा कुमारी पिता गोल्डन यादव उनके घर में घुस आए। आरोप है कि सभी ने गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर महिला के साथ मारपीट की गई और छेड़खानी भी की गई। पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने जानलेवा हमला भी किया। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़िता ने बताया कि उपरोक्त सभी आरोपी मिर्जापुर, किंजर, अरवल के रहने वाले हैं। छाता ओपी पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। ओपी प्रभारी ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

तीन नामजद अभियुक्त और एक एनबी वारंटी गिरफ्तार

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पचमहला थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात चलाए गए विशेष सकमालीन अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है।पुलिस ने पचमहला थाना कांड संख्या 44/26 के तीन नामजद प्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान मंटू निषाद,संटू निषाद दोनों पिता स्व. देवन निषाद और विनोद निषाद पिता तीर्थ निषाद तीनों साकिन - कसहा दियारा, थाना मरांची, जिला पटना के रूप में हुई है।इसके साथ ही पुलिस ने एक एनबीडब्लू वारंटी बौधू सिंह पिता स्व. सूरज सिंह, साकिन रामपुर डुमरा, थाना पचमहला, जिला पटना को भी गिरफ्तार किया है।पुलिस ने सभी चारों गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।पचमहला अवर थानाध्यक्ष सुजीत कुमार ने बताया कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण को लेकर लगातार विशेष अभियान चलाया जा रहा है। फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

जले ट्रांसफार्मर को लेकर सड़क जाम, 20 दिन से पानी को तरस रहे लोग

आनन फानन में बदला गया ट्रांसफार्मर

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी-पितमास मार्ग पर मसौढ़ी थाना क्षेत्र के हांसडीह के पास बुधवार को सैकड़ों लोग सड़क पर उतर आए। हांसडीह मुसहरी के लोगों ने जले पड़े ट्रांसफार्मर और पानी की किल्लत को लेकर बिजली विभाग के खिलाफ घंटों नारेबाजी करते हुए सड़क जाम कर दिया। जाम के कारण यातायात घंटों बाधित रहा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पिछले 20 दिनों से यहां का ट्रांसफार्मर जला हुआ है। बिजली नहीं रहने से पानी की भारी किल्लत हो गई है। लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं लेकिन समस्या सुनने वाला कोई नहीं है।स्थानीय लोगों ने बताया कि हाल ही में विधायक अरुण मांझी और मुख्य पार्षद पिंकी देवी भी यहां शिलान्यास करने आए थे। उनसे भी ट्रांसफार्मर ठीक कराने की गुहार लगाई गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। मजबूर होकर लोगों को सड़क पर उतरना पड़ा।प्रदर्शन का नेतृत्व अशोक मांझी, बृहस्पति मांझी, महेश मांझी, छोटन मांझी, दिनेश मांझी, सिया शरण मांझी, सुनीता देवी, कलावती देवी और राजमणिया देवी आदि ने किया। लोगों का कहना था कि "यहां का प्रशासन बिना हो-हल्ला किए सुनता ही नहीं है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। इसी बीच बिजली विभाग के कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे और आश्वासन दिया कि ट्रांसफार्मर आज ही लगाया जाएगा।लोगों ने प्रशासन से हासाडीह मुसहरी में अतिरिक्त चापाकल लगाने की भी मांग की। उन्होंने बताया कि पूरे इलाके में करीब 250 परिवार केवल एक चापाकल पर निर्भर हैं। बिजली कटने पर पानी की समस्या और बढ़ जाती है।

परिवार को बंधक बना 30 हजार नगद समेत लाखों रुपए के आभूषण लूटे

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मसौढ़ी थाना क्षेत्र के सरवां गांव में बिते रात को अज्ञात चोरों ने एक घर में घुसकर लाखों रुपये के गहने और सामान लूट लिए। पांच की संख्या में आए अज्ञात लुटेरों ने यह घटना को अंजाम दिया है सबसे पहले घर के सभी सदस्यों को कमरे में बंद कर धमकी भी दी। पीड़िता बबिता देवी पति कृष्णा सिंह निवासी सरवां ने मसौढ़ी थाने में आवेदन देकर बताया कि 18 अगस्त की रात वह पूरे परिवार के साथ खाना खाकर सो गई थी। देर रात करीब 4 से 5 की संख्या में अज्ञात लुटेरे घर में घुसे और बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। आवेदन में पीड़िता ने बताया कि जब घर के अंदर आवाज आई तो लोग जागे और बाहर निकलने की कोशिश करने लगे। इस पर चोरों ने धमकी दी कि हल्ला करोगे तो गोली मार देंगे। इसके बाद चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर रखे हुए ट्रंक और बक्से तोड़ दिए। उसमें रखे गहने और नकदी निकाल ली।पीड़िता के अनुसार चोर सोने की गले का हार, 2 पीस नाक की नथ, 2 जोड़ी पायल, 8 बिछिया, 1 चैन सहित, 30 हजार नगद घर का अन्य कीमती सामान लेकर फरार हो गए। चोर मकान के कीपर के सहारे छत पर चढ़े और महावीरी झंडा के सहारे नीचे उतरकर घटना को अंजाम दिया।घटना के बाद जब सभी शांत हुआ तो परिवार वालों ने किसी तरह कमरे का दरवाजा खोलकर बाहर निकले और देखा कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है।पीड़िता ने पुलिस से अज्ञात चोरों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई करते हुए चोरी का सामान बरामद करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की है।मसौढ़ी थाना पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। इसके अलावा इसी गांव में एक मकान में और चोरी करने का प्रयास किया गया लेकिन वह असफल रहा, रिटायर्ड एयर फोर्स के जवान महेश सिंह के घर में भी ग्रिल उखाड़ कर चोरी करने का प्रयास किया गया, लेकिन हो हल्ला पर वह भाग निकला, इस घटना के बाद पूरे मोहल्लेवासियों में दहशत का माहौल है।पुलिस की पेट्रोलिंग टाइट करने की मांग की गई है।

बिजली चोरी : दो होटल और एक आटा चक्की में पकड़े गए मीटर बाईपास

3.40 लाख से अधिक का राजस्व नुकसान

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के निर्देश पर बिजली आपूर्ति अवर प्रमंडल मसौढ़ी की टीम ने बिजली चोरी के खिलाफ अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की। छापेमारी में 3 उपभोक्ताओं को मीटर बाईपास कर बिजली चोरी करते पकड़ा गया। विभाग ने तीनों के खिलाफ मसौढ़ी थाने में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। छापेमारी में सहायक विद्युत अभियंता मुसदर कुमार के नेतृत्व में ग्राम इस्लामपुर, स्थित पानपती देवी पति अरुण कुमार की आटा चक्की में छापेमारी की। जांच में पाया गया कि कनेक्शन में मीटर से पहले सर्विस तार में दफ्तर तार जोड़कर मीटर बाईपास किया गया था। मौके पर 3.739 डब्ल्यू का भार पाया गया। अरुण कुमार ने बिजली चोरी स्वीकार की। टीम ने करीब 6 मीटर तार और मीटर को जब्त कर लिया। विभाग को 1,88,319 रुपये राजस्व हानि और 4,605 रुपये मीटर लागत सहित कुल 1,92,924 रुपये का नुकसान हुआ है। वहीं दुसरी छापेमारी कनीय विद्युत अभियंता आशीष कुमार के नेतृत्व में बनी टीम ने दोपहर 1:06 बजे ठल्ह-22 स्थित अरुण्मा होटल के मालिक अनुप प्रसाद के परिसर की जांच की। जहाँ मीटर तक के तार में कटिंग कर अवैध कनेक्शन पाया गया। इससे कंपनी को 13,394 रुपये की हानि हुई। चोरी में प्रयुक्त तार को जब्त कर लिया गया। इसी टीम ने दोपहर ठल्ह-22 स्थित कैश होटल के मालिक जयप्रकाश कुमार के परिसर की जांच की जहाँ मीटर से पहले तार में कटिंग और कीट-कैट लगाकर बिजली चोरी की जा रही थी।इससे कंपनी को 1,29,537 रुपये की हानि हुई। छापेमारी टीम में सहायक अभियंता सुरेन्द्र कुमार, कनीय अभियंता रंजीत प्रसाद, तकनीकी कर्मी संजय कुमार, जय कुमार, बिरेन्द्र कुमार, विनोद प्रसाद सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे।बिजली विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तीनों मामलों में जब्त साक्ष्यों के साथ प्राथमिकी दर्ज करने के लिए आवेदन दे दिया गया है। वसूली की कार्रवाई भी शुरू की जाएगी।

9 सूत्री मांगों को लेकर अधिवक्ताओं का आंदोलन तेज

15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो 8 सितंबर से आमरण अनशन

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अधिवक्ताओं के अधिकार, सम्मान और सुरक्षा से जुड़ी 9 सूत्री मांगों को लेकर अधिवक्ता संघर्ष समिति ने आंदोलन तेज कर दिया है। समिति ने सरकार और सक्षम प्राधिकार से 15 दिनों के अंदर सकारात्मक कार्रवाई की मांग की है। मांगें नहीं मानी गईं तो 8 सितंबर 2026 से मसौढ़ी व्यवहार न्यायालय में अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू किया जाएगा। अधिवक्ता संघर्ष समिति के राष्ट्रीय संयोजक अधिवक्ता रमेश पटेल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि अधिवक्ता समुदाय लंबे समय से अपनी न्यायोचित मांगों को लेकर संघर्ष कर रहा है। बार-बार सरकार और संबंधित संस्थाओं को ज्ञापन देने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला है, जिससे अधिवक्ताओं में गहरा क्षोभ है। संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से अधिवक्ताओं की समस्याओं का समाधान कराना है।रमेश पटेल ने कहा कि यदि 15 दिनों के अंदर मांगों पर कार्रवाई शुरू नहीं हुई तो दिनांक 08 सितंबर 2026, मंगलवार, सुबह 11 बजे से व्यवहार न्यायालय, मसौढ़ी के निमार्णाधीन अधिवक्ता भवन के सामने अनिश्चितकालीन आमरण अनशन शुरू किया जाएगा।

विवि अधिनियम 2026 के विरोध में एसयू कॉलेज में शिक्षकों-कर्मचारियों का प्रदर्शन

दनियावां/हिलसा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के विरोध में मंगलवार को श्रीचंद उदासीन महाविद्यालय, हिलसा में महाविद्यालय शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले धरना-प्रदर्शन और नारेबाजी की गई। प्राध्यापक संघ की ओर से अध्यक्ष डॉ. पिंकी कुमारी, डॉ. संदीपा इंद्रा, डॉ. शिवप्रसाद ठाकुर, डॉ.

अश्विनी कुमार झा, डॉ. सम्राट सरकार, डॉ. अभिषेक कुमार, डॉ. प्रभात कुमार, डॉ. भुवनेश्वर प्रसाद मंडल, डॉ. पंकज कुमार सिंह, डॉ. अमित कुमार व अन्य प्राध्यापक भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। वहीं कर्मचारी संघ के अध्यक्ष डॉ. राजीव नयन, उपाध्यक्ष जलेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष रोनित रॉय, सचिव शैलेश कुमार, संयुक्त सचिव आलोक कुमार सिंह, प्रधान सहायिका सुभद्रा सिन्हा, कार्यकारिणी सदस्य कुमार पवन, प्रदीप कुमार, गुड्डू, रंजीत, सुनीति देवी, मोहम्मद वसीम, बजरंगी लाल वर्मा सहित अन्य कर्मचारियों ने भी नारेबाजी कर सरकार के प्रस्तावित विधेयक का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बिहार सरकार का प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर सीधा हमला है। संयुक्त मोर्चा इसे 'काला विधेयक' मानता है और इसे वापस लेने की मांग कर रहा है। इस दौरान 'शिक्षा सत्ता की जागीर नहीं', 'ज्ञान स्वतंत्र रहे-विश्वविद्यालय स्वतंत्र रहे', 'स्वायत्तता पर चोट नहीं चलेगी' के नारे गूंजे। इस नारेबाजी व प्रोटेस्ट कार्यक्रम में मंगलवार को बताया गया कि यह कार्यक्रम संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर पूरे बिहार के सभी महाविद्यालयों में 25 अगस्त तक चलेगा।यह प्रदर्शन 11अगस्त से शुरू हुआ था। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र, पटना में भी धरना-प्रदर्शन, नारेबाजी और संवाद का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

भा.कृ.अनु.प.-अटारी, पटना के 11वें स्थापना दिवस समारोह का आयोजन

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भा.कृ.अनु.प.-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, क्षेत्र-IV, पटना में 11वां स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास पूर्वक आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. पी. एस. पाण्डेय, माननीय कुलपति, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, समस्तीपुर थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में डॉ. अनुप दास, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना; डॉ. विकास दास, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केन्द्र, मुजफ्फरपुर; डॉ. आर. आर. बर्मन, सहायक उप-महानिदेशक (कृषि विस्तार), नई दिल्ली; डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची तथा डॉ. निर्मल सिंह दहिया, प्रसार शिक्षा निदेशक, बिहार पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, पटना सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में ऑनलाइन माध्यम से देश के सभी 10 अटारी के निदेशक, बिहार एवं झारखंड के कृषि विश्वविद्यालयों के प्रसार शिक्षा निदेशक तथा कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख अपने वैज्ञानिक सहयोगियों के साथ जुड़े। मुख्य

अतिथि डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को मूल्य संवर्धन, बाजारोन्मुखी कृषि, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, दस्तावेजों के डिजिटलीकरण, प्रतिपुष्टि तंत्र के सुदृढ़ीकरण, व्यावसायिक मॉडल तथा कृषि उद्यमिता जैसे उभरते क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. अनुप दास, निदेशक, भा.कृ.अनु.प.-पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना ने बिहार एवं झारखंड के छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने के लिए समेकित कृषि प्रणाली को व्यापक स्तर पर अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. निर्मल सिंह दहिया, प्रसार शिक्षा निदेशक, बिहार पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, पटना ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से पशुपालन एवं पशुधन आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर भा.कृ.अनु.प.-अटारी, पटना की वार्षिक रिपोर्ट-2025 का भी विमोचन किया गया, जिसमें संस्थान एवं इसके अधीन कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किए गए प्रमुख कार्यों, उपलब्धियों एवं विभिन्न कृषि विस्तार पहलों का संकलन प्रस्तुत किया गया है।

महिलाओं की सुरक्षा के साथ भविष्य की आर्थिक चिंता का भी समाधान

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। महिलाओं की जिंदगी में जिम्मेदारियाँ और जरूरतें समय के साथ बदलती रहती हैं। ऐसे में, ऐसा वित्तीय सुरक्षा समाधान काम आता है, जो सिर्फ मुश्किल समय में परिवार को सुरक्षा न दे, बल्कि महिला के अपने स्वास्थ्य और जीवन के अलग-अलग पड़ावों को भी ध्यान में रखे। इसी जरूरत को देखते हुए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू आईप्रोटेक्ट स्मार्ट हर लॉन्च किया है, जिसे खासतौर पर महिलाओं के लिए तैयार किया गया है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर, श्री विकास गुप्ता ने कहा कि महिलाओं की वित्तीय योजना की जरूरतें जीवन के अलग-अलग चरणों में बदलती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए यह प्लान सुरक्षा, स्वास्थ्य और वेलनेस को एक साथ जोड़ता है। यह कॉम्प्रिहेंसिव टर्म प्लान महिलाओं को लाइफ इंश्योरेंस के साथ कई हेल्थ और वेलनेस फायदे देता है। इसमें महिलाओं के लिए प्रीमियम पर 15% लाइफटाइम डिस्काउंट और प्रेग्नेंसी के दौरान प्रीमियम किश्तों को बेहतर तरीके से मैनेज करने के लिए प्रेग्नेंसी ब्रेक की सुविधा शामिल है। इसके अलावा, महिला-विशेष हेल्थ मैनेजमेंट और वेलनेस सेवाओं के तहत टेली-कंसल्टेशन, सालाना हेल्थ चेक-अप, हेल्थ रिस्क असेसमेंट, वेलनेस कंटेंट और फार्मेसी व डायग्नोस्टिक पर डिस्काउंट जैसे फायदे मिलते हैं। इन महिला-विशेष सुविधाओं के तहत 25,000 रुपए तक के फायदे उपलब्ध हैं।

तुलसीदास का साहित्य आज भी सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों के लिए प्रासंगिक : प्रो.सुनीता राय

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कॉलेज ऑफ कॉमर्स, आर्ट्स एंड साइंस, पटना के हिंदी विभाग एवं IQAC के संयुक्त तत्त्वावधान में बुधवार को तुलसी जयंती के शुभ अवसर पर 'तुलसीदास और आज का समय' विषय पर एकदिवसीय विचार संगोष्ठी का आयोजन महाविद्यालय के वाणिज्य सभागार में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रधानाचार्या प्रो. (डॉ.) सुनीता राय ने की। संगोष्ठी में मुख्य विद्वान वक्ता के रूप में प्रो. कृष्ण कुमार सिंह, पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष एवं पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा (महाराष्ट्र) तथा डॉ. डी. एन. गौतम, आई.पी.एस., पूर्व पुलिस महानिदेशक, बिहार एवं ख्यात लेखक एवं चिंतक उपस्थित रहे।अपने संबोधन में वक्ताओं ने तुलसीदास के साहित्य की

समकालीन प्रासंगिकता पर विस्तार से चर्चा की। IQAC कोऑर्डिनेटर प्रो. संतोष कुमार ने कहा कि रामचरितमानस में अभिव्यक्त लोकमंगल, समन्वय, मर्यादा, करुणा, त्याग और नैतिकता के मूल्य आज के समय में भी उतने ही महत्त्वपूर्ण हैं। डॉ. डी. एन. गौतम ने कहा कि तुलसीदास का साहित्य मनुष्य को अपने कर्तव्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय संवेदनाओं से जोड़ने का कार्य करता है। प्रो. कृष्ण कुमार सिंहने अपने वक्तव्य में बताया कि तुलसी की रचनाओं में व्यक्त व्यापक सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय सरोकारों को समझने की आवश्यकता है। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. (डॉ.) सुनीता राय ने कहा कि तुलसीदास का साहित्य आज भी सामाजिक एवं मानवीय मूल्यों के लिए प्रासंगिक है।तुलसीदास का साहित्य भारतीय जीवन-दृष्टि का व्यापक परिचायक है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों से आह्वान किया कि वे तुलसी साहित्य का अध्ययन समकालीन संदर्भों के साथ करें और उसमें निहित मानवीय मूल्यों को वर्तमान समाज से जोड़ने का प्रयास करें।संगोष्ठी में महाविद्यालय के शिक्षक, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ट्रेन से गिरकर 23 वर्षीय युवक की मौत

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। हाथीदह रेल थाना क्षेत्र के रामपुर डुमरा और जलालपुर हाल्ट के बीच बुधवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। डाउन लाइन पर अज्ञात ट्रेन से गिरकर एक 23 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई।हाथीदह रेल थानाध्यक्ष ने बताया कि बुधवार को रामपुर डुमरा और जलालपुर स्टेशन के बीच डाउन लाइन पर एक युवक किसी ट्रेन से गिर गया था। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर रेल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया।मृतक की उम्र लगभग 23 वर्ष बताई जा रही है। समाचार लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो पाई है।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ में कराया है और पहचान के लिए आसपास के थानों को सूचना भेज दी गई है।

29 वर्षों की शैक्षणिक विरासत से नए युग की ओर गोल

शिक्षा से कौशल, स्वास्थ्य, डिजिटल मीडिया और इंफ्रास्ट्रक्चर तक विस्तारित होगा गोल का विजन

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शिक्षा के क्षेत्र में लगभग तीन दशकों से विद्यार्थियों के सपनों को सफलता में बदलने वाली प्रतिष्ठित संस्था गोल ने अपने फाउंडेशन डे के अवसर पर भविष्य की एक महत्वाकांक्षी और बहुआयामी यात्रा का शुभारंभ किया। गोल के चेयरमैन एवं डायरेक्टर बिपिन कुमार सिंह ने औपचारिक रूप से गोल ग्रुप का अनावरण करते हुए संस्था के विस्तार की नई रूपरेखा प्रस्तुत की। इस अवसर पर गोल की 29 वर्षों की गौरवशाली यात्रा, विद्यार्थियों की उपलब्धियों, शिक्षकों के योगदान और भविष्य के विजन को रेखांकित किया गया। यह संदेश प्रमुखता से उभरा कि गोल अब केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाली संस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिक्षा, स्कूलिंग, आवासीय शिक्षा, कौशल विकास, डिजिटल ब्रॉडकास्टिंग, स्वास्थ्य सेवा

और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में एक संगठित समूह के रूप में अपनी भूमिका का विस्तार करेगा। सीडीएम बिपिन कुमार सिंह ने गोल ग्रुप के अंतर्गत विकसित होने वाले विभिन्न वर्टिकल्स यथा गोल इंस्टिट्यूट मेडिकल एवं इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं की उत्कृष्ट तैयारी, गोल स्कूल आधुनिक शिक्षा, संस्कार, अनुशासन, तकनीक और भविष्य-केंद्रित शिक्षण व्यवस्था के माध्यम से विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए, गोल एजुकेशन भीलेज शिक्षा, आवास, अनुशासन, मेंटरिंग और शैक्षणिक वातावरण को एक ही परिसर में उपलब्ध कराने वाली आवासीय शिक्षा व्यवस्था, गोल स्कील सेन्टर युवाओं को रोजगारोन्मुख, तकनीकी, डिजिटल एवं आधुनिक कौशल से सशक्त बनाने की दिशा में नई पहल, गोल डिजिटल ब्रोडकास्टिंग शिक्षा, ज्ञान, करियर मार्गदर्शन, सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक सूचनाओं को डिजिटल माध्यमों से व्यापक स्तर तक पहुंचाने का मंच, गोल हेल्थ केयर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने की दिशा में प्रस्तावित पहल, गोल इन्फ्रा शिक्षा एवं अन्य क्षेत्रों के लिए आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण और भविष्य-केंद्रित आधारभूत संरचना के विकास की दिशा में कार्य करने वाला नया वर्टिकल की घोषणा की। गोल के चेयरमैन एवं डायरेक्टर बिपिन कुमार सिंह ने कहा कि पिछले 29 वर्षों में हजारों परिवारों ने हम पर विश्वास किया और हमारे विद्यार्थियों ने देशभर में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया। आज गोल ग्रुप हमारे लिए केवल व्यावसायिक विस्तार नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारियों के विस्तार का प्रतीक है। हमारा लक्ष्य एक ऐसा संस्थागत इकोसिस्टम तैयार करना है, जहां शिक्षा से लेकर कौशल, स्वास्थ्य, तकनीक, डिजिटल कम्युनिकेशन और इंफ्रास्ट्रक्चर तक समाज की बदलती आवश्यकताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण समाधान उपलब्ध हों। गोल के असिस्टेंट डायरेक्टर रंजय सिंह ने कहा कि गोल ने हमेशा समय के साथ स्वयं को बदला है, लेकिन अपने मूल मूल्यों-गुणवत्ता, अनुशासन, पारदर्शिता और विद्यार्थी हित-से कभी समझौता नहीं किया। गोल के आर एंड डी हेड आनंद वत्स ने कहा, भविष्य उन्हीं संस्थानों का है जो रिसर्च, डेटा, इनोवेशन और टेक्नोलॉजी को अपनी कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाते हैं। गोल ग्रुप के विस्तार में प्रत्येक क्षेत्र को रिसर्च और इनोवेशन आधारित बनाने पर विशेष जोर रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

पेपरलेस रजिस्ट्री का काम शुरू, दस्तावेज हुए निबंधित

बाढ़/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बाढ़ के अवर निबंधन कार्यालय में पेपरलेस रजिस्ट्री व्यवस्था की शुरूआत हो गई है। प्रथम चरण में भूमि बिक्री का दो दस्तावेज निबंधन किया गया। वरुण कुमार उस्मानपुर और बबन कुमार फुलेलपुर के दस्तावेज से बुधवार को इस प्रक्रिया की शुरूआत की गई ।नई व्यवस्था को लेकर लगातार अवर निबंधन कार्यालय में क्रेता और विक्रेता को जागरूक किया जा रहा है। अवर निबंधन रविशंकर कुमार ने बताया कि बाढ़ अनुमंडल के सभी सर्किल क्षेत्र में इस व्यवस्था को लागू होने से स्थानीय पक्षकारों को जमीन निबंधन कराने एवं अन्य दस्तावेज को निबंधन कराने में काफी सुविधा हो रही है। पक्षकार पेपरलेस नहीं हो रहे है बल्कि कार्यालय पेपरलेस हो रहा है। अब दस्तावेजों का संरक्षण आधुनिक डिजिटल तकनीक से किया जाएगा।वहीं दूसरी तरफ डिजिटल तकनीक से पक्षकारो को उनके जमीन का भौतिक सत्यापन भी आसानी से हो रहा है। निबंधन के कुछ ही देर में उन्हें दस्तावेज की कलर कॉपी उपलब्ध कराई जा रही है ।उन्होंने बताया कि कार्यालय में संपर्क करने वाले पक्षकारों को इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। ज्ञात हो कि अनुमंडल के घोसवरी ,मोकामा, पंडारक, बेलछी, बाढ़ ,अथमलगोला और बख्तियारपुर प्रखंड का एरिया शामिल है। बहरहाल नई डिजिटल पेपरलेस तकनीक से दस्तावेज निबंधन का काम आसान हो गया है।

शहीदों की याद में आगामी नौ सितंबर को होगा सांस्कृतिक कार्यक्रम

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। शहीदों के सम्मान में आगामी 9 सितंबर 2026 को मसौढ़ी अनुमंडल में एक शाम शहीदों के नाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अनुमंडल प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। सैनिक कल्याण निदेशालय बिहार, पटना के निर्देश के आलोक में अनुमंडल पदाधिकारी,ने बताया कि प्रशासन का उद्देश्य कार्यक्रम के माध्यम से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ देशभक्ति और सैनिकों के त्याग को आमजन तक पहुंचाना है। इसको लेकर बहुत जल्द पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम का स्वरूप, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, अतिथियों की सूची और सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी।

धनरूआ में 61 वर्षीय विधवा महिला ने खाया जहर

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। धनरूआ प्रखंड के बहरामपुर ओपी क्षेत्र के छाती पंचायत अंतर्गत बासबीघा गांव में बुधवार को एक 61 वर्षीय विधवा महिला द्वारा जहर खाने का मामला सामने आया है। परिजनों ने उसे आनन-फानन में बेलदारीचक स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।बहरामपुर ओपी थाना अध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि जहर खाने वाली महिला की पहचान कुसुम देवी उम्र 61 वर्ष पति स्वर्गीय अजय प्रसाद, निवासी बासबीघा के रूप में हुई है। वह घर में अकेली रहती थी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार महिला ने किन कारणों से जहर खाया है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। महिला के पाटीदार और भतीजे उसे इलाज के लिए बेलदारीचक पास के नव्या अस्पताल में लेकर गए हैं।पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि महिला ने यह कदम क्यों उठाया।फिलहाल महिला की स्थिति स्थिर बताई जा रही है और अस्पताल में उसका उपचार जारी है।

ई-रिक्शा ने रेलवे फाटक में मारी टक्कर

मोकामा/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मोकामा रेलवे स्टेशन के पूर्वी समपार फाटक पर बुधवार दोपहर एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ई-रिक्शा ने बंद रेलवे फाटक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि फाटक टेढ़ा हो गया।मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन को पास कराने के लिए रेलवे स्टेशन के पूर्वी समपार फाटक को बंद किया गया था। इसी दौरान एक अनियंत्रित ई-रिक्शा तेज गति से आया और सीधे फाटक से जा टकराया।गनीमत रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फाटक क्षतिग्रस्त होने के बावजूद रेल आवागमन सामान्य रूप से चालू रहा।इस संबंध में मोकामा आरपीएफ निरीक्षक रवीन्द्र कुमार यादव ने बताया कि घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सीसीटीवी फुटेज की मदद से ई-रिक्शा चालक की पहचान कर ली गई है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

चोरी की मोटर बरामद, गिरोह पर कार्रवाई की मांग

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अकबरपुर गांव से चोरी हुआ मोटर बरामद होने के बाद ग्रामीणों ने मोटर चोरी की घटनाओं में सक्रिय गिरोह का पता लगाकर कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में पहले भी 10-15 मोटर चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। इन घटनाओं के पीछे एक ही गिरोह के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार, बरामद मोटर को अकबरपुर निवासी विकास कुमार ने अकबरपुर निवासी लालू शर्मा, पिता संतोष शर्मा से 2100 रुपये में खरीदा था। ग्रामीणों का आरोप है कि मोटर चोरी की घटनाओं में शामिल कुछ युवक नशे के आदी हैं और नशे की जरूरत पूरी करने के लिए चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि मामले की सूचना इमामगंज थाना पुलिस को दी गई है। साथ ही पूर्व में हुई मोटर चोरी की घटनाओं की जांच कर गिरोह का खुलासा करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। ग्रामीणों ने मामले की जानकारी वरीय पुलिस पदाधिकारियों को देने की बात कही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष रौशन कुमार ने बताया कि अभी तक केवल एक मोटर चोरी की घटना को लेकर लिखित आवेदन मिला है। उन्होंने कहा कि पुलिस जनता के सहयोग से काम करती है। जनता ने मोटर खोलने वाले व्यक्ति को पकड़कर पुलिस को सौंपा है, जिसे जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी के फोन करने मात्र से पुलिस हर समय तत्काल मौके पर नहीं पहुंच सकती, क्योंकि पुलिस के पास अन्य कई जिम्मेदारियां भी होती हैं।

प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद

हाजीपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। वैशाली से है जहाँ पुलिस ने गुप्त सूचना पर छापेमारी कर एक ट्रांसपोर्ट एजेंसी से भारी मात्रा में प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया है साथ ही पुलिस ने मौके से एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है जो जहानाबाद जिले का रहने वाला है।दरअसल नगर थाना के जढूआ ओपी को सूचना मिली थी कि बाजार समिति के पास स्थित एसपीएस ट्रांसपोर्ट एजेंसी में एक ट्रक से प्रतिबंधित कफ सिरप को पिकअप पर अनलोड किया जा रहा है जिसके बाद एसपी शुभांक मिश्रा ने औषधि निरीक्षक के साथ एक टीम का गठन किया और जब पुलिस की विशेष टीम ने ट्रांसपोर्ट एजेंसी में छापेमारी की तो वहां कफ सीरप को पिकअप पर लोड किया जा रहा था।जिसके बाद पुलिस टीम ने पिकअप सहित लगभग 800 लीटर कफ सीरप को बरामद कर लिया।हालांकि छापेमारी के दौरान मौके से तीन लोग फरार हो गए जिन्हें चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।बताया जा रहा है कि कफ सीरप कार्टन में पैक था जिसकी कीमत लाखो में है।

ट्रक मालिक ने चालक को चार दिन तक बंधक बनाकर की पिटाई

हाजीपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। नगर थाना क्षेत्र में एक ट्रक मालिक द्वारा अपने ही ट्रक चालक को बंधक बना कर चार दिनों तक निर्ममता से पिटाई की गई।हालांकि चालक ने किसी तरह ट्रक मालिक के चंगुल से भागकर अपनी जान बचाई जिसके बाद पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज किया और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी ट्रक मालिक को गिरफ्तार कर लिया।बताया जा रहा है कि ट्रक चालक जमुई का रहने वाला है जो वैशाली के नगर थाना क्षेत्र निवासी मुन्ना सिंह का ट्रक चलाता है।इसी बीच अरवल से बालू ले कर कुसेर्ला जा रही ट्रक रास्ते मे दुर्घटनाग्रस्त हो गई जिसमें ट्रक हल्का क्षतिग्रस्त हो गया।जिसके बाद ट्रक मालिक द्वारा ट्रक चालक से ट्रक में क्षति के रूप में भारी भरकम राशि मांगने लगा और जब ट्रक चालक ने पैसा देने से इंकार कर दिया तब आरोपी ट्रक मालिक ने चालक को बंधक बना लिया और चार दिनों तक बेरहमी से उसकी पिटाई की।

हाजीपुर में ऊर्जा सचिव ने विद्युत परियोजनाओं और उपभोक्ता सेवाओं का लिया जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना/हाजीपुर। ऊर्जा विभाग के सचिव-सह-अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड अजय यादव ने बुधवार को हाजीपुर जिले का दौरा कर विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, निमार्णाधीन परियोजनाओं और उपभोक्ता सेवाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दिघी स्थित विद्युत ग्रिड एवं उपकेंद्र, महुआ में निमार्णाधीन 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र, बिदुपुर में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत लगाए गए सोलर संयंत्रों तथा हाजीपुर ग्रामीण में आयोजित बिल सुधार कैंप का निरीक्षण किया। दिघी स्थित 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र एवं 220/132 केवी ग्रिड उपकेंद्र के निरीक्षण के दौरान ऊर्जा सचिव ने विद्युत आपूर्ति की स्थिति, उपकेंद्र की कार्यप्रणाली और तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद महुआ में निमार्णाधीन 132/33 केवी ग्रिड उपकेंद्र का जायजा लेते हुए उन्होंने परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसी सुमाजा इलेक्ट्रोइंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड को निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखते हुए परियोजना को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विद्युत परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए और निर्माण कार्य की नियमित निगरानी की जाए। ऊर्जा सचिव ने बिदुपुर प्रखंड में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना एवं यूएलए मॉडल के तहत स्थापित सोलर ऊर्जा संयंत्रों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने लाभार्थियों से योजना से मिल रहे लाभ की जानकारी ली तथा रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों को अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को योजना से जोड़ने और लोगों को सौर ऊर्जा के लाभों के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। वहीं, हाजीपुर ग्रामीण विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल में आयोजित बिल सुधार कैंप में पहुंचकर ऊर्जा सचिव ने उपभोक्ताओं की समस्याएं सुनीं। उन्होंने बिल सुधार से संबंधित मामलों की जानकारी ली और अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी ढंग से निष्पादन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिजली बिल से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी नहीं होनी चाहिए। दौरे के अंत में परिसदन में विद्युत आपूर्ति अंचल, समस्तीपुर एवं विद्युत संचरण अंचल, वैशाली के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विद्युत आपूर्ति एवं संचरण व्यवस्था, निमार्णाधीन परियोजनाओं, उपभोक्ता सेवाओं और विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। ऊर्जा सचिव ने अधिकारियों को विद्युत व्यवस्था को और मजबूत करने, परियोजनाओं की नियमित निगरानी करने तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विद्युत परियोजनाओं को तय समय पर पूरा करने के साथ-साथ उपभोक्ता सेवाओं में भी निरंतर सुधार किया जाना चाहिए।

पीएम सूर्य घर योजना के प्रचार-प्रसार हेतु ई-रिक्शा वाहनों को जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखा कर किया रवाना

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के व्यापक प्रचार - प्रसार एवं आमजनों को योजना की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी, पूर्वी चंपारण द्वारा ई-रिक्शा वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ये ई-रिक्शा जिले के विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर लोगों को योजना एवं राज्य सरकार द्वारा दी जा रही अतिरिक्त सब्सिडी के संबंध में जागरूक करेंगे। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार द्वारा पूर्व से दी जा रही सब्सिडी के अतिरिक्त अब राज्य सरकार द्वारा भी अतिरिक्त अनुदान दिया जा रहा है।1किलोवाट के सोलर संयंत्र पर केंद्र सरकार की 30,000 की सब्सिडी के अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा 10,000 की अतिरिक्त सब्सिडी दी जाएगी। इसी प्रकार 2 किलोवाट पर कुल 80,000 तथा 3 किलोवाट पर कुल 98,000 तक की सब्सिडी का लाभ मिलेगा। जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा दी जा रही यह अतिरिक्त सब्सिडी ह्लपहले आओ, पहले पाओह्व के आधार पर उपलब्ध होगी तथा यह लाभ मार्च 2027 तक ही दिया जाएगा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि इच्छुक उपभोक्ता बिना विलंब के पीएम सूर्य घर योजना के लिए आवेदन करें और योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने से आम उपभोक्ताओं को बिजली के बिल में राहत मिलेगी तथा स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता, मोतिहारी; कार्यपालक अभियंता, रक्सौल; कार्यपालक अभियंता, चकिया; सहायक विद्युत अभियंता, मोतिहारी शहरी एवं ग्रामीण सहित विद्युत विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। जिला प्रशासन एवं विद्युत विभाग द्वारा जिले के अधिक से अधिक नागरिकों को योजना से जोड़ने तथा उन्हें उपलब्ध सब्सिडी की जानकारी देने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

बिजली विपत्र सुधार कैंप में नौ आवेदन प्राप्त, चार का मौके पर निष्पादन

एकमा (सारण)/ नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एकमा प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रखंड प्रमुख कार्यालय परिसर में नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड की ओर से बुधवार को विद्युत विपत्र सुधार के लिए विशेष कैंप लगाया गया। बताया गया है कि यह कैंप 17 अगस्त से 22 अगस्त 2026 तक प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित किया जा रहा है। कैंप में उपभोक्ता अपने विद्युत विपत्र से संबंधित त्रुटियों के सुधार के लिए आवेदन दे सकते हैं। बुधवार को आयोजित कैंप में कुल नौ उपभोक्ताओं ने विद्युत विपत्र में सुधार के लिए आवेदन दिया। इनमें से चार आवेदनों का अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर ही निष्पादन कर दिया। शेष आवेदनों की जांच की जा रही है तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कैंप में उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए मांझी प्रखंड के ताजपुर के जेई चंदन कुमार, एकमा जेई संतोष सावन, कार्यपालक सहायक हरेश कुमार तथा टेक्निशियन हरिशंकर कुमार मौजूद रहे।

रसूलपुर में श्री कृष्ण झूलनोत्सव की तैयारी को लेकर बैठक

रसूलपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बाबा दुर्गेश्वरनाथ शिवमन्दिर में वर्षों से चली आ रही श्री कृष्ण झूलनोत्सव की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इस पाँच दिवसीय आयोजन को लेकर समिति के सदस्यों सहित ग्रामीणों में काफी उत्साह है। झूलन की शुरूआत 24 अगस्त को होगी और इसका पूर्णाहुति 28 अगस्त को होगी। झूलन के आयोजन में सभी ग्रामवासी आर्थिक सहयोग में अपनी सहभागिता दिखा रहे हैं। इस आयोजन के मद्देनजर बुधवार को एक बैठक आयोजित की गई जिसमें मंदिर के पुजारी खीरू बाबा, उपमुखिया मनोज सोनी 'नन्हे' , छपरा से पधारे बबलू दुबे, सुल्तानपुर से पधारे राजकुमार सोनी, अशोक दुबे, बल्टू दुबे आर्मी, पिन्टू श्रीवास्तव, मंजीत मिश्रा, अनूप दुबे, शुभम दुबे, अमन दुबे, प्रिंस सोनी, अंशु चौरसिया सहित अनेक लोग उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता एवं प्रत्येक न्याय पंचायत में विधिक सहायता क्लिनिक की स्थापना को लेकर बैठक

न्याय तभी सार्थक है जब उसकी जानकारी और पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो : सचिव

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, पूर्वी चंपारण के तत्वावधान में एडीआर भवन, सिविल कोर्ट परिसर, मोतिहारी में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव नितिन त्रिपाठी की अध्यक्षता में बीपीआरओ (प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी) एवं न्याय सचिवों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में लगभग 90 प्रतिभागियों ने भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांक 12.09.2026 में अधिक से अधिक मामलों के निष्पादन हेतु प्रभावी रणनीति तैयार करना तथा आम लोगों तक लोक अदालत के लाभ एवं निःशुल्क विधिक सेवाओं की जानकारी पहुँचाना था। सचिव श्री नितिन त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में लंबित एवं सुलह योग्य मामलों की पहचान कर संबंधित पक्षकारों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए प्रेरित करें। बैठक में मोतिहारी प्रखंड की सभी न्याय पंचायतों में विधिक सहायता क्लिनिक स्थापित करने के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की गई। सचिव ने कहा कि विधिक सहायता क्लिनिक का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को उनके अधिकारों, उपलब्ध कानूनी उपायों तथा निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी उनके निकटतम स्तर पर उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक या सामाजिक कारणों से न्याय से वंचित न रहे। नितिन त्रिपाठी ने उपस्थित बीपीआरओ एवं न्याय सचिवों को निर्देश दिया कि वे जमीनी स्तर पर व्यापक विधिक जागरूकता अभियान चलाएँ तथा राष्ट्रीय लोक अदालत के साथ - साथ नालसा की विभिन्न जनकल्याणकारी एवं विधिक जागरूकता योजनाओं, निःशुल्क विधिक सहायता, मध्यस्थता, बाल विवाह निषेध, बाल संरक्षण, महिला अधिकार, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, नशा मुक्ति, मानव तस्करी, साइबर अपराध से बचाव तथा अन्य महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों के संबंध में आम जनता को जागरूक करें। सचिव ने कहा कि न्याय तभी सार्थक है जब उसकी जानकारी और पहुँच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे पंचायत स्तर पर सक्रिय भूमिका निभाते हुए विधिक जागरूकता को जन-आंदोलन का रूप दें तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार से उपलब्ध निःशुल्क विधिक सहायता एवं सेवाओं से जोड़ें। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में पंचायत स्तर पर प्रचार-प्रसार, जागरूकता कार्यक्रम, बैठकें एवं जनसंपर्क गतिविधियाँ आयोजित की जाएँ, ताकि अधिकाधिक पात्र एवं सुलह योग्य मामलों का निष्पादन आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनिश्चित किया जा सके।

पुलिया बंद होने से भुईली गांव में घुसा पानी, धान की फसल भी डूबी, पुनः पुलिया निर्माण की मांग

एकमा (सारण)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। डुमाईगढ़ से मशरख जाने वाली मुख्य सड़क पर एकमा नगर पंचायत के वार्ड संख्या एक स्थित भुईली गांव के समीप सड़क के बीच वर्षों पूर्व बनी पुलिया बंद होने से जल निकासी की समस्या गंभीर हो गई है। लगातार बारिश के बाद गांव में जलजमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। कई घरों में बारिश का पानी घुस गया है, जबकि खेतों में लगी धान की फसल भी पानी में डूबने लगी है। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों के अनुसार, उक्त पुलिया के माध्यम से सड़क के दोनों ओर जमा पानी की निकासी होती थी। सड़क पर गड्ढा होने के बाद पूर्व के बीडीओ के निर्देश पर पुलिया को बंद करा दिया गया था। इसके बाद से पानी की निकासी बाधित हो गई। वर्तमान में बारिश होने पर पानी गांव की ओर फैलने लगा है। जलजमाव की समस्या से परेशान ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक मनोरंजन कुमार सिंह उर्फ धूमल सिंह से शिकायत की।

जमीनी विवाद में दो भाइयों के बीच चली गोली, एक घायल

पालीगंज (पटना)/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सिंगोड़ी थाना क्षेत्र के कर्णपुरा गांव में बुधवार को जमीनी विवाद को लेकर दो भाइयों के बीच हुई कहासुनी के दौरान गोली चल गई। गोली लगने से गजेंद्र यादव घायल हो गए। गोली उनके बाएं पैर के घुटने में लगी है। ग्रामीणों के अनुसार, कर्णपुरा गांव निवासी उपेंद्र यादव और गजेंद्र यादव के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बुधवार को किसी बात को लेकर दोनों भाइयों के बीच कहासुनी हो गई। इसी दौरान मामला बढ़ने पर गोली चला दी गई, जिसमें गजेंद्र यादव के बाई पैर के ठेंहुने में गोली लग गई। जिससे घुटने बुरी तह छठी ग्रस्त हो गई। घायल गजेंद्र यादव को परिजनों ने तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल रामपुर नगवां पहुंचाया, जहां उनका प्राथमिक इलाज के बाद पटना रेफर कर दिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही सिंगोड़ी थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ कर्णपुरा गांव पहुंचे और घटनास्थल की जांच करते हुए मामले की पड़ताल शुरू कर दी।

वैशाली में 24.3 लाख नागरिकों ने बनाई आभा आईडी, घर बैठे भी बना सकते हैं डिजिटल हेल्थ आईडी

लक्ष्य का 57.43 प्रतिशत पूरा, गांव स्तर पर आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से भी बनाया जा रहा आभा कार्ड

हाजीपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत वैशाली जिले में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है। जिले में अब तक 24.3 लाख नागरिक आभा आईडी बनाकर डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था से जुड़ चुके हैं। आभा आईडी के साथ स्कैन एंड शेयर और डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड जैसी सुविधाएं स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक व्यवस्थित और सुविधाजनक बनाने में मदद कर रही हैं। गांव स्तर पर भी नागरिकों को डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ने के लिए आशा कार्यकताओं के माध्यम से आभा आईडी निर्माण में सहयोग किया जा रहा है।

लक्ष्य का 57.43 प्रतिशत हुआ पूरा

जिले में 42.3 लाख लोगों के लिए आभा आईडी निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके मुकाबले 24.3 लाख नागरिकों की आभा आईडी बन चुकी है। यह निर्धारित लक्ष्य का 57.43 प्रतिशत है। डिजिटल स्वास्थ्य पहचान को लेकर जिले में लगातार जागरूकता और सहयोग की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा से जुड़ सकें।

14 अंकों की डिजिटल स्वास्थ्य पहचान

आभा आईडी 14 अंकों की डिजिटल स्वास्थ्य पहचान है। इसके माध्यम से नागरिक अपने स्वास्थ्य से जुड़े रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से सुरक्षित और व्यवस्थित रख सकते हैं। जांच रिपोर्ट, चिकित्सकीय परामर्श और उपचार से संबंधित जानकारी को डिजिटल रूप में रखने की सुविधा मिलती है। मरीज की सहमति के आधार पर आवश्यकता के अनुसार स्वास्थ्य संबंधी जानकारी संबंधित स्वास्थ्य सेवा प्रदाता के साथ साझा की जा सकती है।

घर बैठे भी बना सकते हैं आभा आईडी

आभा आईडी बनवाने के लिए नागरिकों को केवल स्वास्थ्य केंद्र तक जाने की आवश्यकता नहीं है। नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र, स्वास्थ्य उपकेंद्र या कॉमन सर्विस सेंटर की सहायता से आभा आईडी बनवाई जा सकती है। इसके साथ ही मोबाइल और डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर नागरिक स्वयं भी निःशुल्क आभा आईडी बना सकते हैं। आरोग्य सेतु ऐप के माध्यम से भी आभा आईडी बनाने की सुविधा उपलब्ध है। गांव स्तर पर आशा कार्यकताओं द्वारा भी नागरिकों को आभा आईडी निर्माण में आवश्यक सहयोग और जानकारी दी जा रही है।

स्कैन एंड शेयर से पंजीकरण हुआ आसान

स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध स्कैन एंड शेयर सुविधा के माध्यम से मरीज मोबाइल फोन से क्यूआर कोड स्कैन कर पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। इससे स्वास्थ्य संस्थान में पंजीकरण के लिए आवश्यक प्रक्रिया अधिक डिजिटल और सुविधाजनक बनती है। जिले में निजी क्षेत्र के स्वास्थ्य संस्थानों को भी डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में काम किया जा रहा है।

योजनाओं के लिए जमीन चिन्हित करते हुए अनापत्ति प्रमाण पत्र शीघ्र उपलब्ध कराएं अंचल अधिकारी

नीलाम पत्र वाद के मामले को नीलम पत्र पदाधिकारी गंभीरता से लें एवं समुचित कार्रवाई करें

मोतिहारी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिला,अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्य विभाग के अभियंताओं के साथ पूर्वी चंपारण समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में अंतर्विभागीय समन्वय बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी श्री सौरभ सुमन यादव ने कहा कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को निर्धारित समय में पूर्ण किया जाना है। इसके लिए जिन विभागों से जमीन की उपलब्धता की मांग की गई है, अंचल अधिकारी उसके लिए जमीन चिह्नित करते हुए यथा शीघ्र जमीन संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराएं। बैठक में उपस्थित उप विकास आयुक्त के द्वारा बताया गया कि जिले में 262 पंचायत में खेल मैदान पूर्ण हो चुके हैं जबकि 132 जगह अभी भूमि संबंधी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। जिलाधिकारी के द्वारा संबंधित अंचलाधिकारी को इस संबंध में शीघ्र जमीन चिह्नित करते हुए उसका एनओसी देने का निर्देश दिया गया। उप विकास आयुक्त के द्वारा बताया गया कि जिले में 112 हाट/बाजार की सूची अंचलाधिकारीयों को उपलब्ध कराई गई है जहां पर अतिक्रमण है परंतु अंचल अधिकारियों के द्वारा इससे संबंधित अतिक्रमणवाद नहीं चलाया गया है। इस पर जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि प्राप्त सूची के आलोक में अंचलाधिकारी संबंधित हाट/बाजार की जांच करते हुए संबंधित पक्ष को नोटिस करते हुए अतिक्रमणवाद चलाएं। जी राम जी (मनरेगा) योजना अंतर्गत जिले में आंगनवाड़ी का निर्माण कराया जाना है। इसके अंतर्गत कुल 105 आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण लंबित है, इस पर जिलाधिकारी के द्वारा संबंधित सीडीपीओ को अपने अंचल अधिकारी से मिलकर जमीन चिह्नित करते हुए एनओएस प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। जिला पंचायत राज पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि पंचायत सरकार भवन के लिए चिन्हित जमीन में 14 जमीन भूमि विवाद से संबंधित है। जिलाधिकारी के द्वारा संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी को विवाद की प्रकृति देखते हुए विभागीय गाइड लाइन के अनुसार शीघ्र समाधान निकालने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि पंचायत सरकार भवन सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है जिसे शीघ्र पूर्ण किया जाना अत्यंत आवश्यक है।सिविल सर्जन के द्वारा बताया गया कि बंजरिया एवं रामगढ़वा अंचल में सीएचसी का निर्माण किया जाना है साथ ही जिला में 15 हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर/उप स्वास्थ्य केंद्र का भी निर्माण किया जाना है जिसके लिए भूमि की आवश्यकता है। इस पर जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि सभी विभागीय पदाधिकारी जिनको भी भूमि की आवश्यकता है खुद से भूमि चिन्हित करते हुए संबंधित अंचल अधिकारी से समन्वय बनाकर उसका एनओसी प्राप्त करें। बैठक में बताया गया की 60 आंगनबाड़ी केंद्र बगल के स्कूल में शिफ्ट हुए हैं, इसपर जिलाधिकारी के द्वारा संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देश दिया गया की स्कूल परिसर में ही अगर जगह है तो आंगनबाड़ी के लिए कमरा वहीं पर बनवाने का प्रस्ताव दिया जाए। बैठक में उपस्थित सभी नीलम पत्रवाद से संबंधित पदाधिकारी को जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया गया कि नीलाम पत्र के मामले को पदाधिकारी गंभीरता से लें एवं उस पर समुचित कार्रवाई करें। सभी बड़े मामलों को चिन्हित कर देनदारों के विरुद्ध विहित प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए वारंट जारी किया जाए। प्रखंड और अंचल स्तर पर भी बड़े बकायादारों की सूची मीडिया को उपलब्ध कराई जाए ताकि समाचार पत्रों में बकायादारों का नाम प्रकाशित हो सके। पुलिस विभाग के तरफ से पुलिस उपाधीक्षक, हेड क्वार्टर के द्वारा बताया गया कि कुल 1985 पत्र नीलम पात्रवाद का प्राप्त हुए हैं, जिसमें 795 का डिस्पोजल कराया गया है। वर्तमान में नीलम पत्रवाद से संबंधित 1190 शेष मामले लंबित है जिस पर अग्रेतर पर कार्रवाई की जा रही है।

एक नजर

कांग्रेस की बैठक में फूटा कार्यकर्ताओं का आक्रोश

बिहारशरीफ। नालंदा जिला कांग्रेस की बैठक में बुधवार को पार्टी की चुनावी रणनीति और नेतृत्व की कार्यशैली को लेकर कार्यकर्ताओं ने जमकर नाराजगी जताई। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव में स्थानीय और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर बाहरी उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारा जाता है, जिसका खामियाजा पार्टी को लगातार चुनावी हार के रूप में भुगतना पड़ रहा है।बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जमाल अहमद भल्लू ने कहा कि कांग्रेस के प्रति समर्पित कार्यकर्ता को कोई पार्टी से बाहर नहीं कर सकता। पूर्व विधायक छत्रपति यादव और पूर्व महासचिव नागेंद्र प्रसाद विकल ने कहा कि कार्यकर्ता 8 सितंबर को दिल्ली पहुंचकर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के समक्ष अपनी समस्याएं और मांगें रखेंगे।कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि 2025 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश नेतृत्व और बिहार कांग्रेस प्रभारी की कार्यशैली से जमीनी कार्यकर्ताओं की उपेक्षा हुई और उनकी अस्मिता के साथ खिलवाड़ किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति रही तो बिहार कांग्रेस की हालत तमिलनाडु और बंगाल जैसी हो सकती है।बैठक में आगामी चुनावों में स्थानीय व निष्ठावान कार्यकर्ताओं को सम्मान, संगठन में जिम्मेदारी और टिकट में प्राथमिकता देने की मांग उठी। कार्यकर्ताओं ने बैठक के स्थान को लेकर भी सवाल खड़े किए। उनका कहना था कि जिस निजी सभागार में बैठक हुई, वहां से महज एक किलोमीटर की दूरी पर कांग्रेस का जिला कार्यालय मौजूद है। इसके बावजूद बैठक पार्टी कार्यालय में नहीं कराए जाने पर कार्यकर्ताओं ने नाराजगी जताई।

सोनू राम हत्याकांड में नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग

बिहारशरीफ। सोनू राम हत्याकांड के नामजद आरोपितों की गिरफ्तारी और मृतक की जमीन वापस दिलाने की मांग को लेकर बुधवार को एक निजी सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। कौशल कुमार ने आरोप लगाया कि अस्थावां निवासी सोनू राम को डरा-धमकाकर प्रेमिला देवी और उसके परिजनों ने जमीन लिखवा ली थी। आरोप के अनुसार, जमीन के बकाए पैसे मांगने पर विवाद हुआ। पंचायती के दौरान मुकेश यादव, विकेश यादव और दारा यादव ने सोनू राम को जान से मारने की धमकी दी थी। 4 मई 2026 को सोनू घर से निकले और लापता हो गए। 8 मई को मानपुर थाना क्षेत्र से बरामद अज्ञात शव की पहचान आधार कार्ड से सोनू राम के रूप में हुई। मृतक की पत्नी माधुरी देवी ने 9 मई को तीनों नामजद आरोपितों के खिलाफ अपहरण और हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। परिजनों का आरोप है कि घटना के करीब तीन महीने बीत जाने और वरीय पुलिस अधिकारियों को आवेदन देने के बावजूद गिरफ्तारी नहीं हुई। उल्टे आरोपित केस उठाने की धमकी दे रहे हैं। चंद्रवंशी परिवार संघ ने एक सप्ताह में आरोपितों की गिरफ्तारी न होने पर जिला मुख्यालय में आक्रोश मार्च निकालने की चेतावनी दी है। मौके पर अशोक कुमार, संतोष भारती, निशांत कुमार, सुनील कुमार और सबलू कुमार मौजूद थे।

मानसून की बेरुखी से सूखे खेत

अंबा (औरंगाबाद)। मानसून की बेरुखी ने कुटुंबा प्रखंड के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। धान रोपनी का अनुकूल समय बीतने के बावजूद पर्याप्त बारिश नहीं होने से बड़ी संख्या में खेत खाली पड़े हैं। कई खेतों में धूल उड़ रही है तो जिन किसानों ने डीजल और मोटर पंप के सहारे रोपनी की, वहां भी पानी के अभाव में फसल पर संकट मंडरा रहा है। किसानों के अनुसार, स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो खरीफ फसल के साथ आगामी रबी की तैयारी भी प्रभावित होगी। प्रखंड की वर्मा, पिपरा बगाही, मटपा, संडा, परता, बलिया, डुमरा और डुमरी पंचायतों में हालात अधिक चिंताजनक बताए जा रहे हैं। सरईवार के किसान सुरेंद्र सिंह, डब्लू सिंह व अनिल सिंह तथा पोला के टुटू सिंह और राहुल सिंह ने बताया कि निजी संसाधनों से महंगे डीजल पर किसी तरह रोपनी की गई, लेकिन खेतों में पानी सूखने से दरारें पड़ने लगी हैं। प्रखंड कृषि पदाधिकारी डॉ. दीपक ने कहा कि बारिश की स्थिति और धान रोपनी की प्रगति पर विभाग लगातार नजर रख रहा है। प्रभावित क्षेत्रों का आकलन कर वरीय अधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जाएगी। किसानों को सरकारी प्रावधानों के तहत मिलने वाली सहायता के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। किसानों ने जिलाधिकारी से प्रभावित पंचायतों का स्थल निरीक्षण कराने, कुटुंबा के सूखाग्रस्त इलाकों का आकलन कर राहत देने तथा फसल क्षति के अनुरूप मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि समय रहते राहत नहीं मिली तो आर्थिक संकट और गहरा सकता है।

तुलसी जयंती पर पूजा-भजन का आयोजन

दाउदनगर (औरंगाबाद)। श्री हनुमान मंदिर में तुलसी जयंती समारोह का आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा अर्चना हनुमान मंदिर के पुजारी देवशरण मिश्रा द्वारा कराया गया। हनुमान मंदिर के पुजारी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने मुख्य रूप से 12 प्रमाणिक ग्रंथ (पुस्तक) लिखे हैं। जिनमें श्रीरामचरितमानस उनका सबसे प्रसिद्ध और महान महाकाव्य है। इसके अलावा हनुमान चालीसा को भी उन्हीं की रचना माना जाता है। घर-घर पाठ होने वाले हनुमान चालीसा की रचना कर गोस्वामी जी, जन-जन की वाणी में बसे हुए हैं। इस अवसर पर हनुमान मंदिर के अध्यक्ष कुमार नरेंद्र देव, पूजा व्यवस्थापक पप्पू गुप्ता, कोषाध्यक्ष नाथू साव, रामजी प्रसाद, राजवल्लभ शर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर भजन कीर्तन का आयोजन किया गया। स्थानीय भजन मंडली टीम में जयशंकर यादव, व्यास राजेंद्र सिंह, बिरहा गायक भाई अवधेश, महेश शर्मा, जितेंद्र यादव, नंद जी शामिल रहे।

कुटुंबा में निकलेगी भव्य शोभायात्रा

अंबा (औरंगाबाद)। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 650वीं जयंती के अवसर पर कुटुंबा प्रखंड में दो दिवसीय 'समरसता संकल्प अभियान' के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 19 और 20 अगस्त को अनुसूचित जाति एवं महादलित टोलों में विभिन्न कार्यक्रम होंगे। अभियान का मुख्य आकर्षण 20 अगस्त को निकाली जाने वाली भव्य कलश शोभायात्रा होगी। गुरुवार को दोपहर 12 बजे प्रखंड मुख्यालय से शोभायात्रा निकलेगी, जो अंबा थाना के समीप स्थित रविदास मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न होगी। यात्रा में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, जीविका दीदियों, विकास मित्रों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों के शामिल होने की संभावना है। बीडीओ कुटुंबा प्रियांशु बसु के अनुसार विधायक, प्रखंड प्रमुख, उपप्रमुख, बीस सूत्री अध्यक्ष, मुखिया, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य समेत त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों को आयोजन में भाग लेने के लिए निर्देशित किया गया है। वहीं विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मियों को भी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने को कहा गया है। अभियान का उद्देश्य संत रविदास के समानता, सामाजिक न्याय और बंधुत्व के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। शोभायात्रा के जरिए सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया जाएगा। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।

रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 गोरखा ग्रीन नवादा में लॉन्च

नवादा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पटना-रांची रोड, केंदुआ स्थित मंजुराज रॉयल एनफील्ड शोरूम में रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 गोरखा ग्रीन की लॉन्चिंग की गई। यह विशेष संस्करण गोरखा रेजिमेंट के अदम्य साहस, गौरवशाली विरासत और जज्बे को सम्मान देने के रूप में पेश किया गया है। इसका नया गोरखा ग्रीन रंग क्लासिक 350 के रेट्रो डिजाइन और दमदार सड़क उपस्थिति को और खास बनाता है। इसमें जे-सीरीज इंजन, पूरी तरह एलईडी लाइटिंग, असिस्ट एवं स्लिपर क्लच, यूएसबी टाइप-सी फास्ट चार्जर और ट्रिपर नेविगेशन जैसे प्रमुख फीचर्स मिलते हैं। मंजुराज रॉयल एनफील्ड के प्रोपराइटर श्याम अग्रवाल ने कहा कि नए गोरखा ग्रीन रंग को लेकर ग्राहकों और बाइक प्रेमियों में काफी उत्साह है। सेल्स मैनेजर आनंद प्रताप सिंह ने बताया कि खासकर युवाओं के बीच इस नए रंग को लेकर काफी उत्साह है और आने वाले दिनों में इसकी बुकिंग बढ़ने की उम्मीद है।

रानी तालाब परिसर में छठ मेले से पहले दुरुस्त होंगी लाइट व सुविधाएं

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के अंतर्गत रानी तालाब के समग्र विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए कराए जा रहे कार्यों का बुधवार को जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया तथा संबंधित पदाधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री समग्र विकास योजना के तहत रानी तालाब परिसर में पार्क के सौंदर्यीकरण एवं विकास का कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने इन सभी कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्धारित मानकों एवं समय-सीमा के अनुरूप कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने नगर पंचायत द्वारा की जाने वाली प्रकाश व्यवस्था को इस प्रकार विकसित करने का निर्देश दिया कि इसका लाभ स्थानीय लोगों के साथ-साथ श्रद्धालुओं को भी मिल सके। विशेष रूप से छठ मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त एवं व्यवस्थित लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अतिरिक्त रानी तालाब परिसर में पेवर ब्लॉक लगाने तथा आवश्यकतानुसार हाई मास्ट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश भी संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि रानी तालाब के विकास कार्य इस प्रकार किए जाएं कि यह क्षेत्र आमजन एवं श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक, सुरक्षित एवं आकर्षक बन सके। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के क्रम में सदर अनुमंडल पदाधिकारी गौरव सिंह, जिला योजना पदाधिकारी अविनाश प्रकाश, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत देव, प्रखंड विकास पदाधिकारी देव उपस्थित थे।

मासूम बच्ची के परिवार को आर्थिक सहयोग और न्याय दिलाने की पहल पर नितिन अभिषेक साहू को धन्यवाद

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। पकरीबरावां प्रखंड में पानीपुरी विक्रेता अवधेश साह की आठ वर्षीय पुत्री के अपहरण व हत्या मामले में भाजपा के प्रदेश महामंत्री नितिन अभिषेक साहू की पहल पर नवादा जिला तैलिक साहू सभा ने आभार जताया है। नवादा के कारू साहू सदन में 14 अगस्त को आयोजित सम्मान समारोह के दौरान प्रदेश महामंत्री को इस घटना की जानकारी मिली थी। उन्होंने तत्काल पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद और स्पीडी ट्रायल के जरिए दोषियों को कठोर सजा दिलाने में सहयोग का आश्वासन दिया था। अपने वादे के अनुसार नितिन अभिषेक साहू ने पीड़ित परिवार को पटना बुलाकर ढांढस बंधाया और आर्थिक सहायता प्रदान की। साथ ही वरीय पुलिस अधिकारियों से बात कर त्वरित कार्रवाई और स्पीडी ट्रायल के निर्देश का आग्रह किया। आभार जताने वालों में तैलिक साहू सभा के जिलाध्यक्ष जितेंद्र कुमार, जिला महामंत्री अरविंद कुमार गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय साव, उपाध्यक्ष हीरा लाल साव, प्रदीप कुमार, गौतम भारती, पंकज साव, विनोद कुमार, सुनील गुप्ता, राजेश्वर प्रसाद राजेश, किरण भारती, नीतु रानी सिन्हा, स्नेहलता गुप्ता, राखी गुप्ता, कमला मुखिया, प्रो. अनिल प्रसाद, प्रो. कृष्ण मुरारी प्रसाद, सत्येंद्र प्रसाद, मुरारी मनोहर, मनोज साव, सत्येंद्र साव, संदीप कुमार, आमोद साव, नंदकिशोर साव और शिवदास शामिल हैं। सभी ने दिवंगत बच्ची की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

मनपुरा के जरूरतमंद परिवारों को मिला जमीन का बंदोबस्ती पर्चा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हसपुरा (औरंगाबाद)। प्रखंड की डुमरा पंचायत के मनपुरा गांव में गरीब परिवारों को बड़ी राहत मिली है। अंचल कार्यालय की ओर से सूर्यमणि देवी, मुन्नी देवी, बसंती देवी, अमीषा कुमारी, शिव कुमारी देवी समेत अन्य लाभुकों को बंदोबस्ती पर्चा प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया। पर्चा मिलने के बाद वर्षों से जमीन और आशियाने को लेकर बनी चिंता काफी हद तक दूर हुई है। बंदोबस्ती पर्चा दिलाने में ग्राम कचहरी डुमरा के सरपंच प्रतिनिधि श्याम किशोर यादव की पहल और सहयोग महत्वपूर्ण रहा। पर्चा हाथ में आते ही लाभुकों के चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। लाभुकों ने कहा कि अब उन्हें अपने घर और जमीन को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं रहेगी।स्थानीय लोगों के अनुसार, वर्ष 2023 से अब तक डुमरा, रतनपुर और मनपुरा क्षेत्र के सैकड़ों जरूरतमंद परिवारों को बंदोबस्ती पर्चा दिलाने की प्रक्रिया में सहयोग किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गरीब परिवारों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने और उनके समाधान के लिए श्याम किशोर यादव लगातार सक्रिय रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि जनप्रतिनिधि का वास्तविक दायित्व जनता की समस्याओं को समझना और जरूरत के समय उनके साथ खड़ा होना है। गरीब परिवारों को बंदोबस्ती पर्चा दिलाने की पहल को इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पर्चा मिलने के बाद लाभुकों के चेहरे पर दिखी खुशी इस बात की गवाही दे रही थी कि वर्षों से जमीन और आशियाने को लेकर बनी चिंता के बीच सरकारी दस्तावेज मिलना उनके लिए बड़ी राहत है।

नदी में डूब रहे तीन दोस्तों को युवक ने बचाया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। सिमरा थाना और मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत खडीहा गांव के समीप अदरी नदी में अदरी नदी में डूब कर 18 वर्षीय एक युवक लापता हो गया। लापता युवक की पहचान खडीहा गांव निवासी युगल भुईया के पुत्र मनीष कुमार के रूप में की गई है। मनीष अपने तीन अन्य दोस्तों अदरी नदी में स्नान करने गया था। जहां तीन दोस्त अचानक डूबने लगे, जिन्हें मनीष ने किसी तरह सभी को बचाया। लेकिन खुद पानी की तेज बहाव में आगे निकल गया और लापता हो गया। इसके बाद दोस्तों ने घटना की जानकारी परिजनों और पुलिस को दी। घटना की जानकारी होने पर युवक के परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची सिमरा और मुफस्सिल थाना की पुलिस तथा स्थानीय लोगों की मदद से युवक की तलाश में जुटी है। लेकिन खबर लिखें जाने तक मनीष का पता नहीं चल सका है। सिमरा थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार के अनुसार पिछले दो तीन दिनों से लगातार बारिश के कारण अदरी नदी में अचानक बाढ़ जैसी हालत उत्पन्न हो गई है। ऐसे में लापता युवक को खोजना थोड़ा मुश्किल हो रहा है। उन्होंने बताया कि खडीहा गांव के एक तरफ सिमरा थाना पड़ता है, जबकि दूसरे तरफ मुफस्सिल थाना पड़ता है। दोनों थानों की संयुक्त मदद से युवक की खोजबीन की जा रही है। एसडीआरएफ टीम को भी सूचित किया है ताकि जल्द से जल्द डूबे युवक का पता लगाया जा सके।

किशोरी सिन्हा कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय में छात्राओं के लिए स्वास्थ्य शिविर, 200 छात्राओं की जांच

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। भारतीय रेड क्रॉस समिति, औरंगाबाद एवं जूनियर रेड क्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में किशोरी सिन्हा कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, औरंगाबाद में छात्राओं के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य छात्राओं को किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तनों, व्यक्तिगत स्वच्छता, पोषण, एनीमिया की रोकथाम तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन भारतीय रेड क्रॉस समिति, औरंगाबाद के चेयरमैन सतीश कुमार सिंह एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जूनियर रेड क्रॉस के अध्यक्ष दयाशंकर सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं, रेड क्रॉस एवं जूनियर रेड क्रॉस के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं।

शिविर के दौरान छात्राओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वच्छ पेयजल के उपयोग, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, मानसिक स्वास्थ्य तथा विभिन्न बीमारियों से बचाव के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान करीब 200 छात्राओं के स्वास्थ्य की जांच की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय रेड क्रॉस समिति, औरंगाबाद के अध्यक्ष सतीश कुमार सिंह ने कहा कि रेड क्रॉस का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य एवं मानवीय सहायता पहुंचाना है। छात्राओं के लिए आयोजित इस तरह के स्वास्थ्य शिविर उन्हें अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के साथ स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।

जिला शिक्षा पदाधिकारी सह जूनियर रेड क्रॉस के अध्यक्ष दयाशंकर सिंह ने कहा कि विद्यालयों में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिए बेहद उपयोगी हैं। उन्होंने छात्राओं से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को अपने दैनिक जीवन में अपनाने तथा परिवार और समाज के अन्य लोगों को भी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि छात्राओं में स्वास्थ्य जागरूकता विकसित करना जूनियर रेड क्रॉस की महत्वपूर्ण गतिविधियों में शामिल है।

कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने तथा किसी भी स्वास्थ्य समस्या को नजरअंदाज नहीं करने की सलाह दी गई। विद्यालय प्रशासन ने भारतीय रेड क्रॉस समिति एवं जूनियर रेड क्रॉस के सहयोग से आयोजित शिविर को छात्राओं के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया। इस अवसर पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सचिव दीपक कुमार, कोषाध्यक्ष शिव गुप्ता, प्रबंध एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्य पिंटू गुप्ता, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सिन्नी बाला, पंकज कुमार, राजीव पांडेय, रामाधार कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. चंदन कुमार, सदर अस्पताल औरंगाबाद के स्वास्थ्य प्रबंधक शाहीन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्वजों ने स्कूल को दान की जमीन, अब जमाबंदी स्कूल के नाम कराने की मांग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। राजकीयकृत उच्च माध्यमिक (+2) विद्यालय, बेढ़ना के नाम पूर्वजों द्वारा दान की गई जमीन की जमाबंदी अब तक दानदाताओं के नाम से चलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में जमीन दान करने वाले पूर्वजों के 17 वारिसों ने अंचलाधिकारी, अंचल देव को आवेदन देकर संबंधित जमीन की जमाबंदी विद्यालय के नाम खोलने और नामांतरण करने की मांग की है। अंचलाधिकारी को दिए आवेदन में आवेदकों ने बताया है कि उनके पूर्वजों ने वर्ष 1961 में दानपत्र संख्या 12325 और 12324 के माध्यम से जमीन राज कुमार सिंह हाई इंग्लिश स्कूल, बेढ़ना के पक्ष में दान की थी। इसके अलावा केवाला संख्या 9547 के माध्यम से भी जमीन राज कुमार सिंह हाई स्कूल, बेढ़ना के नाम की गई थी। आवेदन में केवाला की तिथि 1 अगस्त 1963 का उल्लेख किया गया है। आवेदकों का कहना है कि दानपत्र और केवाला किए जाने के बाद से ही संबंधित जमीन पर विद्यालय का कब्जा चला आ रहा है। इसके बावजूद अब तक जमीन की जमाबंदी दानपत्र और केवाला के आधार पर विद्यालय के नाम नहीं हो सकी है। दूसरी ओर, जमीन की जमाबंदी अभी भी उनके पूर्वजों के नाम से चल रही है और मालगुजारी भी उनके वारिसों द्वारा दी जा रही है। आवेदन में कहा गया है कि जब जमीन वर्षों पहले विद्यालय के लिए दान की जा चुकी है और उस पर विद्यालय का कब्जा भी है, तो राजस्व अभिलेख में भी इसे विद्यालय के नाम दर्ज किया जाना चाहिए। आवेदकों ने अंचल प्रशासन से दानपत्र एवं केवाला में वर्णित जमीन की जमाबंदी राजकीयकृत उच्च माध्यमिक (+2) विद्यालय, बेढ़ना, थाना-दिबरा, अंचल-देव के नाम से खोलने का अनुरोध किया है।इस आवेदन पर पूर्वजों के वारिसों के रूप में जनार्दन प्रसाद, अनिल बैध, रघुवंश बैध, मनोज बैध, प्रदीप बैध, श्रीनिवास बैध, अरविंद कुमार बैध, अवधेश मिश्र, हरिशंकर प्रसाद, शिववंशी प्रसाद, गुड्डू कुमार सिंह, सुधीर प्रसाद, विनोद प्रसाद, श्यामबिहारी प्रसाद, राज किशोर प्रसाद, अनुज प्रसाद और नरेंद्र कुमार समेत 17 लोगों के हस्ताक्षर हैं। आवेदकों ने अंचलाधिकारी से मामले की जांच कर दानपत्र एवं केवाला में दर्ज जमीन का राजस्व रिकॉर्ड विद्यालय के नाम दुरुस्त करने की कार्रवाई करने की मांग की है।

खोया और पाया

यह सूचना सार्वजनिक को सूचित करने के लिए है कि दस्तावेज़ संख्या 1171, सीरियल संख्या - 1186, टोकन संख्या- 1209 दिनांक-02-03-2009 को निबंधन कार्यालय, औरंगाबाद में श्री मो० कुसुम देवी पति- द्वारीका प्रसाद, मो० जलाल मो० नसीम, पुत्र- मो० सरफुदीन साह के पक्ष पंजीकृत हुई थी जिसका कुल रकबा - 3 डेसिमल संपत्ति के संबंध में बनाया गया था, जिसका थाना नंबर- 414, खाता नंबर 19, प्लॉट नंबर -60 है जो मौजा अहमदपुर, थाना- रफीगंज, अंचल रफीगंज, जिला-औरंगाबाद, पंजीयक कार्यालय- औरंगाबाद, बिहार में स्थित है, जो केवाला का फोटो कॉपी करवाने बाजार जा रहा था केवाला रास्ता मे गिर गया गुम हो गया दिनांक -20.07.2026 को इसकी मूल प्रति खो गई है। यह दस्तावेज़ केबला दस्तावेज़ संख्या 16914,1012 दिनांक- 12-09-2023, 31-01-2012 की श्रृंखला दस्तावेज़ है, जिसमें वर्णित संपत्ति को मेसर्स चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड को गिरवी रखने की प्रक्रिया में है।

यदि किसी ने उक्त विलेख पाया है, तो कृपया निम्नलिखित संपर्क विवरण पर सूचित करें और साथ ही इस लेनदेन में रुचि रखने वाले सभी पक्षों या जो संपत्ति के खिलाफ दावा करना चाहते हैं, वैसे तमाम लोगों से अनुरोध है कि प्रकाशन की तारीख से 14 दिनों के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।

गौरव कुमार
एस के लॉ ऑफिस
खेतन भवन पिरमुहानी
नियर विरधारी मन्दिर कदाम कॉउन
पटना पिन -800003
मो0-7979718224,8271861119

सड़क पर जल जमाव का समाधान करने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। सड़क पर जल जमाव से परेशानियों से को लेकर देव नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी विकास कुमार को भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला कोषाध्यक्ष सह सभापति प्रतिनिधि आलोक कुमार सिंह ने ज्ञापन सौंपा है। आलोक कुमार सिंह ने बताया कि देव नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड नंबर 03 अंतर्गत दत्तुबिगहा में सड़क पर जल जमाव के चलते लोगों को काफी परेशानी हो रही है। उन्होंने तत्काल जलनिकासी और क्षतिग्रस्त सड़क को आवागमन सुव्यवस्थित कराने की मांग की। विदित हो कि पिछले वर्ष से ही जल निकासी नही हो पाने की समस्या के चलते दत्तुबिगहा जाने वाले मार्ग पर जल जमाव से पैदल चलने वाले राहगीरों को काफी परेशानी हो रही है। खाश कर स्कूल जाने वाले बच्चे और अन्य आवश्यक कार्य से बाहर आने जाने वाले महिलाओं को काफी परेशानी की सामना करना पड़ता है। हालांकि तत्कालीन नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह के निर्देश पर नगर पंचायत द्वारा उक्त सड़क निर्माण एवं जल निकासी के लिए नाला निर्माण का प्राक्कलन बनाया गया था किंतु नगर पंचायत के अकर्मण्यता के कारण योजना की स्वीकृति ससमय नही कराया जा सका। हल्की बारिश में भी सड़क पर चलना दूभर हो जाता है। देव में प्रत्येक वर्ष कार्तिक एवं चैती छठ मेला के अवसर पर लाखों छठव्रती देव में आते है। छठ में आने वाले श्रद्धालुओं की एक बड़ी आबादी उक्त क्षेत्र में स्थायी रूप से ठहराव होता है। दत्तुबिगहा में आने जाने का एक मात्र मार्ग है जो जल जमाव के कारण आवागमन प्रभावित हो रहा। कार्यपालक पदाधिकारी ने शीघ्र जल निकासी के लिए तात्कालिक उपाय कराने और गड्ढे को भर कर आने जाने के दृष्टि से उपयोगी कराने का भरोषा दिलाया और आवंटन प्राप्त होते ही प्राक्कलन के अनुसार कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाने का आश्वासन दिया।

'स्वास्थ्य एवं पोषण' विषय पर बौद्धिक परिचर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दाउदनगर (औरंगाबाद)। दाउदनगर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से पिछले सोमवार से शुरू हुई सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन अंकोढ़ा के सिपहां में स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत लक्ष्यगीत, प्रेरक उद्बोधन एवं प्रातःकालीन योगाभ्यास से हुई, जिसमें स्वयंसेवकों के साथ स्थानीय ग्रामीण भी शामिल हुए। जागरूकता अभियान रैली के दौरान स्वयं सेवकों के हाथों में स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी नारों की तख्तियां भी दिखी। सिपहां स्थित सामुदायिक भवन मंच पर स्वयंसेवकों ने भावविभोर करने वाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर ग्रामीणों को जागरूक किया। नुक्कड़ नाटक मुख्यतः महिला एवं किशोरियों के स्वास्थ्य पर केन्द्रित था। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ देव प्रकाश के निर्देशन में 'स्वास्थ्य एवं पोषण' विषय पर बौद्धिक परिचर्चा भी आयोजित की गयी। परिचर्चा का मुख्य उद्देश्य 'स्वस्थ जीवनशैली और वैज्ञानिक पोषण' के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता बढ़ाना था। रसायन विज्ञान के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. सुमन शेखर ने विस्तृत जानकारियां ग्रामीणों के बीच साझा किया। स्वास्थ्य एवं पोषण पर आयोजित बौद्धिक परिचर्चा में प्रतिभागी स्वयंसेवकों एवं ग्रामीणों को संतुलित आहार, आवश्यक पोषक तत्वों, मेटाबोलिज्म, हाइड्रेशन तथा रोग-निवारण के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, फैट्स, विटामिन, जल एवं फाइबर के स्रोत, कार्य और चिकित्सकीय महत्व समझाए गए। साथ ही मधुमेह, मोटापा, अनीमिया आदि जैसी स्थितियों में पोषण की भूमिका पर चर्चा की गई। कार्यक्रम समापन से पहले अगले दिन के कार्यक्रम 'शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य' विशेष शिविर की रूपरेखा पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का संचालन दर्शनशास्त्र की सहायक प्राध्यापिका डॉ. रोज़ी कांत ने किया। धन्यवाद ज्ञापन दर्शनशास्त्र के सहायक प्राध्यापक डॉ. वरूण कुमार चौबे ने किया। कार्यक्रम में मनोविज्ञान के सहायक प्राध्यापक डॉ. श्रीनिवास सिंह, सहायक प्राध्यापिका मनोविज्ञान डॉ शहला बानो ,हिंदी के सहायक प्राध्यापक मंजू कुमार सोरेन एवं प्राथमिक विद्यालय, सिपहा के छात्र-छात्रा सहित ग्रामीण शामिल रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान गाकर किया गया।

सीईओ ने पाकुड़ एवं लिट्टीपाड़ा के मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

सभी पात्र भारतीय नागरिक विशेष गहन पुनरीक्षण में लें भाग

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पाकुड़। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बुधवार को पाकुड़ जिले के पाकुड़ एवं लिट्टीपाड़ा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के सीमावर्ती इलाकों में स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली तथा स्थानीय ग्रामीणों से संवाद कर मतदाता सूची में दर्ज विवरणों एवं बीएलओ द्वारा किए जा रहे घर-घर सत्यापन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों एवं बीएलओ को निर्देश दिया कि घर-घर सत्यापन की प्रक्रिया पूरी गंभीरता एवं सावधानी से की जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि यथासंभव एक परिवार के सभी मतदाता एक ही मतदान केंद्र पर सूचीबद्ध हों तथा कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय स्तर पर सत्यापन अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से सीमावर्ती क्षेत्रों में निर्धारित प्रक्रिया एवं भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। श्री रवि ने राज्य के सभी पात्र भारतीय नागरिकों से विशेष गहन पुनरीक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के माध्यम से तैयार मतदाता सूची को परमानेंट डॉक्यूमेंट के रूप में संरक्षित किया जाएगा। मतदाता सूची में दर्ज प्रमाणित एवं सही विवरण भविष्य में मतदाता तथा उसके परिवार के लिए महत्वपूर्ण अभिलेख के रूप में उपयोगी होगा। इसलिए प्रत्येक मतदाता अपने तथा अपने परिवार के सदस्यों के विवरण की जांच अवश्य करें और किसी प्रकार के सुधार, नाम जोड़ने अथवा अन्य आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्धारित प्रपत्र एवं आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध कराएं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के प्रावधानों के अनुरूप केवल भारतीय नागरिक ही निर्वाचक के रूप में पंजीकृत होने के पात्र हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों, मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बीएलए-2 तथा आम नागरिकों से अपील की कि यदि उनके संज्ञान में किसी विदेशी नागरिक द्वारा मतदाता सूची में शामिल होने का प्रयास करने अथवा ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी विदेशी नागरिक का नाम दर्ज होने का मामला आता है, तो निर्धारित फॉर्म-7 के माध्यम से अपनी आपत्ति अवश्य दर्ज कराएं। प्राप्त आपत्ति पर संबंधित ईआरओ/एईआरओ द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत दस्तावेजों एवं तथ्यों की जांच करते हुए नियमानुसार आदेश पारित किया जाएगा। श्री कुमार ने स्पष्ट किया कि किसी भी विदेशी नागरिक को मतदाता सूची में पंजीकरण कराने में किसी प्रकार का सहयोग नहीं किया जाना चाहिए। यदि किसी परिवार में विवाह अथवा किसी अन्य कारण से कोई विदेशी नागरिक निवास कर रहा है, तो मतदाता के रूप में पंजीकरण की पात्रता के लिए उसे पहले विधि के अनुसार भारतीय नागरिकता प्राप्त करनी होगी। भारतीय नागरिकता प्राप्त किए बिना मतदाता सूची में पंजीकरण के लिए गलत घोषणा अथवा मिथ्या विवरण के आधार पर आवेदन करना कानून के तहत दंडनीय हो सकता है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण का मूल उद्देश्य शुद्ध, त्रुटिरहित एवं समावेशी मतदाता सूची तैयार करना है। इसके लिए यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि एक भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची से न छूटे और किसी भी अपात्र अथवा विदेशी नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों, बीएलओ, राजनीतिक दलों एवं नागरिकों से इस प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग की अपील की। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी मेघा भारद्वाज सहित लिट्टीपाड़ा एवं पाकुड़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के ईआरओ एईआरओ अतिरिक्त एईआरओ उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित जिला निर्वाचन कार्यालय के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पेट्रोल पंप के पास लूटकांड का खुलासा, एक बदमाश गिरफ्तार

बाइक व मोबाइल की हुई थी लूट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। दलसिंहसराय थाना क्षेत्र में जून महीने में हुई लूट की घटना का पुलिस ने उद्भेदन करते हुए एक अप्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मोहद्दीनगर थाना क्षेत्र के मनिअर वार्ड नंबर-2 निवासी सौरभ कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर लूटे गए मोबाइल को भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 5 जून 2026 को करीब 10:30 बजे विजयवंत पेट्रोल पंप के पास पक्की सड़क पर तीन अज्ञात अपराधियों ने खोकसा गांव निवासी गोविंद पासवान को रोककर लूटपाट की थी। बदमाशों ने उनसे मोटरसाइकिल और मोबाइल लूट लिया था। मामले में गोविंद पासवान के आवेदन पर दलसिंहसराय थाना कांड संख्या 314/2026, दिनांक 6 जून 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए दलसिंहसराय एसडीपीओ विवेक कुमार शर्मा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी अनुसंधान और मानवीय सूचना के आधार पर मामले की जांच करते हुए सौरभ कुमार को गिरफ्तार किया। पूछताछ और उसकी निशानदेही पर पुलिस ने घटना में लूटा गया मोबाइल बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक कांड का खुलासा हो चुका है, जबकि वारदात में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी और लूटी गई मोटरसाइकिल की बरामदगी के लिए छापेमारी जारी है। गिरफ्तार सौरभ कुमार का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ हाजीपुर नगर थाना में वर्ष 2023 में आर्म्स एक्ट से संबंधित मामला दर्ज है। छापेमारी दल में दलसिंहसराय थानाध्यक्ष सह पुलिस निरीक्षक मो. इरशाद आलम, पुलिस अवर निरीक्षक संतोष कुमार, पुलिस सहायक अवर निरीक्षक बिपिन कुमार, सशस्त्र बल के जवान तथा समस्तीपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय की डीआईयू टीम शामिल थी।

बेलोरो ने ताड़ के पेड़ में मारी टक्कर, तीन घायल

चांदन (बांका) (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। चांदन देवघर मुख्य सड़क सड़क मार्ग के पारडीह मोड़ के समीप ओवरटेक करने के दौरान कांवरिया से भरा एक बोलेरो सड़क किनारे लगी एक ताड़ की पेड़ से टकराने से बोलेरो सवार तीन कांवरिये गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार आज दोपहर को सुल्तानगंज से जल भरकर बाबाधाम देवघर जाने के दौरान पारडीह मोड़ के समीप पहुंचते ही ओवरटेक कर आगे जाने के दौरान अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी ताड़ से बोलेरो टकरा गई। जिसमें सवार अजीत कुमार उम्र सुखदेव राम, रिसु कुमार घायल हो गए। घटना की सूचना पर पहुंचे चांदन थाना पुलिस ने एम्बुलेंस की सहयोग से सभी घायलों को सीएचसी चांदन पहुंचाया। जहां सभी घायलों की इलाज चल रहा है। साथ ही दुर्घटना में क्षतिग्रस्त वाहन को पुलिस ने जप्त कर थाना लाया गया है।

बेरहमी से की गई थी भिखारी सदा की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। विभूतिपुर थाना क्षेत्र के गंगौली गांव में दो दिन पूर्व झाड़ियों में मिले भिखारी सदा के शव मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हत्या की भयावह तस्वीर सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार मृतक के साथ बेरहमी से मारपीट करने के बाद उसे सड़क पर घसीटा गया था। घसीटे जाने से पेट और सीने के हिस्से में करीब एक फीट लंबी और आठ इंच चौड़ी जगह की चमड़ी उधड़ गई थी। शरीर के पिछले हिस्से में भी करीब छह इंच लंबा-चौड़ा हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त मिला। कंधे के पास गंभीर चोट के निशान के अलावा सिर पर किसी भारी वस्तु से प्रहार किए जाने के प्रमाण मिले हैं। पोस्टमार्टम करने वाले चिकित्सक डॉ. संतोष झा के अनुसार मृतक के शरीर पर मारपीट के गंभीर निशान थे। रिपोर्ट में मौत का कारण मारपीट के साथ गला दबाना बताया गया है। मामले में मृतक की पत्नी रविता देवी के बयान पर छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें मृतक के सौतेले भाई धर्मेंद्र सदा और गांव की एक महिला समेत अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है। उक्त महिला पर घटना में लाइनर की भूमिका निभाने का आरोप लगाया गया है। प्राथमिकी के बाद से सभी नामजद आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। इधर ग्रामीण राजो सदा ने बताया कि घटना से पहले धर्मेंद्र सदा ने भिखारी को जान से मारने की धमकी दी थी। उनके अनुसार धर्मेंद्र ने करीब दस दिनों के भीतर भिखारी की हत्या करने की बात कही थी। राजो ने बताया कि उन्होंने यह बात भिखारी को बताई थी, लेकिन उसने धमकी को गंभीरता से नहीं लिया। दोनों के बीच करीब छह महीने पहले भी विवाद हुआ था। उस दौरान धर्मेंद्र पर तलवार से हमला करने का आरोप लगा था और दोनों को पुलिस थाने ले जाया गया था। राजो का आरोप है कि उस समय प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण विवाद आगे बढ़ता गया। प्राथमिकी में पांच कट्ठा जमीन को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद को हत्या की वजह बताया गया है। रविता देवी का आरोप है कि धर्मेंद्र जमीन में पूरी हिस्सेदारी की मांग कर रहा था और इसी बात को लेकर वह उनके पति को लगातार धमकी देता था। रविवार रात मुजफ्फरपुर से लौटने के दौरान भिखारी के साथ घटना होने की बात प्राथमिकी में कही गई है। घटनास्थल के आसपास से धर्मेंद्र की बाइक भी बरामद की गई है। वहीं, मामले में अवैध संबंध से जुड़े विवाद की आशंका को भी पुलिस जांच के दायरे में रखा गया है। रोसड़ा डीएसपी संजय सिन्हा ने बताया कि नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद की बात सामने आई है, लेकिन हत्या के अन्य संभावित कारणों की भी जांच की जा रही है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई कर रही है।

अंतिम सोमवारी पर थानेश्वर स्थान में उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़

मंदिर समिति एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक में लिए गए कई निर्णय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। अंतिम सोमवारी को थानेश्वर स्थान मंदिर में होने वाली श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को लेकर बुधवार को अनुमंडल सभागार में सदर एसडीओ राकेश कुमार की अध्यक्षता में मंदिर समिति एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और विधि-व्यवस्था को लेकर व्यापक तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रशासन ने अंतिम सोमवारी पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल एवं दंडाधिकारियों की तैनाती का निर्णय लिया। श्रद्धालुओं को जलाभिषेक के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसके लिए भीड़ नियंत्रण और सुचारू आवागमन की व्यवस्था पर विशेष जोर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से कई मेडिकल टीमों की तैनाती करने की भी जानकारी दी गई, ताकि किसी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। एसएसपी संजय कुमार पांडे ने कहा कि अंतिम सोमवारी को लेकर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रहेगी। मंदिर परिसर के अलावा प्रमुख मार्गों पर भी पुलिस की विशेष निगरानी रहेगी। यातायात व्यवस्था को भी व्यवस्थित रखने के लिए यातायात पुलिस की टीम को तैनात किया गया है। बैठक में यातायात पुलिस पदाधिकारी अभिषेक चौबे, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. गिरीश कुमार, अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी ज्योति कुमारी, अनुमंडल विद्युत पदाधिकारी नीरज कुमार, मुफस्सिल थानाध्यक्ष अजित प्रसाद सिंह, नगर थानाध्यक्ष अजित कुमार, यातायात थानाध्यक्ष राकेश कुमार रंजन, राकेश कुमार राज, राहुल कुमार, जितेंद्र कुमार जायसवाल सहित मंदिर समिति एवं जिला प्रशासन के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

संत रविदास की 650वीं जयंती पर निकली कलश यात्रा, सामाजिक समरसता का दिया संदेश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

समस्तीपुर। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को समाहरणालय परिसर से कलश यात्रा निकाली गई। सांसद शांभवी चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर दो वाहनों को रवाना किया। समाहरणालय से शुरू हुई यात्रा मोहनपुर रोड स्थित नक्कू रोड पहुंची, जहां मोहनपुर चौक स्थित महादेव मंदिर में कलश की स्थापना की गई। इस दौरान संत रविदास के जयकारे लगाए गए तथा उनके सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में अश्वमेध देवी, विधायक तरुण कुमार, विधान परिषद सदस्य सहित जिला प्रशासन की ओर से अपर समाहर्ता ब्रजेश कुमार, जिला कल्याण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, सदर एसडीओ राकेश कुमार और अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी मणिभूषण ठाकुर समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कलश यात्रा में जिले के सभी प्रखंडों के कल्याण पदाधिकारी, विकास मित्र, जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कर्मियों ने हिस्सा लिया। आयोजन के माध्यम से संत रविदास के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कलश यात्रा 19 और 20 अगस्त को जिले के सभी प्रखंडों के अनुसूचित जाति टोलों का भ्रमण करेगी।

अनियंत्रित ट्रक ने आठ माह की गर्भवती महिला को रौंदा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

शिवाजीनगर। शिवाजीनगर, प्रखंड के रोसड़ा-दरभंगा मुख्य पथ पर बुधवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में आठ माह की गर्भवती महिला की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने सड़क किनारे मौजूद महिला और उसके बच्चों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में महिला के दो बच्चे भी घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल दोनों बच्चों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया मृतका की पहचान हथौड़ी थाना क्षेत्र के रहटौली वार्ड संख्या-5 निवासी करीब 35 वर्षीय अंकिता गुप्ता के रूप में हुई है। बताया गया कि अंकिता अपने परिवार के साथ सड़क किनारे मौजूद थीं। इसी दौरान रोसड़ा-दरभंगा मुख्य पथ से तेज गति से गुजर रहा अनियंत्रित ट्रक अचानक उनकी ओर आ गया और उन्हें रौंद दिया। हादसा इतना भीषण था कि अंकिता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई घटना के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ घटनास्थल पर जुट गई। लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी देने के साथ ही घायल बच्चों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। दुर्घटना के बाद मुख्य पथ पर कुछ समय के लिए अफरातफरी का माहौल बना रहा अंकिता की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया कि मृतका अपने पीछे तीन छोटे बच्चों को छोड़ गई हैं। बच्चों में रौशनी करीब पांच वर्ष, राजा करीब तीन वर्ष और राजन करीब डेढ़ वर्ष का है। मां की मौत से तीनों मासूम बच्चों के सिर से ममता का साया उठ गया। पति रोशन साहनी मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति भी सामान्य बताई जा रही है सूचना मिलते ही हथौड़ी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। थानाध्यक्ष मौसम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में लेकर फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है स्थानीय लोगों ने बताया कि रोसड़ा-दरभंगा मुख्य पथ पर वाहनों की तेज रफ्तार के कारण अक्सर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोगों ने प्रशासन से मुख्य पथ पर वाहनों की गति पर नियंत्रण लगाने, आवश्यक स्थानों पर गति अवरोधक एवं यातायात संकेतक लगाने तथा लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर मुख्य सड़कों पर तेज रफ्तार वाहनों की समस्या को सामने ला दिया है। स्थानीय लोगों ने पैदल यात्रियों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

डीएम ने की पीरपैंती ताप विद्युत परियोजना की प्रगति की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। जिले में निर्माणाधीन 2400 मेगावाट वाले पीरपैंती ताप विद्युत परियोजना के क्रियान्वयन, भूमि संबंधी मामलों, पुनर्वास एवं अन्य आवश्यक प्रशासनिक समन्वय की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने आज समीक्षा बैठक की। इस बैठक में परियोजना से जुड़े विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारियों द्वारा वर्तमान स्थिति एवं लंबित कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। समीक्षा के दौरान रेलवे एवं एप्रोच रोड के लिए करीब 3 किलोमीटर लंबाई की भूमि से संबंधित मामलों की प्रगति पर विशेष ध्यान दिया गया। निजी भूमि के संबंध में धारा 21(2) की अधिसूचना विगत 8 अगस्त को प्रकाशित की जा चुकी है और एक माह की कूलिंग भूमि की श्रेणी एवं दर निर्धारण के लिए 6 सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। संबंधित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने पर जोर दिया गया। 100.98 एकड़ सरकारी भूमि के हस्तांतरण से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की गई। परियोजना से प्रभावित 70 परिवारों के पुनर्वास की दिशा में कार्य प्रगति पर है। संथालिया टोला के 18 परिवारों के लिए अस्थायी आवास का निर्माण पूरा हो चुका है तथा विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने की प्रक्रिया निर्धारित समय के अनुसार की जा रही है। वहीं पहाड़िया टोला के 52 परिवारों के आवासों में पेंटिंग एवं फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर है, जिसे 15 सितंबर 2026 तक पूर्ण कर परिवारों को स्थानांतरित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रभावित परिवारों को बंदोबस्ती पर्चा भी वितरित किया जा चुका है। गैरमजरुआ आम एवं गैरमजरुआ खास भूमि से संबंधित मामलों में भी प्रगति की समीक्षा की गई। 20.99 एकड़ गैरमजरुआ आम भूमि में से 12.54 एकड़ भूमि के हस्तांतरण को कैबिनेट से स्वीकृति प्राप्त है, जबकि शेष भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया जारी है। 79.99 एकड़ गैरमजरुआ खास भूमि में 10.83 एकड़ भूमि ऊर्जा विभाग को हस्तांतरित की जा चुकी है तथा 52.18 एकड़ भूमि के अंतर-विभागीय हस्तांतरण का प्रस्ताव राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग को भेजा गया है। परियोजना के लिए गंगा नदी से लगभग 17 किलोमीटर लंबी जल पाइपलाइन के संबंध में भी महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। सभी 09 मौजों का सर्वेक्षण पूरा हो चुका है तथा बिहार अंडरग्राउंड पाइपलाइन्स एक्ट, 2011 की धारा 3(1) के तहत अधिसूचना 17 अगस्त 2026 को जारी की गई है। अधिसूचना के प्रकाशन की कार्रवाई के लिए इसे सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, पटना को भेजा गया है। इंटेक पंप हाउस के लिए भूमि की व्यवस्था की भी समीक्षा की गई। बिहार रैयती भूमि क्रय नीति, 2026 के तहत प्रस्ताव को स्वीकृति मिल चुकी है तथा जिला स्तरीय रैयती भूमि क्रय समिति की अनुशंसा के आधार पर 27.10 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है। संबंधित कार्यों में समन्वय के लिए पदाधिकारी नामित किए गए हैं। समीक्षा के दौरान परियोजना क्षेत्र में रेलवे कॉरिडोर पर अवैध निर्माण से संबंधित नए मामले को भी संज्ञान में लिया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं समन्वय सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। परियोजना स्थल पर निर्माण कार्य भी तेजी से जारी है।

भागलपुर में बी.टेक. अभिमुखीकरण-सह-प्रेरण कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। स्थानीय भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) में नवप्रवेशित बी.टेक. के नये विद्यार्थियों के लिए आज अभिमुखीकरण-सह-प्रेरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को संस्थान के शैक्षणिक वातावरण, परिसर जीवन, नियमों एवं विनियमों, उपलब्ध अवसरों तथा संस्थान के मूल्यों से परिचित कराना था। इस अवसर पर उपस्थित भागलपुर की जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय, कहलगांव एनटीपीसी के मुख्य महाप्रबंधक रविन्द्र शर्मा, अभियंत्रण कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बिमलेश कुमार एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। संस्थान के एसोसिएट डीन (शैक्षणिक मामले) डॉ हिमाद्रि नायक ने बी.टेक. सत्र 2026-30 बैच के विद्यार्थियों का स्थानीय आईआईआईटी परिवार में अभिनंदन करते हुए विद्यार्थियों को संस्थान के शैक्षणिक अध्यादेश, नियमों, विनियमों एवं महत्वपूर्ण शैक्षणिक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी तथा अनुशासन, निष्ठा एवं एकाग्रता के साथ अपने शैक्षणिक लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर बधाई दी। साथ ही उन्होंने अपने बी.टेक. अध्ययन के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों से सहज संवाद स्थापित किया और उन्हें महाविद्यालयीन जीवन को गंभीरता, आत्मविश्वास एवं स्पष्ट उद्देश्य के साथ आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। श्रीमति पांडेय ने विद्यार्थियों को जीवन में सदैव सही दिशा का चयन करने की सलाह देते हुए कहा कि सफलता केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि सही निर्णय लेने, अच्छे मूल्यों को विकसित करने तथा अपने लक्ष्यों के प्रति निरंतर प्रतिबद्ध रहने में भी निहित है। उनके व्यक्तिगत अनुभवों एवं प्रेरणादायक विचारों ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की नई यात्रा के लिए उत्साहित किया। कहलगांव एनटीपीसी के मुख्य महाप्रबंधक रविन्द्र शर्मा एवं अभियंत्रण कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बिमलेश कुमार ने भी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

पेयजलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश

जलापूर्ति को लेकर डीएम ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। समाहरणालय स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में जिलाधिकारी कौशल कुमार की अध्यक्षता में जिले में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य रूप से पेयजल आपूर्ति की वर्तमान स्थिति, प्राप्त शिकायतों, नल-जल योजनाओं, नई जलापूर्ति योजनाओं, चापाकल की मरम्मति तथा नगर निकाय क्षेत्रों में पेयजल उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पेयजल आपूर्ति को लेकर शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने संबंधित कार्यपालक अभियंता, कनीय अभियंता एवं अन्य पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों से जलापूर्ति बाधित होने अथवा पेयजल की समस्या की शिकायत प्राप्त हो रही है, वहां तत्काल टैंकर के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी क्षेत्र में पेयजल की समस्या को लेकर आम लोगों को कठिनाई नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सभी कनीय अभियंताओं को निर्देश दिया कि नल-जल योजना एवं नई जलापूर्ति योजनाओं को सक्रिय एवं कार्यशील रखा जाए। जहां किसी तकनीकी अथवा अन्य कारण से जलापूर्ति बाधित है, वहां तत्काल आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान सुनिश्चित करें। नगर निकायों के सभी कार्यपालक पदाधिकारियों को भी अपने-अपने क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की नियमित निगरानी करने तथा जहां आवश्यकता हो, वहां वैकल्पिक माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। नई जलापूर्ति योजनाओं के निर्माण कार्य की समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने संबंधित संवेदकों को निर्देश दिया कि जहां योजना का कार्य प्रगति पर है, वहां निर्माण कार्य को तीव्र गति से पूरा करें। उन्होंने कार्य में तेजी लाने के लिए आवश्यकतानुसार कार्यबल एवं टीमों की संख्या बढ़ाने का भी निर्देश दिया, ताकि योजनाओं का लाभ आम लोगों को शीघ्र उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में विधायक, दरभंगा ग्रामीण राजेश कुमार मंडल ने नए बोरिंग में वायरिंग का कार्य शीघ्र पूरा कराने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने पीएचईडी के सभी अभियंताओं को क्षेत्र में सक्रिय रहकर पेयजल आपूर्ति से संबंधित समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने पर बल दिया।

बैठक में नगर आयुक्त राकेश कुमार गुप्ता, कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी आशीष अमन, नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारी, पीएचईडी विभाग के अभियंता एवं संबंधित संवेदक उपस्थित थे।

नवंबर से एफआर वाले किसानों को ही मिल सकता है उर्वरक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। कृषि विभाग की एग्री स्टैक योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्रेशन (एफआर) का कार्य फिर से शुरू कर दिया गया है। किसानों को सरकार की कृषि संबंधी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिल सके, इसके लिए अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण कराने का लक्ष्य रखा गया है। बताया गया कि आगामी नवंबर से एफआर से जुड़े किसानों को ही खेती के लिए उर्वरक उपलब्ध कराने की व्यवस्था लागू की जा सकती है। वहीं, 25 अगस्त को प्रधानमंत्री स्तर से फार्मर रजिस्ट्रेशन की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। फार्मर रजिस्ट्रेशन में तेजी लाने को लेकर बुधवार को किसान भवन में बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोडल पदाधिकारी सह राष्ट्रीय रोजगार कार्यक्रम निदेशक पूजा कुमारी ने संबंधित कर्मियों को अभियान चलाकर किसानों का रजिस्ट्रेशन पूरा कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसानों का एफआर जेनरेट कराया जाए, ताकि उन्हें सरकार की ओर से मिलने वाली कृषि सुविधाओं से वंचित न होना पड़े। उन्होंने बताया कि अब तक प्रखंड क्षेत्र में करीब 6700 किसानों का एफआर जेनरेट हो चुका है। बैठक में बताया गया कि जिन किसानों के नाम से जमाबंदी दर्ज है, उनके लिए फार्मर रजिस्ट्रेशन कराना आवश्यक है। अंचलाधिकारी मुकेश कुमार एवं बीओ रोशन कुमार ने बताया कि योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर व्यापक तैयारी की गई है। प्रखंड के सभी पीआरएस, किसान सलाहकार, कृषि समन्वयक, स्वच्छता पर्यवेक्षक, विकास मित्र एवं राजस्व कर्मचारियों को किसानों का एफआर कराने के कार्य में लगाया गया है। अधिकारियों ने कर्मियों से अपने-अपने क्षेत्र में किसानों से संपर्क कर उन्हें फार्मर रजिस्ट्रेशन के प्रति जागरूक करने तथा लंबित पंजीकरण जल्द पूरा कराने को कहा। बैठक में सर्वण कुमार, संजय राय, जयशंकर कुमार, राजीव कुमार, सुनील कुमार, मुकेश कुमार, सोनल कुमार, प्रिंस कुमार, सुरेंद्र कुमार, मनोज कुमार, कन्हैया कुमार, अशोक कुमार, रेखा कुमारी सहित अन्य कर्मी, स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं विकास मित्र मौजूद थे।

आंगनबाड़ी केंद्र पर सामूहिक अन्नप्राशन का कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वीरपुर। प्रखंड के आंगनवाड़ी केंद्र पर बुधवार को सामूहिक अन्नप्राशन के साथ साथ ''बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ'' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। जानकारी देते हुए बाल विकास परियोजना पदाधिकारी नितेश कुमार ने बताया कि इस दोहरे आयोजन से न केवल बच्चों के सही पोषण का संदेश दिया, बल्कि समाज में बालिकाओं के अधिकार और उनके सशक्तिकरण की दिशा में भी एक सकारात्मक पहल की।आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सेविकाओं ने 6 माह के शिशुओं को चम्मच से खीर खिलाकर अन्नप्राशन कराया। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, महिला पर्यवेक्षिका एवं आंगनवाड़ी सेविकाओं द्वारा उपस्थित माताओं और अभिभावकों को बताया कि 6 माह की आयु के बाद केवल स्तनपान बच्चे की पोषण आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त नहीं होता। इस उम्र के बाद बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अर्ध-ठोस आहार अत्यंत आवश्यक है।भोजन बनाने और खिलाने के दौरान हाथों की स्वच्छता, साफ पानी के उपयोग तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों जैसे दाल,हरी सब्जी, दलिया, खिचड़ी के महत्व पर बल दिया गया। साथ ही नौनिहाल बच्चों को अंगवस्त्र प्रदान कर उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

जीडी कॉलेज में जनसंपर्क अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। गणेशदत्त महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव को लेकर एक बार फिर राजनीतिक एवं छात्र गतिविधियाँ तेज होती दिखाई दे रही हैं। वर्ष 2019 के बाद से छात्र संघ चुनाव नहीं होने के कारण विभिन्न छात्र संगठनों एवं छात्र नेताओं में लंबे समय से नाराजगी देखी जा रही थी। अब चुनाव को लेकर संभावनाएँ बनने के साथ ही कॉलेज परिसर में छात्र नेताओं की सक्रियता बढ़ने लगी है। इसी क्रम में छात्र नेता श्याम सुंदर कुमार ने अपने युवा साथियों एवं छात्र कार्यकर्ताओं के साथ जीडी कॉलेज परिसर में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं, शैक्षणिक आवश्यकताओं तथा कॉलेज से जुड़ी अन्य परेशानियों की जानकारी ली और संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए पहल करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर छात्र नेता श्याम सुंदर कुमार ने कहा कि छात्र संघ चुनाव लोकतांत्रिक छात्र व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न छात्र संगठनों द्वारा लंबे समय से चुनाव कराने की मांग और अपने-अपने स्तर से प्रयास किए जाते रहे हैं। कुछ प्रशासनिक एवं प्रक्रियागत कारणों से ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के अधीन छात्र संघ चुनाव लंबे समय से नहीं हो सका। हालांकि, इस बार चुनाव को लेकर उम्मीद जगी है और अक्टूबर तक चुनाव कराए जाने की संभावना से छात्रों में उत्साह का माहौल है। श्याम सुंदर कुमार ने कहा, छात्र संघ चुनाव केवल प्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों की समस्याओं को लोकतांत्रिक तरीके से विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय प्रशासन तक पहुँचाने का प्रभावी माध्यम भी है। चुनाव के माध्यम से छात्रों को अपनी बात रखने और कॉलेज की व्यवस्था को बेहतर बनाने में सक्रिय भागीदारी का अवसर मिलता है। जनसंपर्क अभियान के दौरान छात्र रूपेश कुमार, केशव कुमार, ओम कुमार, सौरभ कुमार, अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र एवं युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नौ उम्मीदवारों ने भरा पर्चा

वीरपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड मत्स्य जीवी सहयोग समिति के विभिन्न पदों के लिए बुधवार को नौ लोगों ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया। जानकारी देते हुए वीरपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी सह निर्वाचन पदाधिकारी पंकज कुमार शक्तिधर ने बताया कि अध्यक्ष व मंत्री पद के लिए एक एक एवं प्रबंधकारिणी समिति के सदस्य के लिए महिला वर्ग में तीन और पुरुष वर्ग में चार उम्मीदवारों ने अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया।

एलएनएम यू में इसी सत्र से प्रारंभ होगा सर्टिफिकेट इन फुटबॉल, वॉलीबॉल एवं कबड्डी कोचिंग कोर्स

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संजय कुमार चौधरी की अध्यक्षता में विद्वत परिषद् की एक महत्त्वपूर्ण बैठक ऑनलाइन मोड में कुलपति आवासीय कार्यालय के सभाकक्ष में बुधवार को आयोजित की गई, जिसमें कुलसचिव डॉ दिव्या रानी हंसदा, प्रो अशोक कुमार मेहता, प्रो दिलीप कुमार चौधरी, प्रो मो नौशाद आलम, प्रो संजय झा, प्रो नारायण झा, प्रो एलपी जायसवाल, प्रो भूपेन्द्र चौधरी, प्रो संजय कुमार मिश्र, प्रो अजय कुमार, डॉ अनिल कुमार चौधरी, डॉ कृष्णकान्त झा, डॉ शिखर वासिनी, डॉ आरती कुमारी, डॉ फूलो पासवान, डॉ एसएन राय, डॉ आमिर अली खान आदि सहित विशेष आमंत्रित सदस्यों में प्रो कमलेश कुमार, प्रो विमल कुमार एवं प्रो रूमा कुमारी सिन्हा आदि शामिल हुए। बैठक में सर्वप्रथम विद्वत परिषद् की 17 जुलाई, को संपन्न विद्वत परिषद् की बैठक के सभी निर्णयों की संपुष्टि की गई। विश्वविद्यालय के खेल एवं शारीरिक शिक्षा निदेशालय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 से छमाही सर्टिफिकेट कोर्स संचालित करने की अनुमति दी गई, जिनमें सर्टिफिकेट कोर्स इन फुटबॉल कोचिंग, सर्टिफिकेट कोर्स इन वालीबॉल कोचिंग, सर्टिफिकेट कोर्स इन कबड्डी कोचिंग शामिल हैं। विश्वविद्यालय विभागों से प्राप्त स्वयं मूक्स के मैपिंग के आलोक में दिनांक 13.08.2026 को आहूत 'स्वयं एडवाइजरी कमेटी' की बैठक के कार्यवृत्त को सर्वसम्मति से घटनोत्तर स्वीकृति दी गई। ज्ञातव्य है कि ये चारों कोर्स स्नातकोत्तर हेतु इसी सत्र से प्रारंभ किए जा रहे हैं।

निर्णय लिया गया कि बिहार लोक भवन, पटना के पत्र के आलोक में अप्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम के पूर्व में अधिसूचित अध्यादेश एवं नियमावली से बिहार राज्य शिक्षा परिषद्, पटना सहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सुझावों के आधार पर पाठ्यक्रम समिति द्वारा इसका पुनरीक्षण किया गया और समिति की अनुशंसाओं को संशोधित अध्यादेश एवं नियमावली में सम्मिलित किया गया। वहीं जीडीपी के संशोधित अध्यादेश एवं नियमावली की विद्वत परिषद् के द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

बिहार लोक भवन, पटना के पत्र के आलोक में चार वर्षीय सीबीएसई स्नातक पाठ्यक्रम के 31 विषयों- फिजिक्स, केमिस्ट्री, गणित, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, सांख्यिकी, हिन्दी, उर्दू, संस्कृत, दर्शनशास्त्र, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, प्राचीन भारतीय इतिहास, भूगोल, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीति विज्ञान, गृह विज्ञान, वाणिज्य एवं प्रबंधन, मैथिली, संगीत, नाट्य, पर्शियन, भोजपुरी, अरबी, पाली, प्राकृत, बंगाली, एंथ्रोपॉलजी एवं ग्रामीण अर्थशास्त्र के सिलेबस को स्वीकृति प्रदान की गई। बीसीए एवं एमसीए पाठ्यक्रम में बिहार लोक भवन, पटना द्वारा निर्गत आदेश एवं विनियमन के अनुरूप नामांकन हेतु निर्धारित अहर्ता को संशोधित किया गया और प्लस टू में गणित विषय की अनिवार्यता को समाप्त करते हुए ऐसे छात्रों के लिए एक ब्रिज कोर्स कराने को अनिवार्य बनाया गया। सेल्फ फाइनेंस मोड के तहत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप एमएससी बायोटेक्नोलॉजी प्रोग्राम प्रारंभ करने हेतु तैयार किए गए रेगुलेशंस एवं ऑर्डिनेंस को विद्वत परिषद् ने स्वीकृति दी। वहीं 19.08. 2026 को ही संपन्न 'संबंधन एवं नई शिक्षण कार्यक्रम समिति' की बैठक में लिए गए निर्णयों का अनुमोदन किया गया। उक्त मदों की विस्तृत जानकारी संबंधित विभाग के प्रो अजय नाथ झा, प्रो अशोक कुमार मेहता, अमृत कुमार झा, डॉ अंकित कुमार, डॉ मो मुदस्सिर ने दी। सदस्यों का स्वागत एवं संचालन प्रो अशोक कुमार मेहता ने, जबकि धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ दिव्या रानी हांसदा ने किया।

कन्या जन्मोत्सव में चार माताओं को किया गया सम्मानित

बेटियों के जन्म पर भेदभाव नहीं करने का दिया संदेश, टीकाकरण व पोषण के प्रति किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। महिला विकास एवं समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में बुधवार को विष्णुपुर में कन्या जन्मोत्सव सह माता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 70 पर उत्सवी माहौल में हुआ। इस दौरान बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ थीम पर अनाज, सब्जी, फल एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थों से आकर्षक रंगोली बनाकर बेटियों के महत्व का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में आंगनबाड़ी सेविका कमरून निशा बेग एवं मीना कुमारी ने अपने-अपने पोषक क्षेत्र की उन धात्री माताओं को आमंत्रित किया, जिन्होंने हाल में कन्या को जन्म दिया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीडीपीओ गुंजन मौली ने कहा कि बेटा हो या बेटी, जन्म के समय किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। सरकार बेटियों को समाज के हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि बेटियां घर की लक्ष्मी और जगत जननी हैं। उनके बेहतर पालन-पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।इस अवसर पर चार कन्याओं का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। चारों माताओं को अपनी बच्चियों का समय-समय पर टीकाकरण कराने, उचित मात्रा में ऊपरी आहार देने तथा नियमित रूप से वजन की जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया। नवजात बच्चियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया, जबकि उनकी माताओं को आदर्श माता के रूप में प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका कुमारी कृष्णा, सहायिका सैमुन खातून, रजनी कुमारी सहित लाभुक माताएं ज्योति कुमारी, शबनम खातून, शहजादी खातून, संगीता

छह माह के बच्चों को उपरी आहार देना जरूरी : एलएस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नावकोठी। विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर सोमवार को अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पोषक क्षेत्र की अभिभावक महिलाएं एवं धातृ माताएं छह माह से अधिक और दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों के साथ शामिल हुईं। इस दौरान बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया तथा माताओं को छह माह की उम्र के बाद बच्चों को ऊपरी आहार देने के महत्व की जानकारी दी गई। अन्नप्राशन कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को कुपोषण से बचाने तथा उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए छह माह की उम्र के बाद पौष्टिक ऊपरी आहार की आदत डालना था। आंगनबाड़ी केंद्रों पर अनाज, मौसमी सब्जी, साग, फूल एवं फलों से आकर्षक रंगोली और पौष्टिक आहार की प्रदर्शनी भी लगाई गई।नावकोठी आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 43, समसा केंद्र संख्या 72, विष्णुपुर केंद्र संख्या 70, महेशवाड़ा केंद्र संख्या 04, पहसारा पूर्वी केंद्र संख्या 25, हसनपुर बागर केंद्र संख्या 65 सहित अन्य केंद्रों पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। एलएस शालिनी कुमारी, कुमारी कृष्णा, सुनीता कुमारी आदि ने अपने-अपने सेक्टर क्षेत्र के केंद्रों का अनुश्रवण किया।एलएस ने माताओं को बताया कि नवजात शिशु को छह माह तक केवल मां का दूध ही देना चाहिए। छह माह के बाद बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए मां के दूध के साथ ऊपरी आहार देना आवश्यक है। माताओं को कटोरी के माप के अनुसार बच्चों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार खिलाने का तरीका भी बताया गया।मौके पर सेविका कंचन कुमारी, रोजी खातून, पूनम कुमारी, सुचिता कुमारी, सारिका, प्रमिला, राजकुमारी, कमरून निशा बेग, मीना कुमारी, शकीला बेगम, बुलबुल कुमारी,मधुरानी कुमारी, जीवछ कुमारी, पार्वती कुमारी, ममता कुमारी, निर्मला कुमारी, मंजू कुमारी, रंजू सहित अन्य सेविका एवं कर्मी मौजूद थीं।

अतरुआ चौक पर फैले गंदे पानी लोग परेशान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। प्रखंड क्षेत्र के अतरुआ चौक पर इन दिनों गंदगी और बदबू का राज है। नाली का गंदा पानी सड़क पर बहने से दुकानदारों, राहगीरों और आसपास के लोगों का जीना मुहाल हो गया है। स्थानीय लोगों को महामारी फैलने का डर सताने लगा है। चौक से बलान नदी तक सड़क के किनारे बनी नाली का निकास पहले महादलित टोला होते हुए बलान नदी में था। इससे चौक और महादलित टोला के घरों से निकलने वाला गीला कचरा नाली के जरिए नदी में चला जाता था लेकिन बलान नदी पर नए पुल के निर्माण के दौरान नाली पुल के पास क्षतिग्रस्त हो गई। नतीजा - कचरे का बहाव रुक गया और अब वही गंदा पानी और कचरा लौटकर अतरुआ चौक पर सड़क पर बह रहा है। दुकान संचालक चितरंजन पासवान, लालबाबु राय, ई-रिक्शा चालक रंजीत महतो, मुहम्मद कमाल हसन सहित अन्य लोगों ने बताया कि नाली का पानी कभी-कभी इतना बढ़ जाता है कि पूरा चौक पानी से भर जाता है। कचड़े से तेज बदबू आती है। बारिश होते ही स्थिति और खराब हो जाती है क्योंकि बारिश का पानी भी उसी गंदे पानी के साथ सड़क पर जमा हो जाता है। लोगों का कहना है कि बदबू के कारण ग्राहक दुकानों पर आने से कतराते हैं। बच्चों और बुजुर्गों के बीमार पड़ने का खतरा बढ़ गया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तुरंत नाली की मरम्मत और सफाई कराने के साथ उसका सही निकास बनाने की मांग की है उपरोक्त लोगों ने यह भी कहा कि गंद्दा पानी नदी में गिरना भी ठीक नहीं है। उनका कहना है कि अगर समय रहते नाली दुरुस्त नहीं की गई तो डेंगु, मलेरिया और पेट की बीमारियों के फैलने की आशंका है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पुल निर्माण के बाद नाली का नया निकास की व्यवस्था की जाय ताकि गंदा पानी और कचरा चौक पर जमा न हो।

सभी स्कूलों में अब अनिवार्य होगा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

भगवानपुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सर्वोच्च न्यायालय एवं एस सी एम सी के निर्देशों के आलोक में शिक्षा विभाग, बिहार सरकारने राज्य के सभी जिलों में कचड़ा अपशिष्ट प्रबंधन को प्रभावी रूप से लागू करने का आदेश जारी किया है। सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि विद्यालयों में स्वच्छता आधारित जीवन शैली अपनाने, विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने और समुदाय में जन-जागरूकता विकसित करने के लिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को पाठ्यचर्या और दैनिक गतिविधियों का हिस्सा बनाया जाय। सभी राजकीय, राजकीयकृत, सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को दैनिक कार्यप्रणाली, सह-शैक्षणिक गतिविधियों और परिसर की स्वच्छता व्यवस्था में समाहित किया जाए। प्रत्येक विद्यालय में गीले, सूखे, सैनिटरी एवं अन्य अपशिष्टों का स्रोत पर ही पृथक्करण सुनिश्चित हो।इको क्लब, बाल संसद, मीना मंच, स्काउट-गाइड, प्रार्थना सभा के माध्यम से नियमित चलें।हर छात्र-छात्रा को ठोस कचड़ा प्रबंधक के रूप में विकसित किया जाए। शिक्षक अभिभावक बैठक में अभिभावकों को घर में कचरा अलग करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। हर विद्यार्थी अपने परिवार और समुदाय में स्वच्छता का व्यवहार विकसित करेगा।

हर महीने चौथे के मंगलवार को होगा विद्यार्थी सहयोग शिविर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम 'सात निश्चय-3' के अंतर्गत सबका सम्मान, जीवन आसान के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं आधारभूत समस्याओं के त्वरित निष्पादन तथा शिक्षा के गुणात्मक विकास के लिए प्रत्येक माह के चतुर्थ मंगलवार को विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री के निर्देशानुसार जिले के सभी अंगीभूत एवं राजकीय महाविद्यालयों, अभियंत्रण महाविद्यालय, पॉलिटेक्निक कॉलेज, एएनएम स्कूलों, कल्याण छात्रावासों, राजकीय आईटीआई संस्थानों तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में आगामी 25 अगस्त से विद्यार्थी सहयोग शिविर का आयोजन प्रारंभ किया जा रहा है। शिविर में विद्यार्थियों की शैक्षणिक, आधारभूत, छात्रावास, संस्थागत एवं अन्य समस्याओं को सुनी जाएंगी तथा प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों का अंतिम एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण 30 दिनों के भीतर सुनिश्चित किया जाएगा। विद्यार्थी सहयोग शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को संबंधित पदाधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलेगा। शिविर में प्राप्त शिकायतों को पंजीकृत करते हुए उनके निष्पादन की नियमित समीक्षा एवं अनुश्रवण किया जाएगा। विद्यार्थियों से प्राप्त महत्वपूर्ण सुझावों को शिक्षा व्यवस्था एवं संस्थानों की आधारभूत सुविधाओं में गुणात्मक सुधार के लिए उपयोगी इनपुट के रूप में लिया जाएगा। शिविर स्थल में जीडी कॉलेज, एसबीएसएस कॉलेज, एसके महिला कॉलेज, आरसीएस कॉलेज मंझौल, एपीएसएम कॉलेज बरौनी सहित जिले के सभी राजकीय डिग्री कॉलेज शामिल हैं। विद्यार्थी सहयोग शिविरों के सफल संचालन, समन्वय, अनुश्रवण एवं दैनिक समेकित प्रतिवेदन के संकलन हेतु जिला ग्रामीण विकास अभिकरण, बेगूसराय में जिला स्तरीय नियंत्रण कोषांग स्थापित किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा सभी संबंधित संस्थानों एवं पदाधिकारियों को शिविर का नियमित एवं प्रभावी आयोजन सुनिश्चित करने तथा प्राप्त शिकायतों एवं सुझावों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

पूर्व रेलवे

उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/इंजी./गति शक्ति इकाई, हावड़ा, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ तल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा सं. 03_2026-27, कार्य का विवरण :** हावड़ा मंडल में अंबिका कालना (03), तारकेश्वर (03), रामपुरहाट (04), बाली (06), बर्द्धमान (06) और बोलपुर शांतिनिकेतन (03) में 25 पैसेंजर लिफ्ट का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य:** रु. 7,74,28,794.06, **बयाना राशि:** रु. 15,48,600/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु.):** 0.00, **समापन अवधि:** अठारह (18) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 08.09.2026 को 15.00 बजे। निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। ईएमडी और टीडीसी का भुगतान-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्सड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-285/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.: एफ-एमएफजी-495 एफएमपी-कम्पोनेंट, दिनांक 18.08.2026, उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, जमालपुर, जिला-मुंगेर, बिहार-811214 द्वारा **निविदा सं. एफ-एमएफजी-495 एफएमपी-कम्पोनेंट** के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। ठेकेदारों को इस निविदा के लिए बयाना राशि बाबत केवल आईआरईपीएस पोर्टल पर उपलब्ध भुगतान माध्यम जैसे कि नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के द्वारा भुगतान करने की अनुमति है। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रिसीट, एफडीआर आदि के माध्यम से मैनुअल भुगतान करने की अनुमति नहीं है। **कार्य का नाम :** जमालपुर वर्कशॉप में क्रमशः 66 अदद एफएमपी ए-कार और 429 अदद बी-कार वैगन के लिए एकल सेट में कम्पोनेंट की चरणवार पेंटिंग और वैगन एवं इसकी फिटिंग्स की अंतिम पेंटिंग के साथ फ्लोरिंग कार्य, साइड वॉल असेंबली, एंड वॉल असेंबली, आई बोल्ट एवं लॉकिंग हुक, लोडिंग एवं सुरक्षा व्यवस्था, लैशिंग एवं सुरक्षित करने की व्यवस्था और अनकपलिंग गियर व्यवस्था सहित संपूर्ण अंडर फ्रेम की इसके कम्पोनेंट के साथ आपूर्ति, फिटमेंट, स्थापना और आरंभ। **कार्य स्थल:** पूर्व रेलवे वर्कशॉप, जमालपुर, मुंगेर (बिहार), पिन-811214, **विज्ञापित मूल्य:** रु.121,58,90,984.55, **बोली प्रतिभूति:** रु. 2,43,17,800/-, **बोली प्रणाली:** दो पैकेट प्रणाली। **निविदा कागजात का मूल्य:** रु. 0.00, **समापन अवधि:** 18 माह। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 11.09.2026 को 16.00 बजे। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** दिनांक 20.08.2026 को 12.00 बजे। **प्रस्ताव की वैधता:** 90 दिन। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट का स्थान जहाँ से निविदा का संपूर्ण विवरण देखा जा सकता है:** (**www.er.indian railways.gov.in** के साथ हाइपरलिंक्ड **www.ireps.gov.in**) एवं उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, लोकोमोटिव वर्कशॉप, जमालपुर के कार्यालय से किसी भी कार्यदिवस को।

MISC-150/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: 222-एस/1/डब्ल्यू-II, दिनांक 14.08.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, दूसरी मंजिल, कंट्रोल बिल्डिंग, डीआरएम बिल्डिंग, काइजर स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए निम्नलिखित ई-निविदाएं ऑनलाइन आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं. 1, निविदा सं.: टीएन-143-26-27, कार्य का नाम:** (i) मंडल अभियंता (मुख्यालय)/सियालदह के खंड में कुल 13 लिमिटेड हाइट सबवे/रोड अंडरब्रिज पर सैक्रिफिशियल हाइट गेज का प्रावधान एवं अन्य सभी सहायक कार्य। (ii) मंडल अभियंता (मुख्यालय)/सियालदह के तहत सभी अन्य सहायक कार्यों के साथ साइड रेलवे परिसर में लेवल क्रॉसिंग गेटों से जुड़ी सड़क सहित क्षतिग्रस्त स्टेशन एप्रोच एरिया की मरम्मत। **निविदा मूल्य :** रु. 2,77,30,961.31, **बयाना राशि :** रु.5,54,600/- **क्रम सं. 2, निविदा सं.: टीएन-151-26-27, कार्य का नाम:** सहायक अभियंता/बालीगंज के अधिकार क्षेत्र में वरिष्ठ शाखा अभियंता (पी. वे)/चितपुर के अधीन सुरक्षा बढ़ाने और रिडिंग क्वालिटी (फेज-I) में सुधार लाने के लिए माझेरहाट-पतिपुकुर खंड में चैनेज 13.500 से 14.330 तक, 52 केजी से 60 केजी में बीएलटी को बदलना (कुल लंबाई 800 मीटर)। **निविदा मूल्य:** रु. 1,47,78,010.17, **बयाना राशि:** रु.2,95,600/-, **कार्य की समापन अवधि:** 12 (बारह) माह (क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु)। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 11.09.2026 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु)। **निविदा के खुलने की तिथि और समय:** दिनांक 11.09.2026 को 15.30 बजे (क्रम सं. 1 एवं 2 हेतु)। निविदा कागजात एवं अन्य विवरण वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जाएगी। मैनुअल प्रस्ताव तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। भारतीय रेलवे मानक अनुबंध 2022 की सामान्य शर्तों के अनुसार ई-निविदा प्रपत्र की लागत शून्य है।

SDAH-180/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

इंद्रपुरी बराज से सोन नद में 1.94 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया, तटीय इलाकों में प्रशासन ने बढ़ायी सतर्कता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारून (औरंगाबाद)। लगातार हो रही बारिश के कारण इंद्रपुरी बराज में पानी की आवक बढ़ गई है। बुधवार को बराज का जलस्तर बढ़ने के बाद 69 में से 34 गेट खोल दिए गए। इन गेटों के माध्यम से सोन नदी में करीब 1.94 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद सोन नदी के तटीय इलाकों में प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है। जल संसाधन विभाग की मॉनिटरिंग कार्यपालक अभियंता भारती रानी ने बताया कि बुधवार को इंद्रपुरी बराज में करीब 2.06 लाख क्यूसेक पानी की आवक हो रही थी। वहीं झारखंड के मोहम्मदगंज स्थित भीम बराज से भी 80 हजार क्यूसेक से अधिक पानी इंद्रपुरी बराज की ओर पहुंच रहा है। पानी की बढ़ती आवक को देखते हुए विभाग के अधिकारी बराज की स्थिति पर 24 घंटे नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने बताया कि बराज का निर्धारित जलस्तर बनाए रखने के बाद अतिरिक्त पानी को सोन नदी में छोड़ा जा रहा है। इसके अलावा पश्चिमी संयोजक नहर में 7,816 क्यूसेक और पूर्वी संयोजक नहर में 4,255 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। पानी की आवक अधिक होने के कारण बराज के 34 गेट खोलकर सोन नदी में पानी का बहाव कराया जा रहा है। जल संसाधन विभाग की टीम लगातार जलस्तर, पानी की आवक और निकासी की निगरानी कर रही है। इधर इंद्रपुरी बराज से बड़ी मात्रा में पानी सोन नदी में छोड़े जाने के बाद औरंगाबाद जिला प्रशासन ने ओबरा और दाउदनगर के सोन तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क किया है। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों और खासकर बच्चों को नदी के किनारे नहीं जाने की सलाह दी गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदी के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए सावधानी बरतें और किसी भी तरह का जोखिम न लें। संभावित स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन एवं जल संसाधन विभाग की टीमें लगातार हालात पर नजर रख रही हैं।

नदी से 24 घंटे बाद मिला वृद्ध का शव

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। देव थाना अंतर्गत दधपा निवासी 80 वर्षीय बैजनाथ तिवारी का शव बुधवार की सुबह टेकारी नदी से बरामद कर लिया गया। करीब 24 घंटे तक चले खोजबीन अभियान के बाद नदी किनारे बांस के पेड़ में फंसा उनका शव ग्रामीणों ने देखा। शव मिलने की सूचना गांव में फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गयी। ग्रामीणों ने नदी में उतरकर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के पुत्र श्रवण कुमार तिवारी ने बताया कि उनके पिता सुबह शौच के लिए घर से निकले थे। इसी दौरान पैर फिसलने से वह नदी में गिर गये और डूबने से उनकी मौत हो गयी। थानाध्यक्ष कुमार सौरभ ने बताया कि मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

साइबर अपराध को लेकर सरकार गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। साइबर अपराध एवं डिजिटल अरेस्ट से संबंधित मामलों के प्रभावी निराकरण को लेकर बुधवार को बिहार सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं संबंधित पदाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा, पुलिस अधीक्षक उपेंद्र नाथ वर्मा एवं साइबर डीएसपी सहित संबंधित पदाधिकारियों ने में भाग लिया। बैठक में साइबर अपराध से संबंधित शिकायतों के त्वरित निष्पादन, धनराशि की बहाली तथा विभिन्न साइबर सुरक्षा मॉड्यूल में लंबित मामलों के निष्पादन की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान शिकायत निवारण मॉड्यूल में जिलेवार प्रगति की समीक्षा की गई। औरंगाबाद जिले में प्राप्त कुल 28 शिकायतों में से 27 शिकायतों का निष्पादन कर दिया गया है जबकि मात्र 01 शिकायत लंबित है। इस प्रकार जिले में शिकायतों के निष्पादन की उपलब्धि लगभग 97 प्रतिशत है। पैसा वापसी मॉड्यूल की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि बिहार में साइबर अपराध के मामलों में पीड़ितों की धनराशि की बहाली की उपलब्धि 70.06 प्रतिशत है। इस क्षेत्र में भी औरंगाबाद जिला द्वारा बेहतर प्रदर्शन किया जा रहा है। जिले में धनराशि की बहाली से संबंधित 68 मामलों में से 61 मामलों में एलईए के ऑर्डर का निष्पादन किया जा चुका है जबकि मात्र 07 मामले लंबित हैं। इसी क्रम में गैरकानूनी सामग्री हटाने की राज्यस्तरीय प्रगति 81.69 प्रतिशत बताई गई। साइबर अपराध से संबंधित आपत्तिजनक एवं अवैध सामग्री को समयबद्ध तरीके से हटाने हेतु संबंधित पदाधिकारियों को लगातार कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सीआईएआर से संबंधित जिलेवार स्थिति की भी समीक्षा की गई। औरंगाबाद जिले में प्राप्त कुल 337 अनुरोधों में से 298 अनुरोधों का निष्पादन कर दिया गया है। इस प्रकार जिले में 93.32 प्रतिशत अनुरोधों का निष्पादन किया जा चुका है। मुख्य सचिव द्वारा साइबर अपराध के मामलों में त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों की शिकायतों के समयबद्ध निराकरण, फंसी हुई धनराशि की अधिकतम बहाली तथा साइबर अपराध से संबंधित अवैध सामग्री को हटाने की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने का निर्देश दिया गया।

डकैती, दहेज़ हत्या सहित अन्य मामलों में 48 लोग गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले में अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने को लेकर औरंगाबाद पुलिस ने सघन अभियान चलाया। इस क्रम में मंगलवार की रात जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई कार्रवाई में कुल 48 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनमें से 32 अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस की इस कार्रवाई को बड़ी सफलता माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार डकैती कांड में एक, एनडीपीएस एक्ट में एक, दहेज हत्या में एक, एससी-एसटी एक्ट में दो, हत्या के प्रयास में तीन, मद्य निषेध अधिनियम के तहत नौ तथा अन्य मामलों में 31 लोगों की गिरफ्तारी की गई। इस दौरान 30 लीटर देसी शराब, 16 लीटर विदेशी शराब, 2.142 किलोग्राम गांजा, एक स्कूटी, एक ट्रैक्टर एवं 100 सीएफटी बालू जब्त किया गया है। वाहन जांच अभियान के तहत 895 वाहनों की जांच की गई जिसमें 12000 रूपये शमन की राशि वसूल की गई। इसके अलावा चार वारंट एवं चार कुर्की का निष्पादन किया गया है। पुलिस पदाधिकारी उपेंद्र नाथ वर्मा ने बताया कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

संत रविदास की जयंती पर निकाली गई भव्य कलश यात्रा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर जिला समाहरणालय परिसर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ विधान परिषद सदस्य दिलीप सिंह, सदर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह पूर्व सांसद सुशील सिंह, जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा एवं पुलिस अधीक्षक उपेन्द्रनाथ वर्मा द्वारा संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया गया। उक्त कार्यक्रम में जिला परिषद उपाध्यक्ष किरण सिंह, बीस सूत्री सदस्य, नागरिक परिषद के अध्यक्ष उदय गुप्ता एवं उपाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में विकास मित्र, गणमान्य नागरिकों एवं आमजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यात्रा के दौरान संत रविदास जी के विचारों, उनके सामाजिक समरसता एवं समानता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं ने संत रविदास के जीवन एवं उनके सामाजिक संदेशों को स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन समानता, भाईचारा, सामाजिक सद्भाव और मानव कल्याण का प्रेरणास्रोत है। कलश यात्रा के माध्यम से उनके विचारों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने तथा सामाजिक समरसता को और मजबूत करने का संदेश दिया गया। यह कलश यात्रा संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके माध्यम से उनके आदर्शों एवं विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

करोड़ों की ठगी मामले में पलामू पुलिस ने तामिल की नोटिस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मदनपुर। पांच करोड़ रूपये से अधिक राशि के चावल खरीद में ठगी के आरोपित के घर झारखंड पुलिस ने नोटिस तामिला किया है। मामला मदनपुर थाना क्षेत्र के अंजनवां बलवंत बिगहा गांव की है। आरोप है कि अंजनवां बलवंत बिगहा निवासी चंद्रशेखर यादव द्वारा हरिहरगंज के बजरंग ट्रेडर्स से पांच करोड़ 33 लाख रूपये मूल्य का चावल खरीदा गया लेकिन इसके बाद मात्र एक करोड़ 33 लाख रूपये वापस किया गया। कई बार पैसे मांगने पर आरोपी ने शेष पैसे नहीं दिया। इस संबध में पीड़ित द्वारा पलामू थाना में आरोपी के विरुद्ध फर्जीवाड़ा करने का मामला दर्ज करवाया। अनुसंधान इकाई के पुलिस पदाधिकारी निर्मल उरांव ने बताया कि मामले में राशि गबन करने के आरोप में झारखंड के पलामू पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार पलामू पुलिस ने मदनपुर पुलिस के सहयोग से अंजनवां बलवंत बिगहा में आरोपी के घर पर आज नोटिस तामिला कराया है। इस दौरान पुलिस को देख कर आरोपी मौके से भागने में सफल रहा।

नई जमाबंदी के आधार पर बनाएं फार्मर रजिस्ट्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। एग्री-स्टैक के अंतर्गत संचालित किसान रजिस्ट्री, डिजिटल फसल सर्वेक्षण, उर्वरक बिक्री के लिए रूपरेखा सहित विभिन्न घटकों की प्रगति की समीक्षा को लेकर आज बिहार सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सभी जिलों के जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई। बैठक में जिलावार प्रगति, लंबित मामलों के निष्पादन तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में किसान रजिस्ट्री की समीक्षा के क्रम में बताया गया कि राज्य के 38 जिलों में अब तक 55.48 लाख किसान रजिस्टर पूर्ण की जा चुकी हैं। पीएम-किसान लाभार्थियों के लक्ष्य के विरुद्ध राज्य की उपलब्धि 64.2 प्रतिशत है। बैठक में हल्का कर्मचारी व आरओ-सीओ सत्यापन एवं अनुमोदन से संबंधित लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। राज्य में कुल लंबित मामलों में पिछले अवधि की तुलना में कमी दर्ज की गई है। औरंगाबाद में 18 अगस्त 2026 तक कुल 5,249 लंबित मामलों का निष्पादन किया गया है। किसान रजिस्ट्री को और गति देने के लिए उत्परिवर्तन के बाद ऑटो फ़ार्मर रजिस्ट्री बनाना की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। प्रस्ताव के अनुसार उत्परिवर्तन के समय ही किसान की सहमति लेकर नई जमाबंदी बनने के बाद फ़ार्मर रजिस्ट्री स्वतः तैयार की जा सकेगी। साथ ही लंबित कम एमएनएस वाले मामलों के सत्यापन एवं समाधान तथा नई जमाबंदी के आधार पर पात्र किसानों की फ़ार्मर रजिस्ट्री बनाने पर जोर दिया गया। इसके पश्चात डिजिटल फसल सर्वेक्षण (खरीफ 2026) की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव द्वारा सभी जिलाधिकारियों को किसान रजिस्ट्री और डिजिटल फसल सर्वेक्षण के कार्यों में और तेजी लाने, लंबित सत्यापन और अनुमोदन मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने तथा फ़ील्ड-स्तर की निगरानी को मजबूत करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा, पुलिस अधीक्षक उपेंद्रनाथ वर्मा, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी श्वेता प्रियदर्शी एवं जिला कृषि पदाधिकारी संदीप राज उपस्थित थे।

देव मोड़ से सूर्यकुंड तक स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले के ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी देव में आगामी छठ पूजा के दौरान सभी आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा तैयारियों को समयबद्ध रूप से पूर्ण कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पार्किंग एवं आवासन स्थल का जायजा लिया तथा छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। आवासन स्थल पर उपलब्ध हाई मास्ट लाइट की सुविधा का भी निरीक्षण किया गया ताकि श्रद्धालुओं को रात्रि के समय पर्याप्त प्रकाश की सुविधा मिल सके। जिलाधिकारी द्वारा देव मोड़ से सूर्यकुंड तक स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए गए ताकि छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं के आवागमन में सुविधा हो तथा पूरे मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध रहे। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने रुद एवं सूर्यकुंड का भी निरीक्षण किया। दोनों स्थलों पर चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए कार्यों को निर्धारित समयसीमा के अनुरूप पूर्ण कराने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। श्रद्धालुओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्था का भी जायजा लिया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं, प्राथमिक उपचार एवं अन्य चिकित्सा सुविधाएं सुचारू रूप से उपलब्ध रहें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा पोखर के समीप सोलर ट्री लगाने का प्रस्ताव भी दिया गया जिससे परिसर में प्रकाश एवं सौंदर्यीकरण की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को आगामी छठ पूजा को ध्यान में रखते हुए समुचित प्लानिंग एवं आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। जिले के ओबरा थाना क्षेत्र के शंकरपुर पेट्रोल पंप के समीप सड़क पर खड़े ट्रक से बाइक की टक्कर में 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान महथू गांव निवासी केदार विश्वकर्मा के पुत्र अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। हादसे के बाद परिजनों में मातम पसरा है। जानकारी के अनुसार अभिषेक कुमार अपने मित्र शंकरपुर निवासी मिथुन कुमार को बाइक से शंकरपुर छोड़कर अपने गांव महथू लौट रहा था। इसी दौरान उस जगह सड़क पर खड़े ट्रक से उसकी बाइक जोरदार तरीके से टकरा गई। हादसे में अभिषेक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे तत्काल जमुहार स्थित मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक मालिक और मृतक के परिजनों ने परिवहन विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इधर परिवहन विभाग की डीटीओ सुनंदा कुमारी ने लगाए गए आरोपों को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि वह खुद मामले की जांच कर रही हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया है।

मॉर्निंग वॉक के दौरान युवा व्यवसायी का निधन

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिला मुख्यालय के समीप ओरा पंचायत अंतर्गत राजपुर गांव निवासी कपड़ा व्यवसायी रामजी कुमार का बुधवार की सुबह आकस्मिक निधन हो गया। करीब 35 वर्षीय रामजी कुमार सुबह लगभग सात बजे मॉर्निंग वॉक पर निकले थे। इसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनका निधन हो गया। उनके अचानक निधन की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और व्यवसाय जगत में शोक की लहर दौड़ गई। रामजी कुमार, पिता राम बचन राम, औरंगाबाद के बंगाली मार्केट में अर्पिता साड़ी सेंटर नाम से कपड़े का व्यवसाय करते थे। समाजसेवी रणजीत सिंह ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि रामजी कुमार काफी मेहनती, मिलनसार और सामाजिक व्यक्ति थे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस, ग्रोथ सेंटर, बियाडा, जसोइया, औरंगाबाद (बिहार) से मुद्रित एवं सत्येन्द्र नगर, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।

संपादक - कमल किशोर
नवबिहार टाइम्स (दैनिक)
सत्येन्द्र नगर औरंगाबाद (बिहार)
पिन - 824101
मो.-9431223574,9572550076
व्हाटसप नं.-7295863300
ई-मेल: nbtimesbihar@gmail.com
Web : www.navbihartime.com

झारखंड कार्यालय
31, कॉपरेटिव कॉलोनी.
बोकारो स्टील सिटी, बोकारो
मो.- 9431145865

दिल्ली प्रतिनिधि
मो.- 09818366269

पहला विद्यार्थी सहयोग कार्यक्रम 25 को

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिले में 25 अगस्त को प्रथम विद्यार्थी सहयोग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं एवं सुझावों को समझने तथा उनके समाधान की दिशा में प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी को विद्यार्थी सहयोग पोर्टल के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इससे जोड़ने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध एवं संवेदनशील निराकरण पर विशेष बल दिया गया। विद्यार्थी सहयोग कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं एवं सुझाव सहज रूप से प्रशासन तक पहुंचाने के लिए एक प्रभावी संवाद मंच उपलब्ध कराना है।

शिक्षक के घर से चोरों ने उड़ायी 20 लाख की संपत्ति

औरंगाबाद(नबिटा ब्यूरो)। दाउदनगर थाना क्षेत्र में चोरी की बढ़ती घटनाओं ने एक बार फिर स्थानीय निवासियों की नींद उड़ा दी है। ताजा मामला यदुवंशी नगर से सामने आया है जहां अज्ञात चोरों ने एक शिक्षक के बंद घर को निशाना बनाते हुए करीब 20 लाख रुपये की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। चोर घर में घुसकर सोना-चांदी के जेवरात सहित अन्य जरूरी सामान करीब 20 लाख रुपये की संपत्ति लेकर फरार हो गए। घटना के बाद आसपास डर और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। पीड़ित गृहस्वामी शिक्षक अमरजीत कुमार सिंह ने बताया कि वे अपनी पत्नी के साथ देवघर भगवान भोलेनाथ पर जल चढ़ाने गए थे। इसी क्रम में देर रात अज्ञात चोरों ने क़रीब 20 लाख रूपये की संपत्ति चोरी कर ली। घटना की सूचना पड़ोसियों द्वारा फोन पर मिली। पीड़ित ने बताया कि उनका पैतृक घर गोह प्रखंड क्षेत्र के दोवाल में पड़ता है। दाउदनगर में वर्ष 2022 से मकान बनाकर रह रहे है। इससे पूर्व भी दाउदनगर में चोरी की कई घटनाएं हो चुकी है। मामले की जानकारी पुलिस को दे दी गई है। पुलिस पदाधिकारी के अनुसार मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। चोरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विभिन्न पहलुओं पर जांच की जा रही है। जल्द ही मामलों का उद्भेदन किया जाएगा।